RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2023-25
Desp.02 February, 2024

अंक – 08 (मासिक) वर्ष – 19 फरवरी, 2024 मूल्य 20/–

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

श्रीराम राज्य का सूत्रपात

श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र ने मनाई रजत जयंती

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2024
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

RR

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-08 फरवरी 2024 वर्ष-19

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
जयराम भूतड़ा, लातूर

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)
गोविन्द मालू (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300
Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

धर्मपथ के पथिक बने

महाभारत के शांतिपर्व का 321 वाँ अध्याय महर्षि वेदव्यास और उनके पुत्र शुकदेवजी के मध्य संवाद है। इसमें पुत्र को उपदेश देते हुए वेदव्यास ने मनुष्य की आयु को अश्व के रूपक से व्यक्त किया है जो अद्भुत है।

महर्षि कहते हैं, 'मनुष्यों का आयुरूप अश्व बड़े वेग से दौड़ रहा है। इसका स्वभाव अव्यक्त है। कला, काष्ठा आदि इसके शरीर हैं। इसका स्वरूप सूक्ष्म है। क्षण व निमेष इसके रोम हैं और ऋतुएँ मुख हैं। शुक्ल व कृष्णपक्ष इसके दो नेत्र हैं तथा महीने इसके अंग हैं। यह वेगवान अश्व यहाँ किसी की अपेक्षा न रखकर निरन्तर अविराम वेग से भाग रहा है। उसे देखकर यदि तुम्हारी ज्ञानदृष्टि जागृत नहीं होती तो अपने को धर्म की ओर प्रवृत्त करो। अपनी दृष्टि धर्मात्माओं पर डालो।'

यह उपदेश शुकदेवजी के बहाने जगत् को दिया गया है। यह बताते हुए कि हम सबकी आयु तो पल-पल बीत रही है, वह भी अत्यंत तीव्र गति से। ऐसे में हमारे सामने दो ही रास्ते हैं। एक कि हम धर्म के मार्ग पर चले और दूसरा अधर्म के मार्ग पर। जो जिस मार्ग को चुनता है वह वैसा ही फल पाता है। फिर चाहे राजा हो या रंक, कर्मफल सभी को भोगना पड़ते हैं। जो धर्मात्माओं पर नज़र रखते हैं, वे उनसे प्रेरित होकर धर्म अर्थात् सदाचार की राह के पथिक बनते और यशस्वी होते हैं। इसके उलट जो आयुरूपी अश्व के वेग से अनजान संग्रह और स्वेच्छाचार में लगे रहते हैं, वे अपनी अधार्मिक राह के राही बनकर उसके अनुरूप फल पाते हैं। सार है समय की गति को समझे और सही राह चुने। ऐसा करने के लिए समाज के सज्जनों से प्रेरणा लें।

तभी तो वेदव्यास कहते हैं, 'ये चात्र प्रचलितधर्मकामवृत्ताः क्रोशन्तः सततमनिष्टसम्प्रयोगाः। किल्श्यन्तः परिगतवेदनाशरीरा बह्वीभिः सुभृशमधर्मकारणाभिः।।' अर्थात् जो लोग धर्म से विचलित होकर स्वेच्छाचार में लगे हैं, दूसरों को भला-बुरा कहते हुए सदा अनिष्टकारी व अशुभ कर्म करते हैं, वे मरने के बाद यातनादेह पाकर अपने पापों का कष्ट भोगते हैं।

मगर जो, 'राजा सदा धर्मपरः शुभाशुभस्य गोप्ता समीक्ष्य सुकृतिनां दधाति लोकान्। बहुविधमपि चरति प्रविशति सुखमनुपगतं निरवद्यम्।।' अर्थात् जो सर्वदा धर्मपरायण रहकर उत्तम व अधम सबका यथायोग्य ध्यान रखता है, वह पुण्यात्माओं का लोक पाता है। जो भी शुभकर्मों का आचरण करता है, उनके फलस्वरूप उसे दूसरों के लिए अप्राप्त व निर्दोष सुख मिलते हैं।

साधो! अतः सजग रहे, आयु का अश्व अविराम दौड़ रहा है। धर्मपथ चुने और धर्मात्माओं से सीख लेते हुए सद्कर्म करते रहे।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

सद्कर्म ही धर्म का मूल

माह जनवरी सम्पूर्ण राष्ट्र व सनातन धर्मावलंबियों ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण माहेश्वरी समाज के लिए गौरव का माह बन चुका है। कारण है इस माह की दो उपलब्धियाँ, प्रथम अयोध्या में श्री रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा तथा दूसरी श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र की रजत जयंती। वास्तव में ये दोनों ही कारण हमारे लिये गर्व करने वाले हैं। मैं सभी स्वजनों को इन दोनों ही गर्वित पलों की बधाई देता हूँ।

पुण्यभूमि अयोध्या वह स्थल है, जो भगवान श्रीराम की चरणरज से पावन तो है ही, साथ ही वह भगवान श्रीराम की बाल लीलाओं की साक्षी भी रही है। अतः यह स्थल हमेशा से ही सनातन धर्मावलंबियों के लिये अत्यंत पवित्र रहा है। दुर्भाग्यवश यह पावन तीर्थ विदेशी आक्रांताओं के आक्रमण का शिकार हो गया। इतिहास साक्षी है कि इस तीर्थ की रक्षा के लिये गत 500 वर्षों में लाखों सनातनधर्मियों ने अपने प्राणों की आहुति दी और सतत देते भी रहे। इनके परिणाम स्वरूप कई बार यह पुण्य स्थली आक्रांताओं के कब्जे से मुक्त हुई लेकिन फिर भी अधिक समय मुक्त नहीं रह सकी। रामजन्मभूमि मुक्ति में अपने प्राणों की आहुति देने का यह सिलसिला अंग्रेजी शासनकाल तो ठीक आजादी के बाद भी थमा नहीं। इसी प्रयास में कोठारी बंधुओं ने भी अपने प्राणों की आहुति दी थी। आखिरकार न्यायालय के निर्णयानुसार रामलला मंदिर स्थली विधर्मियों के कब्जे से मुक्त हो ही गई। गत 22 जनवरी 2024 इस 500 वर्षों के कठोर संघर्ष के बाद पुनः मंदिर में रामलला के स्थापना दिवस के रूप में इतिहास के पृष्ठों पर अंकित हो गया। अतः अब हमारे तीर्थ स्थलों में यह भी अत्यंत पावन रूप से शामिल हो चुका है। सम्पूर्ण माहेश्वरी समाज ने भी इस पावन अवसर पर विशिष्ट आयोजन कर धर्म के प्रति अपने समर्पण का परिचय दिया। इसके साथ ही इस वर्ष समाज कोठारी बंधुओं को नमन करके भी अपना योगदान दे रहा है। इस मंगल अवसर पर हमारे देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदीजी ने कहा कि यह आज नया कालचक्र प्रारंभ हुआ है। हमने उनकी भावनाओं को ध्यान रखते हुए ऋषिमुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पंचांग में श्रीरामलला विग्रह स्थापना संवत् के नाम एक नया संवत् प्रारम्भ किया है। ताकि आने वाली पीढ़ी को आज का दिन स्मरण रहे।

"श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र" वर्तमान में नवउद्यमियों के लिये स्नेह भरे आर्थिक सम्बल व मार्गदर्शन का पर्याय बन चुका है। सौभाग्य से इसी माह में केंद्र ने भी अपने स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "रजत जयंती समारोह" का आयोजन किया। इस पावन अवसर पर मैं इस केंद्र के स्वप्नदृष्टा आदरणीय बाबूजी पद्मश्री बंशीलाल राठी, केंद्र अध्यक्ष तथा मार्गदर्शक श्रीमती राजश्री बिड़ला, स्व. श्री ओंकारनाथ मालपानी, स्व. श्री कस्तूरचंद बाहेती, श्याम सुंदरजी काबरा, नवलजी राठी, आनंदजी राठी, सहित सभी केंद्र के समर्पित उन नक्षत्रों को नमन करना चाहूँगा, जिन्होंने "श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र" को सूर्योदय से उसके वर्तमान तक उसे अपने श्रम, समर्पण व धन से सींचा और इस मुकाम पर पहुँचाया, जिससे यह समाज को सम्बल दे सके। इस गौरवशाली पल के लिये भी मैं सम्पूर्ण समाज को बधाई देता हूँ। याद रखें ऐसे ही पल हमें "माहेश्वरी" होने के कारण गौरवान्वित कर माहेश्वरी सेवा भावना की पताका फहराते हैं।

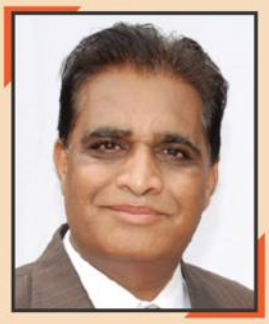

यह अंक रामजन्मभूमि तथा श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र को समर्पित है। इसके साथ इसमें अन्य स्थायी स्तम्भों को भी समाहित करने का प्रयास किया गया है। निःसंदेह यह अंक अपनी इस विशिष्ट सामग्री से संग्रहणीय सिद्ध होगा। यह अंक कैसा लगा, यह व्यक्त करना भी न भूलें।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

लातूर निवासी श्री जयराम भूतड़ा की पहचान एक समर्पित समाजसेवी के साथ ही समाज चिंतक के रूप में भी है। श्री भूतड़ा का जन्म 22 जनवरी 1971 को लातूर में ही श्री मदनगोपाल भूतड़ा के यहाँ हुआ था। आप व्यावसायिक रूप से प्रतिष्ठित इलेक्ट्रिल, तारपोलीन तथा रोप व्यवसायी के रूप में अपनी सेवा दे रहे हैं। समाजसेवा के क्षेत्र में युवा संगठन से आपने अपनी सक्रिय भागीदारी प्रारम्भ की। इसके अंतर्गत श्री भूतड़ा माहेश्वरी युवा संगठन लातूर के अध्यक्ष तथा लायंस क्लब अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवा दे चुके हैं। महाराष्ट्र प्रादेशिक युवा संगठन उपाध्यक्ष तथा अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सेवा दे चुके हैं। लातूर शहर माहेश्वरी सभा तथा जिला माहेश्वरी सभा को संचालक के रूप में सेवा दे रहे हैं। आपका विवाह 28 मई 1996 को हदगाँव (नांदेड़) निवासी श्री हरिप्रसाद सारडा की सुपुत्री निर्मला भूतड़ा के साथ हुआ था। वर्तमान में परिवार में पुत्र प्रथमेश, शिवम व विशाल हैं। धर्मपत्नी सहित सम्पूर्ण परिवार भी श्री भूतड़ा के पदचिन्हों पर चलते हुए समाजसेवा में प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष रूप से अपनी सेवा दे रहा है। श्री भूतड़ा इन संस्थाओं के साथ ही अन्य कई समाजसेवी संस्थाओं से सम्बद्ध होकर भी अपनी सदैव सेवा देते रहे हैं।

सेवा का परचम फहराता श्री आदित्य विक्रम बिड़ला केंद्र

माहेश्वरी समाज हमेशा से अपनी विशिष्ट सेवा भावना से भी देश ही नहीं सम्पूर्ण विश्व में भी शीर्ष पर रहा है, जिस तरह उद्योग जगत में भी शिखर पर गौरवान्वित होता रहा है। देश भर में स्थापित विभिन्न सेवा संस्थाऐं और भवन आदि इसी सेवा भावना का साकार स्वरूप हैं। इन्हीं में से एक श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र चैन्नई भी है, जो वर्तमान में समाज के नवउद्यमियों के लिये उनके उत्थान का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। केंद्र समाज के उद्यमियों व व्यवसायियों को न सिर्फ आर्थिक सहयोग प्रदान करता है बल्कि उन्हें इस तरह अपनत्व भरा व्यावसायिक मार्गदर्शन भी प्रदान करता है, जिससे वे व्यावसायिक पथ पर पीछे मुड़कर न देखें।

अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि इस गौरवशाली संस्था "श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र" ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर लिये हैं और इन 25 वर्षों में केंद्र हजारों समाजजनों को आर्थिक सम्बल प्रदान कर व्यावसायिक रूप से आत्मनिर्भर बना चुका है। केंद्र से लाभान्वित होने वाले समाजजन देश के लगभग हर क्षेत्र से हैं। इसका अर्थ यह है कि केंद्र की पहुँच हर आम समाजजन तक है। प्रसन्नता की बात है कि केंद्र की योजनाओं को आम समाजजन तक पहुँचाने में महासभा सहित समस्त माहेश्वरी समाज संगठन भी समर्पित भाव से अपना सहयोग प्रदान कर रहे हैं। वास्तव में किसी भी सामाजिक योजना को सफल बनाने के लिये सिर्फ धन ही नहीं बल्कि समर्पित सहयोग की भी किस तरह जरूरत होती है, उसी का प्रत्यक्ष प्रमाण केंद्र की गतिविधि हैं, जिनमें हर पदाधिकारी व ट्रस्टी निःस्वार्थ भाव से सहयोग दे रहे हैं।

लगभग 25 वर्ष पूर्व समाज के नवउद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने का स्वप्न बाबूजी श्री बंशीलालजी राठी ने देखा था। वास्तव में इसे साकार करना अत्यंत कठिन कार्य था, लेकिन इस कार्य में सभी का इतना सहयोग मिला कि जिसकी किसी ने कल्पना ही नहीं की थी। केंद्र की प्रथम बैठक में ही 75 लाख रुपये का अर्थ संग्रह हो गया। इसके अतिरिक्त बिड़ला परिवार से भी 31 लाख रुपये का सहयोग शुभारम्भ में ही मिल गया। केंद्राध्यक्ष श्रीमती राजश्री बिड़ला, बाबूजी श्री राठी, उनके साथी स्व. श्री कस्तूरतचंद बाहेती सहित सभी सहयोगियों की मेहनत रंग लाती ही गई और केंद्र एक विशाल वटवृक्ष का सा स्वरूप लेता चला गया। वर्तमान में केंद्र अपने विशाल कोष के माध्यम से न सिर्फ समाजजनों को उद्योग-व्यवसाय के लिये आर्थिक सम्बल प्रदान करता है, बल्कि प्राकृतिक आदि विपदाओं के समय भी हमेशा सहयोगी की भूमिका निभा रहा है। मैं केंद्र को सेवा के इस वटवृक्ष का सा स्वरूप प्रदान करने वाले समस्त महानुभावों को नमन करता हूँ।

श्री रामजन्मभूमि अयोध्या में भी श्री रामलला पुनः विराजित हो चुके हैं। इस पावन अवसर का भी सम्पूर्ण विश्व साक्षी बना है। रामजन्मभूमि मुक्ति के इस यज्ञ में प्राणों की आहुति देने वाले कोठारी बंधुओं को नमन करते हुए मैं समस्त समाजजनों को इस पावन अवसर की भी बधाई देता हूँ।

जयराम भूतड़ा, लातूर
अतिथि सम्पादक

टीम SMT

श्री सांगल माताजी

श्री सांगल माताजी माहेश्वरी समाज के भट्टड़, मालपानी व जावंधिया खाँप की कुलदेवी हैं।

माताजी का मंदिर राजस्थान के जैसलमेर जिले में भादरिया गाँव में स्थित है। यह मंदिर देश ही नहीं अपितु सम्पूर्ण ऐशिया में अपनें चमत्कारिक प्रभावों से प्रसिद्ध है। अतः माहेश्वरी समाजजनों के साथ ही अन्य जाति के श्रद्धालुओं की भी यहाँ भीड़ लगी रहती है। यह मान्यता है कि यहाँ मांगी हुई मुराद अवश्य ही पूरी होती है।

इस मंदिर की एक और भी विशेषता है। यहाँ एक विशाल अन्डरग्राउण्ड लायब्रेरी है जिसमें लाखों पुस्तकें हैं। इनमें कई दुर्लभ पुस्तकें भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त यहाँ लगभग 1500 गायों की विशाल गौशाला भी है। मंदिर में नियमित पूजा-अर्चना तो होती ही है, नवरात्रि में लगने वाला मेला विशेष आकर्षण होता है।

कहाँ-ठहरें

ठहरने के लिये भादरिया गाँव में ही श्री सांगल माताजी के मंदिर परिसर के समीप धर्मशाला बनी हुई है जिसमें ठहरने की सामान्य सुविधा उपलब्ध है।

कैसे पहुँचें

भादरिया गाँव जोधपुर मार्ग पर जैसलमेर से 75 कि.मी. तथा पोकरन से 40 कि.मी. दूर है। वैसे तो जैसलमेर व पोकरन से बस सुविधा भी उपलब्ध है लेकिन निजी वाहन या टैक्सी से आना जाना ज्यादा सुविधाजनक है।

श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र ने मनाई 'रजत जयंती'

केंद्र स्थापना के साथ सेवा के 25 वर्ष पूर्ण - सभी के योगदानों को किया नमन

चैन्नई। समाज के युवाओं व उद्यमियों के लिये अपनत्व भरा सम्बल बन चुकी संस्था श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र ने 25 वर्षों की सफल सेवा यात्रा पूर्ण कर ली है। इस अवसर पर केंद्र द्वारा ''रजत जयंती समारोह'' मनाकर केंद्र की गतिविधियों में योगदान देने वाले महानुभावों का आभार भी व्यक्त किया गया।

श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र की मैनेजिंग कमेटी बैठक गत 13 जनवरी 2024 को सायं 7.00 बजे होटल ताज कन्नीमरा चेन्नई में केन्द्राध्यक्ष पद्मभूषण राजश्री बिड़ला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मैनेजिंग कमेटी एवं सहायक समिति सदस्यों के साथ अनेक आमंत्रित सदस्य उपस्थित हुए। केन्द्र महामंत्री स्व. श्री कस्तुरचन्द बाहेती को श्रद्धांजली दी गई। बैठक में विषय सूची के अनुसार सभी विषयों पर चर्चा के साथ-साथ केन्द्र गतिविधियों की जानकारी तथा 14 जनवरी 2024 को आयोजित रजत जयंती समारोह की जानकारी देते हुए समीक्षा की गई। बैठक में स्व. श्री कस्तुरचन्द बाहेती के स्थान पर सर्वसम्मति से श्यामसुन्दर काबरा को केन्द्र महामंत्री एवं तेजरतन बियाणी को संयुक्त मंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई।

अगले दिन रजत जयंती समारोह

केन्द्र स्थापना (1999-2024) योजना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती समारोह गत 14 जनवरी 2024 को डी जी वैष्णव कॉलेज, चेन्नई में मनाया गया। बिड़ला समूह की चेयरमेन एवं केन्द्राध्यक्ष-पद्मभूषण राजश्री बिड़ला के मुख्य आतिथ्य, संगम ग्रुप के चेयरमेन समाज गौरव एवं भामाशाह - रामपाल सोनी, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति श्यामसुन्दर सोनी, महासभा के वर्तमान सभापति संदीप काबरा के आतिथ्य में केन्द्र के संस्थापक एवं कार्याध्यक्ष-पद्मश्री बंशीलाल राठी, केन्द्र महामंत्री- श्यामसुन्दर काबरा, केन्द्र अर्थमंत्री-आनन्द राठी, संयुक्त मंत्री तेजरतन बियाणी, केन्द्र के समस्त मैनेजिंग कमेटी एवं सहायक समिति सदस्य, देश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे दानदाता सदस्यगण, योजना से जुड़े सक्रिय कार्यकर्ता, आमंत्रित बन्धु एवं बहनों की गरिमामयी उपस्थिति में यह समारोह बड़े ही सोहार्द्रपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। पद्मभूषण राजश्री बिड़ला, रामपाल सोनी, पद्मश्री बंशीलाल राठी, श्यामसुन्दर सोनी, संदीप काबरा आदि अतिथियों ने अपने ओजस्वी उद्बोधन से सभा को संबोधित कर प्रेरणा एवं मार्गदर्शन प्रदान किया।

केंद्र को योगदान देने वालों का अभिनंदन

समारोह के अवसर पर स्व. श्री ओंकारनाथ मालपानी, स्व. श्री कस्तुरचन्द बाहेती आदि द्वारा तन-मन-धन तथा निःस्वार्थ भाव से योजना में दी गई विशिष्ठ सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा योजना की स्थापना से योगदान देने वाले सभी सक्रिय पदाधिकारियों का भी श्रीफल और शॉल ओढ़ाकर सत्कार एवं अभिनन्दन किया गया। रजत जयंती वर्ष में समापन समारोह 15 अगस्त 2024 को राजस्थान के जोधपुर में आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया। इसी अवसर पर केंद्र को गत 25 वर्षों से सतत रूप से अकाउंटिंग की निःस्वार्थ सेवा देने वाले ख्यात सीए धनपतराज सकलेचा का भी स्वागत किया गया। कार्यकारी मंत्री नवल राठी ने श्री सकलेचा की सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि आपने केंद्र स्थापना से ही सतत रूप से निःशुल्क सेवा प्रदान की है, जो अपने आप में बहुत बड़ी बात है।

पद्मश्री राठी ने बताई केंद्र की सफलता की कहानी

श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र चैन्नई के संस्थापक व केंद्र के कार्याध्यक्ष पद्मश्री बंशीलाल राठी ने केंद्र की सफलता की कहानी बताते हुए कहा कि समाजहित की इस योजना में कभी धन की कमी आड़े नहीं आयी। उन्हें वर्ष 1997 में महासभा सभापति चुना गया। सन् 1999 में इस केंद्र की स्थापना हुई। इस केंद्र की स्थापना के लिये समाज के गौरव श्री आदित्य विक्रम बिड़ला के नाम पर इस केंद्र के नामकरण की उनकी मंशा थी। इसके लिए उन्होंने बिड़ला परिवार से सम्पर्क कर नाम की अनुमति मांगी, साथ ही यह भी कहा कि उन्हें संस्था के लिये केवल उनके नाम की अनुमति चाहिये, रुपये नहीं, क्योंकि हमें विश्वास था कि समाज से सहयोग तो मिल ही जायेगा। केंद्र की प्रथम बैठक में ही 75 लाख रुपये की राशि एकत्र हो गयी और बिड़ला परिवार की ओर से भी 31 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई। बस केंद्र ने 15 अगस्त 1999 से अपनी सेवा गतिविधि प्रारम्भ कर दी और आज 25 वर्ष में केंद्र की स्थिति आप सबके सामने है। स्व. श्री ओंकारनाथजी मालपानी के निधन के पश्चात इस केंद्र के महामंत्री के रूप में स्व. श्री कस्तूरचंद बाहेती ने कंधे से कंधा मिलाकर अपना समर्पित योगदान दिया। इस पूरी यात्रा में भाई श्री कस्तूरचंद बाहेती का जो साथ व सहयोग मिला वह अविस्मरणीय है। उनका देहावसान केंद्र और मेरी व्यक्तिगत रूप से बड़ी क्षति है।

बाबूजी के सपने का साकार रूप

श्री आदित्य बिड़ला व्यापार सहयोग केंद्र की अध्यक्ष राजश्री बिड़ला ने भी केंद्र की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह योजना श्री बंशीलालजी राठी की सोच एवं परिकल्पना का ही परिणाम है। शुरुआत से उन्होंने मेहनत और अथक प्रयासों से सभी का सहयोग लेकर समाज विकास की धारणा से सपना साकार कर दिखाया। प्रारंभ में श्री राठी के साथ श्री ओमप्रकाश मालपानी एवं श्री कस्तूरचंद बाहेती ने कदम से कदम मिलाकर योजना की रूपरेखा तैयार की। महासभा की पुष्कर बैठक 1999 में धन संग्रह की शुरुआत की। मात्र एक घंटे की अवधि में अनेक दानदाताओं ने स्वयं आगे आकर करीब पचहत्तर लाख राशि की घोषणा कर दी। उस समय ये दृश्य अपने आप में अद्भुत था। सही मायने में देखा जाए तो जरूरतमंद बंधुओं के उत्थान की दिशा में यह समय एवं समाज की आवश्यकता थी, जिसे श्री राठी के आत्मविश्वास एवं साहस ने सभी के सहयोग से पूर्ण किया। हम सभी के लिए बहुत ही खुशी की बात है कि केंद्र ने 1999 से 2024 तक उद्देश्यों की पूर्ति करते हुए अपनी यात्रा का प्रथम सफर पूर्ण कर लिया है और इस वर्ष रजत जयंती मनाई जा रही है।

स्कील डेवलपमेंट में दें सहयोग

अ.भा. माहेश्वरी महासभा सभापति संदीप काबरा ने समाज उत्थान के लिये केंद्र पदाधिकारियों से अनुरोध करते हुए कहा कि आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर देश में कोई भी पाँच स्थान आप चयनित करें। वहाँ आदित्य विक्रम मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र के माध्यम से हम स्कील डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना करें ताकि हमारे परिवारों को आने वाले समय के हिसाब से कैसे काम किया जा सकता है, जानकारी मिले। मैं केंद्र का इस बात के लिए भी धन्यवाद करना चाहता हूँ कि केन्द्र ने हमारे आग्रह पर एवीएनएम इनोवेट जो कार्यक्रम अभी महासभा ने लिया है, उसको स्पॉन्सर किया। उसका जितना भी खर्चा है, वो आदित्य विक्रम मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र उठा रहा है। इसके लिए मैं आपका अभिनंदन करना चाहता हूँ। यदि हमारे समाज का युवा आने वाले समय के हिसाब से अपने आपको अपडेट नहीं करेगा तो वो इस कॉम्पीटिटीव युग में अपने आपको कहीं नहीं टिका पाएगा।

समर्पण व कठोर परिश्रम का परिणाम

महासभा के पूर्व सभापति श्याम सोनी ने कहा कि महासभा के कार्यकर्ताओं में मैं उन विरले कार्यकर्ताओं में हूँ जो इस पच्चीस साल की यात्रा में सतत सदैव उपस्थित रहा। केंद्र की स्थापना के दिन देश के दो सरस्वती पुत्र केंद्रीय मंत्री वित्त मंत्री सुब्रमण्यम साहब और हमारे समाज के आर.सी. लाहोटी साहब चेन्नई में उपस्थित थे। मैं तो उसके पहले की यात्रा का भी साक्षी रहा हूँ। जब बाबू जी ने केंद्र की स्थापना के पहले बैठक में अपना ये आईडिया रखा। उस समय महासभा की फरीदाबाद बैठक में इसे पास कराया गया। लोग कहते ही हैं बाबू जी के रोम-रोम में "AVBM" बसा है। मेरा तो मानना है कि बाबू जी की अगर रक्त जांच कराई जाए तो AVBM करके एक नया group निकलेगा। अब समाज में पिछले कुछ सालों में काम करना सरल हो गया, मगर जब केंद्र की स्थापना की गई थी तब काम इतना सरल नहीं था। प्रादेशिक सभाएं और जिला सभाएं भी इस स्तर पर नहीं बनी थी। डाटा भी इतना सहजता से उपलब्ध नहीं था।

लाभ दिलवाने में भी सहयोग करें

महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी ने कहा कि केंद्र की 25 वर्षों की सफल विकास यात्रा वास्तव में बाबूजी श्री बंशीलाल राठी के समर्पण तथा राजश्री बिड़लाजी के कुशल मार्गदर्शन एवं सम्पूर्ण टीम के समर्पित सहयोग का परिणाम है। महासभा ने भी इस तरह कंधे से कंधा मिलाकर केंद्र को सहयोग प्रदान किया उसका परिणाम है कि इसका लाभ आम समाजजन तक पहुँचा। श्री सोनी ने सभी से अपील करते हुए कहा कि केंद्र को आर्थिक सहयोग तो दे ही रहे हैं साथ ही आप अपने क्षेत्र में योग्य व्यक्ति को केंद्र के माध्यम से लोन दिलवाकर नए उद्यमी तैयार करने में भी अवश्य सहयोग दें।

सभी के सहयोग ने दिलायी सफलता

केंद्र के कार्यकारी मंत्री नवल राठी ने कहा कि वैसे तो पूरी टीम के सहयोग का ही यह परिणाम है, पिछले 25 वर्षो में केन्द्र ने न सिर्फ आर्थिक क्षेत्र बल्कि प्राकृतिक विपदाओं के समय भी केंद्र ने अपना पूरा सहयोग दिया है। प्रदेश सभा, जिला सभा, प्रदेश अध्यक्ष सहित समस्त समाज बंधुओं का इतना सहयोग आज तक मिल रहा है कि इतनी हमें कल्पना नहीं थी। आगे भी कोई कमी नहीं आएगी, हमें इस कार्य को करने में बहुत आनंद आता है और जो भी केन्द्र में आता है हम उसके साथ पूरी मानवीयता संवेदना के साथ रहते हैं जिससे कहीं कोई रुकावट नहीं रहती है। पूरे भारत से मेरा निरंतर संपर्क रहता है। मुझे संस्कार में यही मिला है। मेरे पिताजी ने बोला है कि हर आदमी को प्रसन्न करके भेजना। हमारी सदैव ये इच्छा रहती है कि सबको प्रसन्न करके भेजें, जिससे किसी को कोई तकलीफ नहीं हो।

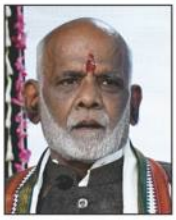

रजत जयंती स्व. श्री बाहेती का स्वप्न

केंद्र के रजत जयंती समारोह के स्वागताध्यक्ष चैन्नई माहेश्वरी सामाज के अध्यक्ष अशोक मूंदड़ा ने कहा कि आज इस समारोह में हम सभी को श्री कस्तूरचंद बाहेती की कमी महसूस हो रही है क्योंकि उनका सपना था केंद्र योजना के पच्चीस वर्ष पूरे होने पर रजत जयंती समारोह हर्षोल्लास के साथ चेन्नई में ही मनाना। हमारा समाज इमोशनल और संवेदनशील है। संख्या में कम होते हुए भी हम लोगों ने कभी भी ख्याति प्राप्त करने के लिए कोई काम नहीं किया लेकिन मानव सेवा और जनसेवा के लिए हमेशा हम सबसे आगे रहे। हिंदुस्तान में कहीं भी हो, कहीं भी आपदा हो या कुछ भी जरुरत हो चेन्नई माहेश्वरी समाज हमेशा आगे रहा है। यह संस्था भी उसी सेवा भावना का प्रमाण है।

यह कर्मशीलता का उत्कृष्ट प्रमाण

संजय मालपानी ने गीता के दृष्टांत से केंद्र की सफलता की तुलना करते हुए कहा कि **''यत्र योगेश्वर कृष्णो यत्र पार्थो धनुर्धरः तत्र श्री विजयो भूत ध्रुवा नीतिमिर मम।''** इसका मतलब केवल अर्जुन और कृष्ण नहीं योगेश्वर कृष्ण होना चाहिए। केवल पार्थ से भी नहीं होता, वो धनुर्धारी भी होना चाहिए। ''यत्र योगेश्वर कृष्णो यत्र पार्थो धनुर्धर'' वो धनुर्धारी पार्थ, जो है उसका मतलब ये है कि वो कर्मशील होना चाहिए। उसके अपने हाथ में गांडीव होना चाहिए, वो गांडीव केवल मारने के लिए नहीं था वो एक नए सृजन के लिए था। इस प्रकार का संकल्प लेकर जब कोई व्यक्ति चलता है, एक अच्छे काम के लिए आगे है, तब धन की कमी नहीं होती। वहाँ विजय प्राप्त होती है और ये विजय प्राप्त करने का काम आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केंद्र ने किया है।

आभार से कार्यक्रम का समापन

कार्यक्रम संयोजक व केंद्र कोषाध्यक्ष आनंद राठी ने अंत में सभी का आभार व्यक्त किया। श्री राठी ने कहा कि रजत जयंती समारोह का आयोजन बाबूजी पद्मश्री बंशीलाल जी राठी एवं स्व. श्री कस्तूरचंदजी बाहेती की कल्पना थी। इसे आयोजित करना एक कठिन कार्य था, लेकिन आप सभी के सहयोग व मार्गदर्शन से यह सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ। कार्यक्रम का संचालन कृष्णकुमार बाहेती एवं सुनीता बिसानी ने किया।

शिव पुराण कथा का आयोजन

भीलवाड़ा। काशीपुरी भीलवाड़ा में चल रही श्री शिव महापुराण कथा के विश्राम दिवस में कथा व्यास आनंद कृष्ण जी महाराज ने परमात्मा के चिंतन के विषय में बताते हुए बताया कि सृष्टि में मानव ही एकमात्र चिंतन प्रधान प्राणी है अपनी चिंतन क्षमता के कारण वह अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ एवं सर्वोत्तम ऐश्वर्य कृति है। कथा में रामेश्वर ज्योतिर्लिंग स्थापना के प्रसंग में बताया ''अगर सत्य के मार्ग पर चलकर पाप और अत्याचार पर विजय प्राप्त करने का एकमात्र साधन है, तो जीवन में सत्य को अपना कर समाज का भी उत्थान कर सकता है।'' भगवान श्रीराम ने भी लंका विजय से पूर्व शिवाराधना करके ही असुरों का सर्वनाश किया। आने वाली 22 जनवरी को 'राम दिपावली' मनाऐं। श्री सनातन सेवा समिति के सदस्य विश्व हिंदू परिषद् के प्रांत सामाजिक समरसता अभियान प्रमुख बद्रीलाल सोमानी, पार्षद मधु शर्मा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक गौभक्त पुरुषोत्तम दादा ने महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम जी महाराज और अध्यक्ष अशोक कुमार मूंदड़ा की ओर से सनातन संस्कृति का प्रचार-प्रसार करने वाले धर्म प्रचारक गोलोकवासी पूज्य मंहत खड़ेश्वरी महाराज के कृपा पात्र शिष्य राष्ट्रीय कथा वाचक आनन्द कृष्ण शास्त्री का श्री राम जन्मभूमि मंदिर महोत्सव पर्व पर 'अभिनंदन पत्र' भेंट कर सम्मान किया।

नववर्ष पर अन्नदान

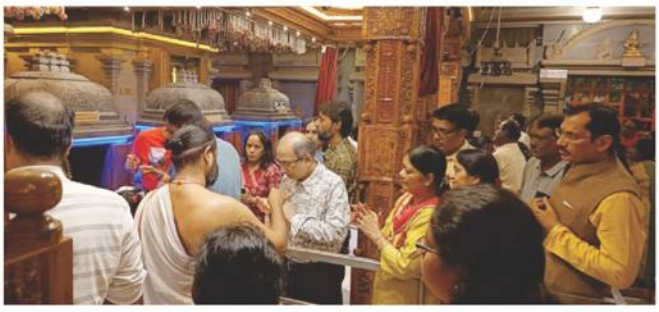

कोयंबटूर। 'श्री अन्नपूर्णेश्वरी देवी मंदिर माहेश्वरी युवा परिषद के तत्वावधान में गत 01 जनवरी 2024 को नववर्ष के उपलक्ष्य में अन्नदान का आयोजन 'श्री अन्नपूर्णेश्वरी देवी मंदिर', आर एस पुरम, कोयंबटूर के प्रांगड़ में संचालित वैदिक पाठशाला के विद्यार्थियों के लिए किया गया। आवासीय पाठशाला में 40 से ज्यादा विद्यार्थी वैदिक शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अन्नदान के तहत चावल, दाल आदि शुष्क खाद्य सामग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम में माहेश्वरी युवा परिषद के अध्यक्ष-गिरीराज फोमरा, सदस्य श्वेता भुराड़िया, लक्ष्मीकांत भुराड़िया, शिवरतन झंवर, राजेंद्र भट्टड़, गोविंद मण्डोवरा, मनोज गग्गड़, शिव मंत्री, संतोष मंत्री, भावना साबू, दीपा राठी, अरविंद काबरा, अभिषेक बागड़ी, इशिका एवं तनिषा फोमरा आदि ने भाग लिया।

उषा परमार को चरण पादुका भेंट

इंदौर। मध्यप्रदेश में भाजपा की पुनः विजय की कामना और इंदौर क्षेत्र क्रमांक 5 में विजय की कामना को लेकर वार्ड क्रमांक 54 की भाजपा महिला अ. जा. मोर्चा की पदाधिकारी उषा परमार ने चरण पादुका नही पहनने का संकल्प लिया था। भाजपा की प्रदेश और इंदौर क्षेत्र क्र. 5 में प्रचंड विजय हुई। उनका संकल्प पूरा होने पर उन्हें फिर से चरण पादुका पहनाई गई। महिलाओं ने उषा परमार का पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया। अतिथि भाजपा प्रवक्ता गोविंद मालू ने उन्हें चरण पादुका भेंट कर पहनने का आग्रह किया।

मोतियाबिंद जांच व लैंस प्रत्यारोपण

रतनगढ़। माहेश्वरी सभा ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं नेत्र लैंस प्रत्यारोपन शिविर का आयोजन माहेश्वरी भवन में हुआ। शिविर में 117 मरीजों की मोतियाबिंद जांच कर 43 मरीजों का चयन नेत्र लैंस प्रत्यारोपण के लिए किया गया। चयनित रोगियों को ऑपरेशन के लिए जयपुर शंकरा आई हॉस्पिटल ले जाया गया, जहाँ उनका ऑपरेशन आधुनिक तकनीक द्वारा बिना टांके का किया गया। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राकेश जाजू ने बताया कि मरीज को सभी प्रकार की व्यवस्थाएं पूर्णतः निःशुल्क रही। माहेश्वरी सभा के मंत्री रामोतार चांडक ने केम्प आयोजक का आभार प्रकट किया।

भरोसा सब पर कीजिये लेकिन सावधानी के साथ क्योंकि कभी-कभी खुद के दांत भी अपनी ही जीभ को काट लेते हैं।

महासभा बनाऐगी अयोध्या में 'भव्य शौर्य भवन'

वृंदावन में सम्पन्न अ.भा. माहेश्वरी महासभा की तृतीय कार्यसमिति एवं प्रथम कार्यकारिणी बैठक

वृंदावन। अ.भा. माहेश्वरी महासभा द्वारा तृतीय कार्यसमिति तथा प्रथम कार्यकारिणी सभा की बैठक का आयोजन गत 6 व 7 जनवरी 2024 को वृन्दावन में किया गया। इस बैठक में प्रत्येक जिले को फ्लेगशिप योजनाओं सहित अन्य सभी योजनाओं के आयोजन हेतु लक्ष्य प्रदान किये गये। इस अवसर पर अयोध्या में बनने वाले शौर्य भवन की योजना को भी मूर्त रूप दिया गया।

कार्यसमिति की बैठक में सभापति संदीप काबरा ने कहा जिन सदस्यों ने पद का दायित्व लिया है उस पद के प्रति उनकी जवाबदेही रहेगी। हर सदस्य को अपने दायित्व निर्वाहन में सक्रियता प्रमाणित करनी होगी। उस सक्रियता का मूल्यांकन होगा। महासभा की फ्लैगशिप योजनाओं के प्रति गंभीरता से प्रत्येक जिला संगठनों को इन कार्यक्रमों को आयोजित करना है। पर आयोजित करते समय किस योजना में किस प्रकार के श्रोता चाहिए इसका ख्याल रखना चाहिए। अन्यथा इन आयोजनों का सकारात्मक परिणाम नहीं होगा। महासभा की फ्लैगशिप योजना में शामिल "बच्चों को जीनियस कैसे बनाए" में रमेश परतानी, हैदराबाद द्वारा कौशल्या किड योजना द्वारा कार्यशाला आयोजित करवाऐं। इस योजना को युवा संगठन / महिला संगठन के माध्यम से आयोजित करना होगा। "ABMM INNOVATE" योजना में नए व्यापार के तरीके या प्रचलित व्यवसाय को विकसित करने के लिए हितेश पोरवाल के निर्देशन में "ABMM INNOVATE" से ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जोड़ा जाऐगा। प्रथम दिवस, 6 जनवरी को कार्यसमिति बैठक उपरांत आंचलिक बैठकें संपादित हुई। पूर्वांचल की बैठक सभापति संदीप काबरा की अध्यक्षता एवं अजय काबरा के नेतृत्व में आयोजित हुई। पूर्वांचल उपाध्यक्ष कैलाश काबरा, रमेश तापड़िया, सतीश चरखा, रमेश परतानी, शोभा सादानी एवं गिरिजा सारडा भी उपस्थित रहे। सभी प्रदेश अध्यक्षों ने प्रादेशिक गतिविधियों तथा अपनी समस्याओं तथा महासभा से अपनी अपेक्षाओं की बातें रखीं। श्री काबरा ने तथ्यों और आंकड़ो से सभी प्रादेशिक विषयों का समाधान किया। पाकिस्तान में भी 2500 माहेश्वरी परिवार हैं, इसकी उन्होंने जानकारी प्रदान की।

द्वितीय दिवस को शौर्य भवन का प्रजेंटेशन

द्वितीय दिवस, 7 जनवरी को प्रातः 10.30 बजे महासभा महामंत्री अजय काबरा ने कार्यकारिणी बैठक का संचालन करते हुए बैठक का शुभारंभ हुआ। स्वागताध्यक्ष एस एन चांडक ने अपने स्वागतीय उद्बोधन में कहा कि 200 करोड़ की लागत से बनने वाला अयोध्या शौर्य भवन, माहेश्वरियों के लिए माईलस्टोन है। युवा वर्ग को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना, बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति का अनिवार्य होना, घटती जनसंख्या पर चिंतन मनन, विवाह में आ रही मुश्किलों हेतु हर प्रदेश में सेल बनाना, biodata groups में सिर्फ निम्न वर्गीय परिवार ही नहीं बल्कि सभ्रांत परिवार भी biodata डालें, इसकी अपील की। देश के नीति निवारण में समाज का योगदान हो और यह तब होगा जब हमारी

जनसंख्या बढ़ेगी। चुनाव नहीं चयन प्रक्रिया होनी चाहिए और प्रवासी भारतीयों को भी संगठन से जोड़ना चाहिए। इसके बाद शोक प्रस्ताव पर पूरे सदन ने 2 मिनिट की मौन श्रद्धाजंलि अर्पित की। प्रोफेशनल सेल से श्री भूतड़ा ने NBFC, non banking financial company का प्रस्ताव मंच से पारित कराया। इसके बाद अयोध्या में निर्मित होने वाले भव्य शौर्य भवन का पीपीटी प्रेजेंटेशन हुआ।

युवा भी महासभा से जुड़ें

सभापति श्री काबरा ने कहा कि 132 साल के इतिहास में पहली बार 50 वर्ष से कम आयु के युवाओं को महासभा में जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। रमेश परतानी द्वारा भावी पीढ़ी को जीनियस बनाने के लिए प्रोग्राम के विषय में बताया गया। Abmm Innovate करीब 750 business ideas पर tracking युवा संगठन द्वारा करवा रही है। Aditya Vikram Birla group से करीब 1230 विद्यार्थियों ने लाभ उठाया है। अध्यक्ष जी ने कहा कि पारिवारिक समस्याओं का निवारण महिलाएं बेहतर कर सकती हैं। महिला संगठन का रोल समाजोत्थान तथा संस्कृतिवर्धन दोनों में महत्वपूर्ण होता है। युवा संगठन को भी इसी प्रकार आगे बढ़ना चाहिए। socio economic survey के महत्व को बताते हुए कहा कि हमें भी इसकी स्टडी करना चाहिए। करीब 1130 जरूरतमंद बहनें महासभा से आर्थिक सहयोग प्राप्त कर रही हैं और महिला संगठन से वे अपेक्षा रखते है कि इन बहनों से महिला संगठन निजी संपर्क में रहे। इसी प्रकार युवा संगठन भी छात्र जिनको ट्रस्ट से सहायता मिली उनसे संपर्क कर पता करें कि इस सहयोग से उन्हें क्या फायदा हुआ। करीब 7700 बच्चे अभी तक लाभांवित हुए हैं। श्री काबरा ने अपील की कि आगामी एक वर्ष तक श्री राम शरद कोठारी तथा श्री अविनाश माहेश्वरी के चित्र भी हमें कार्यक्रमों में स्थापित करने चाहिए। पदाधिकारी कहीं भी भ्रमण को जाएं, उस इलाके के जरूरतमंद किसी एक परिवार के घर अवश्य जाएं और वहां चाय पर उनसे चर्चा करें।

युवा पीढ़ी के विकास पर केन्द्रण

निवर्तमान महासभा अध्यक्ष श्याम सोनी ने कहा कि कार्य के प्रति माईंडसेट सही होना बहुत आवश्यक है। महासभा का infrastructure strong हुआ है। महासभा के पूर्व अध्यक्ष रामपाल सोनी ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति साधारण परिस्थिति का हो लेकिन उसमें वैचारिक निपुणता हो तो उसे अवश्य पद पर लाना चाहिए। Mission IAS 100 के तहत करीब 100000 रूपये की राशि का सहयोग अवश्य होना चाहिए। युवा संगठन से कहा कि वे गांवों तक जाएं, परिवारों से मिलें और होनहार बच्चों को तलाश कर उन्हें प्रोत्साहित करें। महिला संगठन एवं युवा संगठन के अध्यक्ष ने भी अपनी-अपनी गतिविधियां सदन के समक्ष प्रस्तुत कीं। Abmm Innovate Team के सदस्यों ने अपनी समिति का विजन शेयर किया। New start ups and already existing business को और लाभदायक कैसे बनाया जाए तथा युवा अपने परम्परागत व्यवसाय को और आगे कैसे बढ़ाए, ऐसी परिकल्पनाओं का सहयोग समिति प्रदान करेगी, ऐसा उन्होंने बताया। रमेश परतानी ने / creating genius mind for generation next, Kaushalya Genius kid Prog का पावर पाईंट प्रेजेंटेशन दिया।

शौर्य भवन से माहेश्वरी गौरव

वर्तमान वर्ष एक अनोखा वर्ष है। इस वर्ष 500 वर्षोंके बाद प्रभु रामचन्द्रजी अपने घर में विराजेंगे। अतः निर्णय लिया गया कि सभी को इस दिन को दीवाली के रूप में मनाना है। अयोध्या में बन रहा शौर्य भवन महासभा की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उस शौर्य भवन हेतु 8 दिसंबर को भूमि पूजन के बाद भी 10 करोड़ के अनुदान मिले है। इसके लिये हुए महत्वपूर्ण एवं गौरवशाली निर्णय में एक वर्ष तक हर सामाजिक आयोजन में महेश पूजन के साथ राम, शरद कोठारी तथा अविनाश माहेश्वरी की प्रतिमा का भी माल्यार्पण करना है। उन तीनों हुतात्माओं की प्रतिमा जल्द ही महासभा द्वारा सभी को प्रेषित की जाएगी। सभी से अपील की गई कि बहुत ही हर्षोल्लास का प्रसंग आगामी सोमवार 22 जनवरी 2024 को उपस्थित हो रहा है। सम्पूर्ण विश्व एक बार पुनः दीपोत्सव मनाने जा रहा है। अतः सभी प्रदेश, जिला, तहसील संगठन युवा एवं महिला संगठन साथ मिलकर इस उत्सव को दीपावली उत्सव के रूप में मनाऐं और महासभा के दिशा-निर्देश अनुसार सभी योजनाओं पर कार्य नियोजन करें।

दीपोत्सव किट का वितरण

22जनवरी 2024 का प्रभु श्री राम जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम पूरे देश में माहेश्वरी समाज की ओर से अग्रणी भूमिका निभाते हुए आनंदोत्सव के साथ हर्षोल्लास से मनाया जाये इसकी अपील कोठारी बंधुओं की स्मृति में अयोध्या में बन रहे शौर्य भवन के रामपाल सोनी माहेश्वरी रिलीफ फाउंडेशन के चैयरमेन श्याम सोनी, रामपाल सोनी व सभापति संदीप काबरा ने मंच से की। देश-विदेश से आऐ लगभग एक हजार से ज्यादा प्रतिनिधियों ने जय श्री राम के उद्घोष से समर्थन किया। कार्यकारी मंडल सहित आये अतिथिगणों को महाप्रसाद उपसभापति विनीत केला एवं 22 जनवरी को दीपोत्सव मनाने के लिए बहुत सुंदर किट जिसमें सभी सामग्री है, विकास माहेश्वरी सदस्य कार्यसमिति ने सप्रेम भेंट की। कार्यक्रम की भोजन व जलपान की व्यवस्था वाराणसी के शंकरलाल सोमानी व राजकुमार कोठारी ने की। कार्यक्रम का संचालन अजय काबरा महामंत्री अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा ने किया।

नर सेवा-नारायण सेवा

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज द्वारा सत्र 2022-25 में आरंभ की गई 'महेश अन्न सेवा' का आयोजन वर्ष पर्यन्त किया जा रहा है। इसी क्रम में समाज के भामाशाहों द्वारा जरूरतमंद बन्धुओं को 09 जनवरी को जे. के. लॉन हॉस्पिटल के बाहर लगाए गए सेवा केंद्र पर भोजन प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर समाज महामंत्री मनोज मूंदड़ा, प्रचार मंत्री अरूण बाहेती, संयोजक शंकरलाल लड्ढा, सत्यनारायण काबरा (जे.डी.), परशुराम बागड़ी, कौशल सोनी, गोपाल जाजू, बृजकिशोर सामरिया, श्याम सुन्दर जाजू, अनुपम लोईवाल, संतोष बियानी, दीपक बियानी, संजय बियानी, माधव-मुकुंद बियानी एवं बियानी परिवार सहित कई गणमान्यजन मौजूद रहे।

धर्म यात्रा का हुआ आयोजन

बालासिनोर। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा हर शनिवार को धर्म यात्रा निकाली जाती है। इसके अंतर्गत गत 13 जनवरी को एक वर्ष पूरा होने पर भव्य आयोजन रखा गया। शोभायात्रा का समापन भोजन प्रसाद के साथ हुआ। उक्त जानकारी परमेश्वर बाहेती ने दी।

नेत्रदान महादान की अपील

कानपुर। दान हमारी सनातन परंपरा है और संक्रांति पर दान की महत्ता से सभी अवगत हैं, जिसमें नेत्रदान तो महादान की श्रेणी में आता है। अतः अपने नेत्रों को माध्यम बना कर जरुरतमंदों को पुनः ज्योति प्रदान करें। टोल फ्री नंबर 1800 114770 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं कि आपका नजदीकी आई बैंक कौन सा है, वहां का आई डोनेशन फॉर्म भरें व नेत्रदान की प्रतिज्ञा करें। उन्होंने सभी प्रदेश अध्यक्षों से निवेदन किया है कि स्थानीय संगठनों तक इस आह्वान को शीघ्रातिशीघ्र पहुंचाएं व प्रदेश में जितने लोग नेत्रदान करते हैं उनकी जानकारी संजीवन सिद्धा समिति सहप्रभारी तक पहुंचाएं। इस कार्य हेतु मंजू बांगड़ राष्ट्रीय अध्यक्ष, ज्योति राठी राष्ट्रीय महामंत्री, मंजू हरकुट समिति प्रदर्शक, कुंतल तोषनीवाल राष्ट्रीय समिति प्रभारी व संपूर्ण संजीवन सिद्धा टीम से सम्पर्क किया जा सकता है।

नेत्र शिविर का आयोजन

रतनगढ़। माहेश्वरी सभा ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं नेत्र लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन माहेश्वरी भवन में हुआ। शिविर में 152 मरीजों की मोतियाबिंद जांच कर 59 मरीजों का चयन नेत्र लैंस प्रत्यारोपण के लिए किया गया। चयनित रोगियों को ऑपरेशन के लिए जयपुर शंकरा आई हॉस्पिटल ले जाया गया। वहाँ उनका ऑपरेशन आधुनिक तकनीक द्वारा बिना टांके के किया जायेगा। सभा ट्रस्ट के एडवोकेट रजनीकांत सोनी ने बताया कि मरीज को सभी प्रकार की व्यवस्थाएं पूर्णतः निःशुल्क रहेगी। माहेश्वरी सभा ट्रस्ट ने केम्प आयोजक एडवोकेट कमल सोनी का आभार प्रकट किया। संत चितरंजन दास महाराज, माहेश्वरी समाज के जिलाध्यक्ष नरेश पेड़ीवाल ने दीप प्रज्जवलित कर शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में शंकरा आई हास्पिटल की टीम, सभा ट्रस्ट के सदस्य रामोतार चांडक, महेश जाजू, शिविर प्रभारी नरेंद्र झंवर व समाज के अन्य सदस्यों ने अपनी सेवाएं दी।

देवदर्शन यात्रा का हुआ आयोजन

बैंगलुरु। माहेश्वरी सभा द्वारा आयोजित 64 सदस्यों की सात दिवसीय (दिनांक 7 से 13 जनवरी) देवदर्शन यात्रा सकुशल सम्पूर्ण हुई। इस यात्रा के अंतर्गत गंगासागर स्नान, बैधनाथधाम ज्योतिर्लिंग का रुद्राभिषेक, बासुकीनाथ, जगन्नाथ पुरी धाम, बैतरणी स्नान, कोणार्क सूर्य मंदिर के साथ अन्य दर्शनीय स्थलों का लाभ लिया गया। माहेश्वरी सभा हर वर्ष देवदर्शन यात्रा आयोजन के अंतर्गत अभी तक दस ज्योतिर्लिंग, तीन कुंभ स्नान, तिरुपति, द्वारकाधीश, श्रीलंका, नवग्रह मंदिर, धर्मस्थला, ऊड़पी, मुडेश्वर, कुके सुब्रमण्यम, पोरबंदर, अक्षरधाम, वैष्णो देवी, नौ देवी, स्वर्ण मंदिर, चित्रकूट, विंध्याचल देवी, वाराणसी गंगा आरती आदि का सफलतापूर्वक आयोजन कर चुकी है। इस यात्रा की रूपरेखा बनाने से लेकर सभी जगहों पर व्यवस्थाऐं कराने में सत्यनारायण मालानी की अहम् भूमिका रही, साथ में निर्मल कुमार तापड़िया, नवल किशोर मालू एवं विनीत बियानी का सहयोग रहा। यात्रा को मूर्तरूप देने में अध्यक्ष नवल किशोर मालू के नेतृत्व में विनीत बियानी, संजय साबू, अशोक भूतड़ा, कैलाश काबरा एवं अनिल बाहेती की अहम् भूमिका रही। उक्त जानकारी सभा सचिव अजय राठी ने दी।

इनानी एवं माहेश्वरी का स्वागत

देवास। अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन के पूर्व एवं अभूतपूर्व अध्यक्ष, अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व संगठन मंत्री, अशोक इनानी एवं पश्चिमांचल माहेश्वरी महासभा के अध्यक्ष पुष्प माहेश्वरी का देवास आगमन पर वैश्य महासम्मेलन द्वारा मध्यप्रदेश के प्रदेश महामंत्री अशोक सोमानी के नेतृत्व में वैश्य दुपट्टा पहनाकर भावभीना स्वागत किया गया। श्री इनानी ने कहा कि संगठन में ही शक्ति है, सभी वैश्य घटकों को जोड़कर वैश्य महासम्मेलन प्रशंसनीय कार्य कर रहा है। पुष्प माहेश्वरी ने कहा कि संगठन की सक्रियता ही उसकी शक्ति का आधार है। अतिथियों ने वैश्य महासम्मेलन के बहुरंगी वार्षिक कैलेंडर का विमोचन भी किया। इस अवसर पर गौरव गुप्ता रजनीश पोरवाल, राजेन्द्र विजयवर्गीय, पवन गोयल, अभिषेक लाठी, अनिकेत सोमानी आदि अतिथि के रूप में उपस्थिति थे। आभार गौरव गुप्ता ने माना। उक्त जानकारी राजेंद्र मूंदड़ा ने दी।

कोयंबटूर में सुंदरकांड का पाठ

कोयंबटूर। माहेश्वरी समाज एवं सुंदरकांड समिति द्वारा गत 26 दिसम्बर को माहेश्वरी भवन, थडागंम रोड, कोयंबटूर के हॉल में सुन्दरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समाज के वयोवृद्ध सदस्य रामेश्वरलाल माहेश्वरी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में शांतिदेवी माहेश्वरी, प्रवीण माहेश्वरी, अंजु माहेश्वरी परिवार आदि की यजमानी में आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज एवं समिति के सभी सदस्यों और परिजनों ने मिलकर संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया। तत्पश्चात सदस्य रेणुका माहेश्वरी एंव सिद्धार्थ साबू द्वारा भजनों से सम्पूर्ण माहौल को हनुमानमय कर दिया गया। इस उपलक्ष्य में विभिन्न व्यंजनो का भोग लगाकर हनुमान जी की सामूहिक आरती की गई। अंत में महाप्रसादी का वितरण किया गया। कार्यक्रम में लगभग 200 से ज्यादा माहेश्वरी समाजजन एवं सुंदरकांड समिति के सदस्यों ने भाग लिया।

ऊनी वस्त्रों का किया वितरण

फरीदाबाद। माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा गत 14 जनवरी को गरम टोपियों, गरम इनर, स्टेशनरी का सामान और फूड पैकेट का वितरण किया गया। यह वितरण इन तीन स्थानों पर किया गया- प्रकाशदीप स्कूल (एशियन हॉस्पिटल के सामने (सेक्टर 21), आर्य कन्या सदन (सेक्टर 15, हाउस नंबर- 461 A), गुरुकुल गदपुरी। कार्यक्रम में माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कमल आगीवाल, सचिव श्रवण मिमाणी, माहेश्वरी मंडल के अध्यक्ष रामकुमार राठी, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा पुष्पा झंवर, आशु झंवर, शोभा झंवर, नीतू भूतड़ा, श्वेता आगीवाल, राकेश सोनी, गुलाब बिहानी, डॉ. अरुण माहेश्वरी, गिरिराज परवाल, विमल आगीवाल, सुशील सोमानी, सुशील नेवर आदि उपस्थित थे। लगभग 300 बालक एवं बालिकाओं को यह सामान वितरित किया गया। गुरुकुल गदपुरी में साधु संतों को भी कंबल का वितरण किया गया।

नर सेवा नारायण सेवा

उज्जैन। माहेश्वरी महिला संगठन के स्थानीय जिला सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय आव्हान पर 'नर सेवा-नारायण सेवा' प्रकल्प के अंर्तगत स्पेशल वृद्धाश्रम मदर टेरेसा सेवा ट्रस्ट में आवश्यकता का सामान उपहार में दिया गया। इसमें प्रमुख रूप से आटा, गेहूं, दाल-चावल, शक्कर, पोहा, नहाने-धोने का साबुन, बिस्किट, तिल के व्यंजन व कपड़े आदि उपहार में दिए गये। उज्जैन जिला सचिव मनीषा राठी ने बताया कि इस अवसर पर पश्चिम मध्यप्रदेश महिला संगठन की प्रदेश अध्यक्ष उषा सोढ़ानी विशेष रूप से उपस्थित थीं। साथ ही श्री मेवाड़ा थोक पंचायत माहेश्वरी संगठन एवं श्री माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षद्वय संगीता भूतड़ा, रेखा लड्ढ़ा एवं सचिव उषा भट्टर के अतिरिक्त गीता तोतला, शांता मंडोवरा, आरती सोडानी, शीतल मूँदडा, पायल भूतड़ा, सीमा कासट, विधि मालपानी, किरण अटल आदि सहित कई सदस्याऐं उपस्थित थीं।

नारायण कहते हैं मत सोच रे बंदे इतना जिंदगी के बारे में, मैंने ये जिंदगी दी है तो कुछ सोचा होगा तेरे बारे में।

कानूता गाँव की बहन-बेटियों ने लिखा नया इतिहास

कार्यक्रम हवन, पूर्णाहुति व महाप्रसादी के साथ 16 दिसम्बर को संपन्न हुआ

चुरू (राजस्थान)। माहेश्वरी समाज की देश भर की 180 बहन-बेटियों ने कानूता गाँव में पहली बार गोशाला के सहायतार्थ नानीबाई रो मायरो का चार दिवसीय धार्मिक-सामाजिक अनुष्ठान कर नया इतिहास रच दिया। कानूता गाँव में श्रीकृष्ण गोपाल गोशाला की गायों के लिए गाँव के इतिहास में पहली बार गत 13 से 16 दिसंबर तक नानीबाई रो मायरो कथा का आयोजन इसका प्रमाण है कि बहन-बेटियां भी यदि ठान लें तो बहुत कुछ सकारात्मक और सुंदर कार्य कर सकती हैं।

इस कथा हेतु कथा व्यास गोवत्स राधाकृष्ण महाराज को कानूता गाँव में लाने की जिम्मेदारी रामविलास हुरकट ने निभाई। इस धार्मिक आयोजन का आरंभ 13 दिसंबर की सुबह 9.15 बजे कलश यात्रा से हुआ जिसमें बड़ी तादाद में महिलाएं अपने सिर पर कलश रखकर निकलीं और गाँव की परिक्रमा कर कथास्थल तक पहुँचीं। इसी दिन दोपहर दो से छह बजे तक कथाव्यास ने नानीबाई रो मायरो के कथानक की मीमांसा की। दूसरे दिन 14 दिसंबर को सुबह 9:15 बजे से सामूहिक सुंदरकांड का पाठ और सुप्रसिद्ध गायिका नम्रता करवा द्वारा भजनों की शानदार प्रस्तुति दी गई। दोपहर के सत्र में कथा का अगला सोपान समाप्त हुआ। 15 दिसंबर को सुबह 10 से दो बजे तक कथा और दोपहर 3.15 बजे भाइयों का स्वागत किया गया। 16 दिसंबर को हवन पूर्णाहुति व महाप्रसादी के साथ आयोजन संपन्न हुआ। इस आयोजन की नींव पिछले साल भागवत कथा के दौरान रखी गई, जब मुंबई निवासी श्रीमती शांतादेवी रामविलास हुरकट (स्व.रामनिवासजी जाजू की बेटी) और मैनपुरी निवासी बसंतीदेवी शिवरतन तापड़िया (गणपतलालजी सोमानी की बेटी) की अगुवाई में निश्चय किया गया कि गोशाला की सहायतार्थ मायरो का आयोजन किया जाये। एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर गाँव की 180 बहन-बेटियों को जोड़ा गया जिनकी ससुराल गाँव से बाहर है। खास बात यह रही कि 50 साल के बाद गाँव की 180 बहन-बेटियां एक साथ इस आयोजन में सहभागी बनीं। इस आयोजन के माध्यम से एक करोड़ रुपये की धनराशि एकत्र कर गोशाला प्रबंधन को गोसेवा के लिए प्रदान की गई। इस बीच गोशाला में चल रहे 30 लाख रुपये के विकास कार्यों का उद्घाटन भी किया गया। आयोजन में गोशाला अध्यक्ष सतीश कुमार झंवर, शिवरतन सोमानी, घनश्याम झंवर, जगदीश सोमानी सहित कानूता के कोलकाता निवासी प्रेमसुख सोमानी का विशेष सहयोग रहा।

1100 किमी की पैदल यात्रा कर पहुंचे श्री राठी का स्वागत

उज्जैन। श्री माहेश्वरी महालोक कपल क्लब के सदस्यों द्वारा उड़ीसा के संबलपुर से पैदल यात्रा कर उज्जैन पहुंचे प्रमोद राठी का स्वागत किया। इस दौरान क्लब के राजेश डागा, नवीन बाहेती, जेपी राठी, उमेश मालू, शैलेन्द्र राठी, चंद्रशेखर मूंदड़ा, निलेश हेड़ा, संजय लड्ढा, दिलीप लोया, नवल माहेश्वरी आदि उपस्थित थे। यह जानकारी देते हुए पुष्कर बाहेती ने बताया कि श्री राठी 14 दिसम्बर से बिना चप्पल, जूते पहने नंगे पैर पैदल यात्रा पर उज्जैन महाकाल दर्शन के लिये रवाना हुए। जब वे यहां पहुंचे तो उनका क्लब के सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया।

अ. भा. परिचय सम्मेलन

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज के प्रकल्प माहेश्वरी इंटरनेशनल मैरिज ब्यूरो एवं अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा की ईकाई पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की सहभागिता, पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक महिला संगठन एवं युवा संगठन के सहयोग से आगामी 24 व 25 फरवरी 2024 को विशाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। इच्छुक बंधु 5 फरवरी 2024 तक अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। जयपुर के 'उत्सव भवन' में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में सुविधापूर्ण व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जायेगा। अधिक जानकारी के लिये प्रदेशाध्यक्ष जुगलकिशोर सोमाणी मैरिज ब्यूरो के चेयरमैन संजय माहेश्वरी, विवाह प्रकोष्ठ मंत्री एवं महासभा की विवाह सहयोग समिति के सदस्य सत्यनारायण करवा व संयोजक राजीव बागड़ी से सम्पर्क किया जा सकता है।

कार्यक्रम 'संगठन आपके द्वार' का आयोजन

सूरत। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा द्वारा पूरे भारत वर्ष में चलाए जा रहे कार्यक्रम संगठन 'आपके द्वार' के अन्तर्गत एक दिवसीय कार्यक्रम सूरत में रखा गया। इसमें महासभा से मध्यांचल के उपसभापति विजय राठी एवं संयुक्त मंत्री दिनेश राठी, प्रांतीय संगठन मंत्री राजेंद्र पेड़ीवाल सूरत आये। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11:30 बजे सूरत जिला सभा सभागृह में तीनों क्षेत्रीय सभाओं AAMS/NBMS/VMS के साथ संयुक्त रूप से की गई। उपसभापति विजय राठी एवं संयुक्त मंत्री दिनेश राठी, प्रांतीय संगठन मंत्री राजेंद्र पेडीवाल माहेश्वरी महासभा कार्य समिति सदस्य मुरली सोमानी, गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा के कोषाध्यक्ष श्याम भंडारी और संयुक्त मंत्री राधा किशन मूंदड़ा, जिला अध्यक्ष पवन बजाज, उपाध्यक्ष विजय भट्टड़ सहसचिव विजय मंचासीन थे। प्रांतीय संगठन मंत्री राजेंद्र पेड़ीवाल ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि सूरत जिला भारत वर्ष में सबसे अग्रणी जिला बन गया, जहां पर सबसे ज्यादा माहेश्वरी परिवार रहते हैं। मध्यांचल के उपसभापति विजय राठी एवं संयुक्त मंत्री दिनेश राठी ने महासभा की सभी योजनाओं की जानकारी दी। मुरली सोमानी ने सभा को महासभा के चेट बोट की जानकारी दी। इस प्रोग्राम में राम रतन भूतड़ा अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष कमल भूतड़ा, महासभा के मिशन IAS 100 संयोजक कृष्ण कांत भट्टड़, निवर्तमान अध्यक्ष अविनाश चांडक, गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन उपाध्यक्ष कृष्ण राठी, सुरेश काबरा व तीनों सभाओं के पदाधिकारी और कार्यकर्ता, जिला सभा के कार्यकारिणी सदस्य माहेश्वरी नवयुवक मंडल के अध्यक्ष पवन चांडक और सचिव भगवती गग्गड़ आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन कार्यालय मंत्री विष्णु राठी ने किया। आभार विजयराज चांडक ने व्यक्त किया। इसमें सूरत को प्रदेश सभा बनाने की मांग भी रखी गई।

केन्द्रीय विद्यालय में रूपाली

सीहोर। सरस्वती कत्थक (डांस) कला केंद्र की डायरेक्टर रुपाली नवीन सोनी को केन्द्रीय विद्यालय सीहोर विद्यालय प्रबंधन समिति में अगले तीन वर्षों के लिये कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में योगदान देने हेतु कार्यसमिति सदस्य मनोनीत किया गया है। रुपाली सोनी एक प्रसिद्ध कत्थक नृत्य कलाकार एवं नृत्य गुरु के रूप में अपनी पहचान सीहोर के साथ प्रादेशिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर बना चुकी हैं। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

हर सीट हॉट सीट में नीतू तृतीय

कोयंबटूर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत राष्ट्रीय ज्ञानसिद्धा साहित्य समिति की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में हर सीट हॉट सीट सीज़न 2, दिसम्बर 2023 के दक्षिणाचंल के परिणाम में कोयंबटूर की नीतू मण्डोवरा धर्मपत्नी गोविंद मण्डोवरा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

माहेश्वरी होस्टल योजना संचालित

सूरत। माहेश्वरी समाज सूरत द्वारा सूरत में CA/CS/CMA/CFA/Civil services/ engineering सहित उच्च शिक्षा अध्ययनरत बच्चों के लिए माहेश्वरी होस्टल की व्यवस्था है। सूरत के वेसु विस्तार में यह सुविधा एक न्यूनतम शुल्क पर उपलब्ध है। यहाँ पर रहने वाले बच्चों के लिए सात्विक आहार की उत्तम व्यवस्था है। अपने सम्पर्क के किसी भी परिवार का बच्चा जिसको इस छात्रावास में रहना हो वो सम्पर्क कर सकता है। इसके लिए संयोजक : पूनम चंद चाँडक (9374720160) व गोपाल भराड़िया (9374724609) नारायणदास मारू माहेश्वरी होस्टल (Boys) पता:- गुरुकुल,160 जलाराम मंदिर के पास, गोपी वाटिका के पीछे, फ़ायर ब्रिगेड स्टेशन के सामने वेसु, सूरत जिला माहेश्वरी सभा पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अहंकार में तीन गए धन वैभव और यश ना मानो तो देख लो रावण, कौरव और कंस

खरी-खरी...

जिसे इस दौर के चालो-चलन
चलन का भान होता है

सफलता का सफ़र उसको
बहुत आसान होता है

भले ही ज्ञान या विज्ञान
हों, बेक़द रोजाना

ख़ुशामद खोर का लेकिन
सतत सम्मान होता है

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

'सुपोषित आहार' किट वितरण

फरीदाबाद । माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट ने 28 दिसम्बर को 'सुपोषित माँ' अभियान कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाते हुए तेरहवीं 'सुपोषित आहार' किट वितरित की। कार्यक्रम की शुरुआत महेश वंदना से की गई। राम कुमार राठी, महेश गट्टानी, कमल अगीवाल, पुष्पा झँवर ने दीप प्रज्वलित किया। माहेश्वरी मंडल के सचिव महेश गट्टानी ने प्रोग्राम को माहेश्वरी समाज के अनुरूप बताया। माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कमल अगीवाल ने बताया कि इसी श्रृंखला में नया बैच अप्रैल 2024 से शुरू करेंगे जो कि 9 महीने तक चलेगा। माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा पुष्पा झंवर ने भी इस कार्यक्रम की प्रशंसा की और कहा कि ऐसे सेवाओं के कार्य निरंतर होते रहने चाहिए। मंच का संचालन श्री माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के सचिव श्रवण मिमाणी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन आशु झंवर एवं नीतू भूतड़ा द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में 150 गर्भवती महिलाओं और 33 टीबी मरीजों को सुपोषित आहार की किट प्रदान की गई। इसके साथ-साथ वहीं पर सभी सेवार्थी एवं लाभार्थियों, उनके साथ आए सभी परिजनों एवं अस्पताल में उपस्थित सभी लोगों के लिए भंडारे की व्यवस्था की गई थी। भंडारे में लगभग 600-700 लोगों ने भोजन किया। इसके साथ ही कार्यक्रम में विमल अगीवाल द्वारा रेवड़ियों के पैकेट का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में माहेश्वरी मंडल के अध्यक्ष रामकुमार राठी, माहेश्वरी मंडल के सचिव महेश गट्टानी, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कमल अगीवाल एवं सचिव श्रवण मिमाणी, महिला मंडल की अध्यक्षा पुष्पा झंवर, महिला मंडल की कोषाध्यक्ष मंजू पेड़ीवाल आदि ने हिस्सा लिया। यह योजना मेसर्स किर्लोस्कर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, पीतांबरा ग्रेनाइटस प्राइवेट लिमिटेड, एबीएम इंटरनेशनल लिमिटेड, बागला ग्रुप ऑफ कम्पनीज के सीएसआर फंड से प्राप्त धन राशि से क्रियान्वित है।

तोषनीवाल को फालके सोलमेट अवार्ड

मुंबई। सुप्रसिद्ध वास्तु शास्त्री के.सी.आर. तोषनीवाल को दादा साहेब फालके आईकन अवार्ड फील्म आर्गनाजेशन द्वारा 2023 का सरस्वती बाई दादासाहेब फालके सोलमेट अवार्ड 2023 विनोद बच्चन फिल्म प्रोड्यूसर द्वारा मुक्ति फाउन्डेशन ऑडिटोरियम अंधेरी (वेस्ट) मुंबई में फिल्म एवं टीवी एक्टर्स के बीच में दिया गया। वैभव तोषनीवाल एवं धर्मपत्नी सरोज तोषनीवाल भी उपस्थित थीं।

रक्तदान से दी श्रद्धांजलि

कुचामन। युवा शक्ति के सदस्य स्व. श्री राजकुमार मार्वल की श्रद्धांजलि स्वरुप विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें नावा कुचामन तहसील अध्यक्ष सत्यनारायण लड्ढा का स्वागत समिति के सदस्यों ने किया।

पंढरपुर रस महोत्सव का आयोजन

सोलापुर। मारवाड़ी युवा मंच महिला शाखा की तरफ से पंढरपुर रसमहोत्सव की भोजन प्रसादी सेवा दी गई। उस सेवा में सब महिला और पुरुष शाखा ने एक जैसे ड्रेस कोड किया था। मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष सुनीता बजाज ने टीम का धन्यवाद किया। उक्त जानकारी अध्यक्ष सुनीता बजाज, सेक्रेटरी संगीता दायमा व कोषाध्यक्ष शैला सोमानी ने दी।

परिचय सम्मेलन हेतु कार्यशाला सम्पन्न

जयपुर। माहेश्वरी समाज जयपुर एवं पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के संयुक्त प्रयास से आगामी 24-25 फरवरी 2024 को आहुत युवक-युवती परिचय सम्मेलन हेतु समाज के महामंत्री मनोज मून्दड़ा की अध्यक्षता, प्रदेशाध्यक्ष जुगलकिशोर सोमाणी, प्रदेशमंत्री राजकुमार धूत (सीकर), मैरिज ब्यूरो अध्यक्ष संजय माहेश्वरी, मंत्री सत्यनारायण कर्वा, संयोजक राजीव बागड़ी के सान्निध्य में एक कार्यशाला समाज कार्यालय में आयोजित की गयी। इस कार्यशाला में विशेष रूप से प्रादेशिक महिला व युवा संगठन के पदाधिकारियों को आमंत्रित कर सम्मेलन में अपनी सहभागिता निभाने का आग्रह किया गया, जिसे दोनों संगठनों ने स्वीकार करते हुए कार्य आवंटन का आग्रह किया। पूरे भारत में निमंत्रण पत्र प्रेषित करने के साथ आगामी 6-7 जनवरी 2024 को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा की बैठक में पैम्पलेट भी वितरित किये गये।

योग शिविर से महिला संगठन ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

कानपुर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन देश में महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं उत्थान के उद्देश्य से निरंतर कार्यरत है। संगठन द्वारा राष्ट्रीय एवं स्थानीय स्तर पर महिलाओं में नेतृत्व की शैली को विकसित करने हेतु लीडरशिप ट्रेनिंग प्रोग्राम, आत्मविश्वास एवं रचनात्मकता के विकास हेतु पर्सनालिटी डेवलपमेंट कार्यशाला जैसे कई प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जाता है। इसी श्रृंखला में 'फिट इंडिया ही हिट इंडिया है' की विचारधारा रखते हुए अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की संस्कार सिद्धा समिति द्वारा गीता परिवार के सान्निध्य में योग प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया।

विश्व योग दिवस गत 21 जून 2023 से स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2023 तक अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड एवं अंजली तापड़िया के मार्गदर्शन में भारत एवं नेपाल के 1212 स्कूलों में योग सोपान कार्यक्रम के अंतर्गत योग प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षण शिविरों का सम्पूर्ण आयोजन गीता परिवार के डॉ. संजय मालपानी के सान्निध्य में संपन्न किया गया। एक ही समयावधि में सर्वाधिक स्कूलों में योग प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन किये जाने पर योग सोपान कार्यक्रम को गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकाड्र्स में 'Yoga Training Sessions Organized at Most Places' के शीर्षक के साथ वर्ल्ड रिकॉर्ड के रूप में दर्ज किया गया। वर्ल्ड रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड के एशिया हेड डॉ. मनीष विश्नोई एवं प्रतिनिधि मनोज कुमार शुक्ला द्वारा साँची मध्यप्रदेश में आयोजित अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन त्रयोदश सत्र की द्वितीय कार्यसमिति व प्रथम कार्यकारी सत्र की बैठक हेतु आयोजित कार्यक्रम कौशलेन्द्रम-2023 के दौरान मुख्य अतिथि विपिन माहेश्वरी एवं सभापति संदीप काबरा, विशेष अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री अजय काबरा, उपसभापति मध्यांचल विजय राठी, संयुक्त मंत्री मध्यांचल दिनेश राठी एवं प्रदेश अध्यक्ष अतुल माहेश्वरी, अ. भा. माहेश्वरी महिला संगठन के अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड को प्रदान किया। योग सोपान कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित योग प्रशिक्षण शिविरों के विषय में जानकारी देते हुए गीता परिवार की अंजली तापड़िया ने बताया कि लगभग 1500 योग प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण विश्व योग दिवस से एक माह पूर्व से ही प्रारम्भ किया जा चुका था।

बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम संपन्न

भीलवाड़ा। मासिक बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम का माहेश्वरी समाज संपत्ति ट्रस्ट, नागोरी गार्डन, भीलवाड़ा में समर्थलाल बाहेती तहसील अध्यक्ष माहेश्वरी सभा आसींद, चन्द्रप्रकाश काबरा, सम्पत माहेश्वरी, आदित्य बाहेती ने दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया। श्रवण समदानी ने बताया कि अभी तक 32000 लोग गूगल ड्राइव और 120000 लोगों ने वेबसाइट पर अवलोकन कर चुके हैं। श्रवण समदानी, सुनील मूंदड़ा, ओम कृष्ण समदानी व अन्य कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। श्रवण समदानी ने बताया कि भीलवाड़ा मुख्यालय के अतिरिक्त चित्तौड़, उदयपुर, मनासा में शाखाएं सेवारत है जिसमें सभी बायोडाटा भीलवाड़ा मुख्यालय की तर्ज पर ही उपलब्ध हैं।

नर सेवा, नारायण सेवा का आयोजन

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा सत्र 2022 - 25 में आरंभ की गई 'महेश अन्न सेवा' का आयोजन वर्षपर्यन्त किया जा रहा है। इसी क्रम में समाज के भामाशाहों द्वारा 02 जनवरी, 2024 को जे. के. लॉन हॉस्पिटल के बाहर लगाए गए सेवा केंद्र पर लगभग 500 जरूरतमंद समाजजनों को भोजन प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष केदारमल भाला, समाज महामंत्री मनोज मूंदड़ा, संयोजक शंकरलाल लड्ढा, पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा (मा.न.), ओ.पी. झंवर, चेतन भंसाली, जुगल किशोर कोठ्यारी सहित समाज के कई गणमान्य एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तीनों इकाईयों के 'संगम' का आयोजन

बहादुरगढ़। ज़िला सभा के आतिथ्य में हरियाणा पंजाब हिमाचल जम्मु-कश्मीर प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की प्रथम कार्यकारी मण्डल एवं द्वितीय कार्यसमिति बैठक के साथ प्रादेशिक महिला संगठन एवं प्रादेशिक युवा संगठन की बैठक का आयोजन 'संगम 2023' गत 24 दिसम्बर 2023 को किया गया। सभी प्रतिनिधियों को पंजीकरण के समय 'तुलसी' की पौध भेंट की गयी। बैठक में तीनों इकाईयों के करीब 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। तीनों इकाईयों एवं स्थानीय संस्था के पदाधिकारियों के साथ राष्ट्रीय स्तर के महानुभावों की उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई। राम बाबू काबरा-प्रेसीडेंट, हिन्दवेयर और हरिशंकर बाहेती-अधिपति, युनिस्टार समारोह के मुख्य अतिथि थे। प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र कलन्त्री द्वारा स्वागत उद्बोधन में सभी से आग्रह किया गया कि महासभा द्वारा संचालित ट्रस्टों का लाभ जरुरतमंद समाज बंधुओं को पहुंचाने की आवश्यकता है तथा इसकी पात्रता हेतु महासभा के सम्पर्क पोर्टल में अधिक से अधिक सदस्यों के पंजीकरण में शीघ्रता लाने की सलाह दी। महासभा कार्यसमिति सदस्य अशोक सोमानी ने समाज में तेजी से फैल रही कुरीति–विशेषकर अन्य जाति में विवाह सम्बंध स्थापित करना व विवाह में देरी पर भी ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर डाला। इसके पश्चात प्रादेशिक न्यास की गतिविधियों को न्यास अध्यक्ष महेश गट्टानी ने प्रस्तुत किया और उसका अवलोकन किया गया। कोषाध्यक्ष सुरेश काबरा ने सभा का लेखा प्रस्तुत किया।

जरूरतमंदों को ऊनी वस्त्र वितरण

बूंदी। सामर्थ्य सोसायटी के तत्वावधान में ऊनी वस्त्र वितरण अभियान के तहत शहर के निकटस्थ ग्राम झरबालापुरा की ढाणियों एवं मजरों में रहने वाले बच्चों, बुजुर्गो एवं महिलाओं को उनकी जरूरत के मुताबिक ऊनी वस्त्र उपलब्ध करवाए। सोसायटी अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने कहा कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कड़ाके की ठंड में जिन लोगों के पास पर्याप्त मात्रा में ऊनी वस्त्र नही है, ऐसे लोगों को चिन्हित कर उन्हें ऊनी वस्त्र उपलब्ध करवाना सोसायटी का ध्येय है। इस दौरान सोसायटी सदस्य अनीशा जैन, नम्रता शुक्ला, नेहा जोशी, वर्तिका हाडा आदि उपस्थित रहे।

शब्द चाहे कैसे भी हो मन खुश करें
तो अर्थ है वरना सब व्यर्थ है।

जिला माहेश्वरी संस्थान की बैठक सम्पन्न

राजसमंद। जिला माहेश्वरी संस्थान की बैठक जिला मुख्यालय पर माहेश्वरी भवन में विष्णु गोपाल सोमानी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सचिव दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक सभा रामगोपाल सोमानी एवं महासभा सदस्य अर्जुन लढ्ढा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मदनलाल मालानी, आदित्य बिरला, व्यापार सहयोग केंद्र प्रभारी केदारमल न्याती सह सचिव दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक सभा संपतलाल लड्ढा, अध्यक्ष माहेश्वरी सेवा समिति राजसमंद खूबचंद झंवर, सचिव राजसमंद जिला माहेश्वरी संस्थान मंजू निष्कलंक आदि उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत महेंद्र देवपुरा, भगवती लाल अजमेरा, विनोद मुथा, कैलाश लढा, शंकरलाल लड्ढा, ख्यालीलाल बपड़ोत, सतीश कुमार हेडा आदि द्वारा किया गया। अध्यक्ष विष्णु गोपाल सोमानी ने माहेश्वरी समाज के लिए चल रही विभिन्न कल्याणकारी योजना की जानकारी देते हुए समाज को एकजुट रहते हुए आपसी सहयोग से आगे बढ़ने का आह्वान किया। महासचिव खूबचंद झंवर ने बताया कि अखिल भारतीय माहेश्वरी सभा से विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ लेने के लिए पारिवारिक आईडी जरूरी है, जो परिवार अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के ऐप पर लॉगिन कर बना सकते हैं। स्थानीय समाज अध्यक्ष संपतलाल लड्ढा ने समाज में व्याप्त बुराइयों, कुरीतियों पर चर्चा करते हुए संस्कारवान गतिविधि बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक में विधायक दीप्ति माहेश्वरी का अभिनंदन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन महासचिव खूबचंद झंवर व सचिव सतीश कुमार हेड़ा ने किया।

पंचतत्व साधना योग शिविर सम्पन्न

इचलकरंजी। कोल्हापुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा श्री महेश सेवा समिति के अंतर्गत योग प्राणयाम शिविर का आयोजन किया गया। नेचुरलपेथी सेंटर निर्वाणा नाशिक के प्रमुख संचालक 'गुरुमां' के मार्गदर्शन में रोगों से छुटकारा पाने के लिए पांच तत्वों को प्राणायाम के साथ नियंत्रण करने की विधि का अभ्यास किया गया। लगभग तीन सौ महिलाएं और पुरुष इस शिविर से लाभान्वित हुए। कोल्हापुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष पुष्पा गिरधारीलाल काबरा और संयोजक सरला अशोक कुमार बाहेती ने आयोजन को सफल बनाने के लिए विशेष परिश्रम किया। पश्चिमांचल उपाध्यक्ष कांता लाहोटी, निर्मला बालदी, मंगल लोया, कला बाहेती, सरोज झंवर, प्रदेश संचार सिद्धा संयोजिका जयश्री भट्टड़, संतोष तोषनीवाल सहित सभी समिति के सदस्यों और कार्यकारिणी का पूर्ण सहयोग रहा।

युवा संगठन की बैठक संपन्न

अहमदाबाद। गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन सत्र 2023-2026 की प्रथम कार्यसमिति बैठक अहमदाबाद में माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में महेश वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। कोषाध्यक्ष पद के चुनाव में सूरत के आशीष तापड़िया का निर्वाचन हुआ। साथ ही वर्ष 2023-2026 की पदाधिकारी टीम की नियुक्त हुई जिसमें 60 सदस्यों की शक्तिशाली टीम का गठन हुआ। उसके बाद संस्था के मंत्री मयंक बागड़ी ने पूरे सत्र के लिए संस्था के विज़न (vision) को सदस्यों के सामने प्रस्तुत किया। बैठक में सूरत, भरूच, मोरबी, आनंद, वडोदरा, नडियाड, दाहोद, पालनपुर, राजकोट, सुरेंद्र नगर, गांधीधाम एवं गुजरात के अन्य जिलों से आये युवा साथियों ने हिस्सा लिया। संगठन मंत्री निखिल काबरा ने संगठित होकर आगे बढ़ने के लिए सबको प्रेरित किया। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष रामप्रकाश झंवर ने की। उक्त जानकारी अर्पित बाहेती कार्यालय सचिव गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा दी गई।

पुण्य स्मृति में रक्तदान शिविर

भीलवाड़ा। श्री रामजन्मभूमि महोत्सव के अवसर पर स्व. श्री मुकेश सोमानी की पुण्य स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन श्री हरिसेवा उदासीन आश्रम में किया गया। शिविर के प्रभारी गोपाल विजयवर्गीय और विक्रम दाधीच ने बताया कि स्व. मुकेश सोमानी प्रथम पुण्य स्मृति दिवस पर रक्तदान शिविर की श्री हरिसेवा उदासीन आश्रम में संत मायाराम जी महाराज, विधायक अशोक कोठारी, बालाजी मंदिर के महंत आशुतोष शर्मा, विश्व हिंदू परिषद के ओमप्रकाश बुलिया, समाजसेवी सत्यनारायण डाड के कर कमलों से श्री रामदरबार और स्व. मुकेश सोमानी की तस्वीर पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि करके दीपप्रजलित के साथ शुरुआत हुई। विहिप के विभागाध्यक्ष मिट्ठुलाल स्वर्णकार, सुरेश गोयल, विनीत द्विवेदी, विभाग मंत्री गणेश प्रजापत, जिलाध्यक्ष रामप्रकाश बहेडिया, बजरंग दल जिला संयोजक अखिलेश व्यास, जिला उपाध्यक्ष भारत गेंगट, श्याम लाल ओझा, पार्षद रेखापुरी आदि उपस्थित थे।

लड्डा का हुआ सम्मान

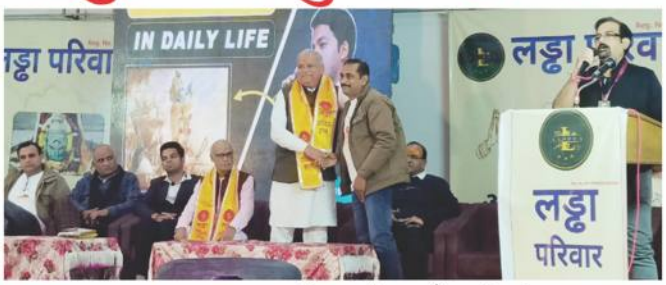

नावा कुचामन। महाकाल की नगरी उज्जैन में संपन्न हुए लड्डा सम्मेलन में नावा कुचामन माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष सत्यनारायण लड्डा का सम्मान किया।

अन्नदान का किया आयोजन

कोयंबटूर। माहेश्वरी युवा परिषद, कोयंबटूर के तत्वावधान में विगत माह में अन्नदान का आयोजन उडावुम कारांगल वृद्धाश्रम, पोलाची रोड़, कोयंबटूर में किया गया। इस आश्रम में 150 से ज्यादा वृद्ध एवं मानसिक रुप से विकलांग लोग रहते हैं। अन्नदान के तहत एक समय का भोजन उपलब्ध करवाया गया। साथ में नये एवं पुराने कपड़ों का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में माहेश्वरी युवा परिषद के सदस्य दीपक सोमाणी एवं ऋषि चितलांगिया ने भी भाग लिया था।

डॉ. माहेश्वरी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

जोधपुर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा द्वारा स्थापित परिवार परिवेदना निवारण प्रकोष्ठ, जोधपुर शाखा की बैठक गत 27 दिसम्बर को सायं 5 बजे कथाकार हरिप्रकाश राठी के निवास पर सम्पन्न हुई। इस बैठक में कवयित्री दंत चिकित्सक डॉ. सूरज माहेश्वरी का रामचरित मानस पर आधारित कहानी प्रतियोगिता में पश्चिमांचल में प्रथम एवं राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त होने पर अभिनन्दन किया गया। बैठक में डॉ. सूरज ने मानस के विभिन्न काण्डों की चौपाइयों पर आधारित कहानी का पाठ भी किया। इस अवसर पर ख्यात कवयित्री स्वाति जैसलमेरिया ने कहा कि आज युवाओं में धैर्य, संघर्ष की प्रवृत्ति दिनों दिन कम हो रही है। यह चिंता का विषय है। सभा में एडवोकेट नन्दकिशोर चांडक, महेंद्र मालपानी, विमला माहेश्वरी, सुशील कालानी, सुधांशी, मनोविद डॉ. सुशीला राठी आदि सदस्य उपस्थित थे। सभी ने विषयान्तर्गत अपने विचार रखे।

संक्रांति पर्व पर गौ सेवा

उज्जैन। श्री माहेश्वरी महिला मंडल लक्ष्मी नरसिंह मंदिर द्वारा संक्रांति पर्व को ध्यान में रखते हुए गौ सेवा महा सेवा के अंतर्गत मंगलनाथ रोड स्थित सांदीपनि आश्रम पर गायों को लापसी गुड़ एवं घास खिलाई गई। इस अवसर पर महिला मंडल अध्यक्ष रेखा लड्ढा, सचिव उषा भट्टड़ एवं पश्चिम मध्यप्रदेश महिला संगठन की अध्यक्ष उषा सोढ़ानी उपस्थित थीं। महिला मंडल सदस्य कमला सांथल, शीला राठी, तारा कोठारी, पुष्पा कोठारी, पुष्पा भल्लिका, रीता लखोटिया, आशा भट्टड़, उमा खंडलोया, कौशल्या अटल आदि उपस्थित थीं। यह जानकारी प्रचार मंत्री सुधा बागड़ी ने दी।

संक्रांति पर्व पर नर सेवा नारायण सेवा

इंदौर। श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा संक्रांति पर्व पर नर सेवा नारायण सेवा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट के तहत प्रतिवर्षानुसार इस बार भी गत 16 जनवरी को क्षेत्र की जरूरतमंद 20 महिलाओं को किराना सामग्री व ऊनी वस्त्र वितरित किए गए। इस अवसर पर अध्यक्ष साधना कचोलिया, सचिव पिंकी काकाणी, निवर्तमान अध्यक्ष अन्नपूर्णा मूंदड़ा व अनीता बांगड़, प्रज्ञा सोमानी, कल्पना जाजू, शिखा हुरकट, दीप्ति मंडोरा, रेखा भूतड़ा, रैना माहेश्वरी आदि उपस्थित थे।

अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन

कोयंबटूर। माहेश्वरी युवा परिषद, कोयंबटूर के तत्वावधान में दिसम्बर माह में अन्नदान का आयोजन मरियालया वृद्धाश्रम एवं बाल अनाथाश्रम, गणपति एरिया, कोयंबटूर में किया गया। अन्नदान के तहत चावल, दाल आदि शुष्क खाद्य सामग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम में माहेश्वरी युवा परिषद के सदस्य राजेंद्र भट्टड़, सुमिरन मालू, आशीष चांडक, गिरीराज फोमरा, विष्णु मालू, सिद्धांत भट्टड़ आदि ने भाग लिया।

गोदारंगनाथ का विवाह उत्सव सम्पन्न

हैदराबाद। श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल चप्पल बाज़ार द्वारा श्री सत्यनारायण मंदिर में जारी धनुर्मास उत्सव के अंतर्गत श्री गोदारंगनाथ का विवाह उत्सव मनाया गया। मण्डल के मंत्री भरत जाजू ने बताया कि प्रातःकाल की आरती के साथ ही विवाह उत्सव प्रारम्भ हुआ। बधाई गीत, मंगल पाठ एवम् भजन के साथ कार्यक्रम आगे बढ़ा। वर पक्ष बंसीलाल सत्यनारायण चितलांगी परिवार के घर से श्रीरंगनाथ भगवान की निकासी अल्पाहार के साथ हुई। बारात बाज़ार भ्रमण करते हुए गाजे बाजे के साथ मंदिर पहुँची। इस अवसर पर वधु पक्ष शंकरलाल रामेश्वरलाल जाजू परिवार ने गोदा को रंगनाथ के साथ विराजमान कर वर पक्ष और वधु पक्ष दोनों ने नाचते गाते हुए तोरण बांध कर मंदिर में प्रवेश किया। धनराज प्रवीनकुमार सारड़ा परिवार ने गोदा को मामा फेरे दिलाये। इस अवसर पर कैलाश काबरा, भरत जाजू, प्रदीप चाण्डक, श्यामसुन्दर राठी, सुरेश बंग, वेणुगोपाल बंग, श्याम मोदानी, जगदीश काकाणी, आनंद भराडिया, मुरलीधर अट्टल, घनश्याम लोया, राजेन्दर धूत, प्रदीप जाजू आदि उपस्थित थे।

कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

इंदौर। श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन इन्दौर के तत्वाधान में गत 14 जनवरी को मुकुट मांगलिक भवन गुमास्ता नगर में कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें अखिल भारतीय सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष ललिता मालपानी द्वारा महिला संगठन के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति सदस्यों की भूमिका पर व्याख्यान दिया गया और कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। निशा कचोलिया द्वारा सकारात्मक सोच पर अपने विचार संगठन के समक्ष रखे गये। प्रशिक्षण के पश्चात बच्चों के लिए तरह-तरह के खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें भगवान राम से संबंधित खेल प्रतियोगिताएं जैसे रामजी का तीर, राम-लक्ष्मण- जानकी, सूझ-बूझ है आपके ज्ञान की, रामजी की जोड़ी, धनुष तोड़ जैसी प्रतियोगिताएं संयोजक प्रज्ञा सोमानी, अलका सिंगी एवं आरती राठी द्वारा हर्षोल्लास के साथ संपन्न की गई। अध्यक्ष साधना कचोलिया एवं मंत्री पिंकी काकानी ने सभी को आभार प्रेषित किया। इस अवसर पर महिला संगठन से सभी पदाधिकारी एवं समिति सदस्य उपस्थित थे।

वैद्य आभा हुई पुरस्कृत

मालेगांव। गत 22 से 24 दिसम्बर 2023 को हरिद्वार में जागतिक स्तर पर आयोजित आयुर्वेद कुम्भ -2 में पोस्टर प्रस्तुतीकरण में ''वैद्य आभा राधेश्यामजी पनपालिया'' ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वैद्य आभा ने ''अर्ध्वभेदका (मायग्रेन) में पंचकर्म की भूमिका'' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। इस आयुर्वेद कुम्भ-2 में देशभर से 5000 आयुर्वेदिक सेवारत वैद्य, 2000 प्रतियोगी एवं 70 पोस्टर प्रस्तुतिकर्ता उपस्थित थे। संपूर्ण भारतवर्ष से दिग्गज आयुर्वेदाचार्यों एवं आयुर्वेद गुरुवर्यों के समक्ष वैद्य आभा को पुरस्कृत किया गया।

कासट और हेडा परिवार में आदर्श विवाह

बीड। गत 18 जनवरी को ख्यात उद्यमी एवं बिल्डर सुरेंद्र कासट की भतीजी तथा रविंद्र कासट की सुपुत्री डॉक्टर नेहा की सगाई पुसद निवासी प्रतीक हरीश हेडा के साथ संपन्न हुई। इसी समारोह में दोनों परिवार के प्रमुखों ने आपस में बातचीत करके उसी दिन विवाह का प्रस्ताव रखा। उनके प्रस्ताव को उच्चशिक्षित वर-वधु तथा परिवार ने सहमति दे दी। सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने भी कासट और हेडा परिवार के इस उच्च विचार को बढ़ावा देते हुये तत्काल विवाह समारोह की तैयारी के लिए हाथ बढ़ाए। उसी दिन सायं को दोनों परिवार तथा समाजजनों की उपस्थिति में डॉ. नेहा एवं प्रतीक का शुभविवाह मंगल बेला पर संपन्न हुआ। माहेश्वरी समाज वैवाहिक समस्या और विवाह में हो रहे अनावश्यक खर्चे से झुलस रहा है। ऐसे में कासट एवं हेडा परिवार ने समाज के सामने इस आदर्श विवाह से नया विचार एवं नयी नींव रखी। समाज के सभी संगठनों ने दोनों परिवार का अभिनंदन किया।

कविता आलेख प्रतियोगिता सम्पन्न

कोलकाता। नई पीढ़ी को दैनिक जीवन में हिंदी भाषा के प्रयोग हेतु प्रोत्साहित करने में निःस्वार्थ भाव से लगे हुए रामगोपाल-सोहनीदेवी नागोरी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर कविता-आलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का द्वितीय व अंतिम चरण 14 जनवरी को रोटरी सदन में साहित्यकार अजयेन्द्रनाथ त्रिवेदी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। आयोजन को सफल बनाने में पूनम सादानी, भागीरथ सारस्वत, अलका महेश्वरी, प्रवीण प्रिया लोहिया, हीरामणी, प्रभा, नरेश, निशा, अभिलाषा, सूरज, हेमा, कुलदीप, उपमा राहुल, राजश्री, ऋषभ, माधव, देवेश, सरिता नागोरी, विवेक लाहोटी आदि का योगदान रहा।

बॉक्स क्रिकेट मैच का आयोजन

कोयंबटूर। माहेश्वरी युवा परिषद ने बॉक्स क्रिकेट कार्यक्रम का आयोजन 07 जनवरी को किया। प्रतियोगिता में समाज के पुरुषों और महिलाओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। कुल 42 सदस्यों समेत 6 टीमो ने भाग लेकर प्रतियोगिता को सफल बनाया। टीमो का नेतृत्व युवा क्रिकेटर गिरीराज चांडक, पुरुषोत्तम भुराड़िया, सुरेश भट्टड़, रामबाबू कांकाणी, शिव मंत्री एंव रौनक राठी ने किया। प्रतियोगिता की विजेता गिरीराज चांडक की टीम रही। ललित भट्टड़, यशांक फोमरा, अनुराधा कांकाणी, श्वेता भुराड़िया, पारस तोषनीवाल, एकांश चंडक आदि ने कुशल खेल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में माहेश्वरी सभा कोयंबटूर के वरिष्ठ सदस्य राजेन्द्र भट्टड़ ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की।

युवा संगठन के कैलेंडर का विमोचन

निजामाबाद। जिला माहेश्वरी युवा संगठन के कैलेंडर 2024 का विमोचन कार्यक्रम स्थानीय माहेश्वरी भवन में 31 दिसम्बर को संपन्न हुआ। कार्यक्रम संयोजक सीए गोविंद मूंदड़ा एवं जयश मूंदड़ा द्वारा मुख्य अतिथि गोपीकिशन मालू, संजीता मूंदड़ा एवं दिनेश ओमप्रकाश बंग का स्वागत किया गया। युवा संगठन के अध्यक्ष गोविंद झंवर ने स्वागत भाषण दिया। निजामाबाद जिला माहेश्वरी सभा के मंत्री राजेश डालिया एवं निजामाबाद माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा निशा छापरवाल ने अपने संबोधन में नव वर्ष 2024 की शुभकामनाएं देते हुए युवा संगठन के विभिन्न कार्यों की प्रशंसा की। मुख्य अतिथि दिनेश ओमप्रकाश बंग थे। इस कार्यक्रम में युवा संगठन के उपाध्यक्ष गोविंद मालू, मंत्री राजगोपाल बंग, उपमंत्री मोहित बजाज, कोषाध्यक्ष गोपाल मूंदड़ा, खेल मंत्री मयूर बंग सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन युवा संगठन के संगठन मंत्री संदीप राठी द्वारा किया गया।

संस्कार से संसार जीता जाता है।
अहंकार से नही।

हरियाणा पंजाब प्रादेशिक ट्रस्ट की बैठक संपन्न

बहादुरगढ़ (हरियाणा)। हरियाणा-पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी ट्रस्ट के कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक प्रदेश सभा के साथ गत 24 दिसंबर को बहादुरगढ़ में ट्रस्ट संरक्षक अशोक सोमानी, प्रादेशिक ट्रस्ट अध्यक्ष महेश गट्टानी, प्रादेशिक अध्यक्ष राजेंद्र कलंत्री, ट्रस्ट सचिव सोहन माहेश्वरी, उपाध्यक्ष ओ.पी. राठी, कोषाध्यक्ष पवन मूंदड़ा, प्रदेश सचिव जगदीश मंत्री, ओम प्रकाश पसारी, राजेश साबू, सुरेश झालरिया, सुशील नेवर, राम कुमार राठी, राधेश्याम काबरा, संजीव सोमानी, रामबाबू काबरा, दामोदर माहेश्वरी, राकेश सोनी, अमित शारदा, शरद शारदा, कमल किशोर लोहिया, मुकेश शारदा और अन्य गणमान्यजनों की उपस्थिति में संपन्न हुई। ट्रस्ट अध्यक्ष महेश गट्टानी ने हर्ष के साथ बताया कि गत 6 महिने में ट्रस्ट का कॉरपस 25.50 लाख से बढ़कर 51.00 लाख हो गया है। इसमें सराहनीय सहयोग हेतु अशोक सोमानी (Rs. 5 lakhs), बठिंडा जिला सभा (Rs.3.30 Lakhs) एवं हिसार जिला सभा (Rs. 3.11 Laks) को 'सेवा सहयोग सम्मान' पत्र देकर सम्मानित किया गया। अन्य 80 से ज्यादा सहयोगी दानदाताओं का आभार भी प्रकट किया गया।

डायरेक्टरी 'अपराजिता' का विमोचन

इंदौर। श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा संक्रांति व अन्नकूट के पावन अवसर पर दक्षिण क्षेत्र की डायरेक्टरी 'अपराजिता' का विमोचन अखिल भारतीय महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष गीता मूंदड़ा, सुशीला काबरा एवं महिला सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष ललिता मालपानी के कर कमलों से संपन्न हुआ। अध्यक्ष साधना कचोलिया ने डायरेक्टरी अपराजिता को दक्षिण क्षेत्र की महिलाओं के लिए स्वरोजगार की दिशा में मील का पत्थर बताया। डायरेक्टरी की संपादक रैना लखोटिया ने बताया कि इसमें महिलाओं के कार्यक्षेत्र से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रकाशित की गई है जो आपसी सामंजस्य के साथ महिलाओं की उन्नति में सहायक होगी। विमोचन के अवसर पर प्रदेश सचिव शोभा माहेश्वरी सहित नम्रता बियानी, प्रमिला भूतड़ा, डिंपल माहेश्वरी, पुष्पा मोलासरिया, अन्नपूर्णा मूंदड़ा, संयोजक रेखा भूतड़ा व वंदना मूंदड़ा के साथ ही ज्योति सोमानी, सीमा बेड़ियां, अनिता बांगड़, प्रज्ञा सोमानी, संगीता बियानी सहित कई सदस्याऐं उपस्थित थीं। सचिव पिंकी काकानी द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। संचालन संस्थापक अध्यक्ष दीप्ति भूतड़ा ने किया।

लाठी बने पुनः अध्यक्ष

बूंदी। श्री महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के पदाधिकारियों के चुनाव में संजय लाठी लगातार तीसरी बार अध्यक्ष चुने गए। गत 17 जनवरी को धानमंडी धर्मशाला स्थित चुनाव कार्यालय में चारो पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ। इसमें संजय लाठी अध्यक्ष, चतुर्भुज गुप्ता उपाध्यक्ष, नारायण मंडोवरा सचिव एवं सोहनलाल बाहेती को कोषाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। संचालक मंडल के चुनाव में पुरुषोत्तमदास नुवाल, रमेश माहेश्वरी, धर्मेन्द्र जैथलिया, संजयकुमार सोमानी, मीनाक्षी काबरा एवं नीलम हल्दिया निर्विरोध सदस्य चुने गए थे।

अनिका-अनिकेत को उपलब्धि

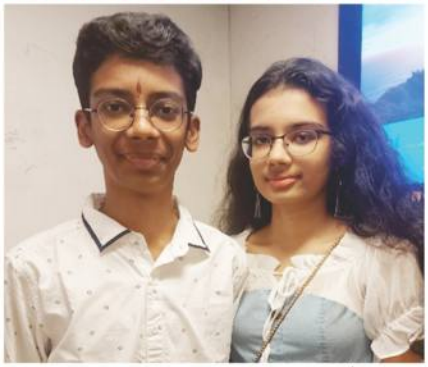

वियतनाम। समाज सदस्य मुकुल और ग्रीनी माहेश्वरी की पुत्री अनिका माहेश्वरी (बेटी) और पुत्र अनिकेत माहेश्वरी ने असाधारण शैक्षणिक उपलब्धियाँ प्राप्त की। अनिका ने अपनी हाई स्कूल की शिक्षा वियतनाम के एक ब्रिटिश पाठ्यक्रम स्कूल से पूरी की। अनिका ने लगातार उत्कृष्ट शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया, वर्ष 12 और वर्ष 13 दोनों में अर्थशास्त्र के लिए प्रतिष्ठित 'वियतनाम में शीर्ष' पुरस्कार अर्जित किया। साथ ही वर्ष 13 के लिए भूगोल में 'वियतनाम में शीर्ष' पुरस्कार हासिल किया, जिसे कैम्ब्रिज द्वारा मान्यता प्राप्त और उत्कृष्ट कैम्ब्रिज के माध्यम से पुरस्कृत किया गया। इसी प्रकार अनिकेत भी वर्तमान में वियतनाम में एक ब्रिटिश पाठ्यक्रम स्कूल में 10वीं कक्षा का छात्र है। उन्होंने निर्धारित समय से दो साल पहले आईजीसीएसई (इंटरनेशनल जनरल सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंडरी एजुकेशनः कैम्ब्रिज, यूके से बोर्ड परीक्षा) पूरी करके एक उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि हासिल की है।

कार सेवकों का किया स्वागत

नावा सिटी। गत 22 जनवरी को राम जन्मभूमि आंदोलन में नावा सिटी से कार सेवक गोविंद गोपाल पारीख, रमेशचंद्र जैन व राधेश्याम माली का स्वागत मंत्री विजय सिंह चौधरी व नावा कुचामन माहेश्वरी समाज के तहसील अध्यक्ष सत्यनारायण लड्ढा द्वारा किया गया।

पुण्य स्मृति में रक्तदान शिविर सम्पन्न

पुणे। चेरिटेबल संस्था सांगवी परिसर महेश मंडल द्वारा गत 14 जनवरी को कै. चम्पालाल गुगले की स्मृति में नटसम्राट निलू फुले रंगमन्दिर, सांगवी (पुणे) में 28वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 174 रक्तदाताओं ने जीवन-मृत्यु के बीच संघर्षरत लोगों को रक्तदान द्वारा नवजीवन देने के लिये भागीदारी की। इस अवसर पर संदीप गुगले, सतीश लोहिया, सत्यनारायण बांगड मनोज अटल, निलेश अटल आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में दीपेश मालानी, गजानंद बिहाणी, मुकुन्द तापडिया, पंकज टावरी, सचिन मंत्री आदि कार्यकर्ताओं की सराहनीय सेवाएं रही।

रक्तदाता सोनी हुए सम्मानित

जोधपुर। निर्मल गेहलोत चेरीटेबल ट्रस्ट की ओर से गांधी मैदान में 50 बार से अधिक रक्तदान करने वाले 13 रक्तदाताओं का सम्मान हुआ, जिसमें जोधपुर माहेश्वरी समाज से सत्यप्रकाश सोनी को भी सम्मानित किया गया। इन्होंने अब तक 61 बार रक्तदान व 9 बार प्लाज्मा देकर कई जिंदगियों को बचाया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, 1008 श्री श्री रविशंकर महाराज, जल संसाधन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, संत स्वामी रामप्रसाद जी, केबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, विधायक देवेन्द्र जोशी आदि की उपस्थित में उन्हें सम्मानित किया गया।

स्वाति मानधना को राजकीय सम्मान

बालोतरा। जिला बनने के बाद पहली बार हो रहे गणतंत्र दिवस समारोह में जिला कलेक्टर सुशील कुमार यादव एवं सभापति सुमित्रा जैन द्वारा स्वाति मानधना को सम्मानित किया गया। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन

कोयंबटूर। माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्यो ने गायत्री चेतना केंद्र के साथ मिलकर गत 14 जनवरी को शहर के सांईबाबा कॉलोनी स्थित रामलिंगम पार्क में सफाई अभियान संचालित किया एंव पार्क को सुंदर रुप दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विगत सप्ताह भारत के मंदिरों एवं उसके आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ और साफ रखने की मुहीम चलाई गई थी। उसी के दिशा निर्देश का पालन करते हुए इस अभियान की शुरुआत की गई। माहेश्वरी समाज की ओर से सभाध्यक्ष गोपाल माहेश्वरी, सदस्य ओमप्रकाश चांडक, गिरीराज चांडक आदि ने इस अनुकरणीय कार्य में विभिन्न समाज के सदस्यों के साथ मिलकर भाग लिया।

मकर संक्रांति पर वरिष्ठजन सेवा

बूंदी। सामर्थ्य सोसायटी की अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने बताया कि मकर सक्रांति के अवसर पर सोसायटी के प्रकल्प के अंतर्गत नैनवां रोड़ स्थित सुदामा सेवा संस्थान 'आसरा' में निवासरत प्रवासियों को ऊनी वस्त्र प्रदान किए गए। इस दौरान वृद्धाश्रम में रहने वाले प्रवासियों ने सोसायटी सदस्यों की सेवा भावना एवं अपनत्व की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए सोसायटी सदस्यों को आशीर्वाद दिया।

परिणय सूत्र में बंधे गौरव-केशवी

अहमदाबाद। समाज सदस्य राजेश माहेश्वरी (परवाल) के सुपुत्र **चि. गौरव माहेश्वरी** (जर्मनी) एवं उज्जैन निवासी श्रीमती अनिता-स्व. श्री हरिओम जी माहेश्वरी (जेथलिया) की सुपुत्री **सौ. केशवी माहेश्वरी** पिछले 8 दिसंबर 2024 को परिणय सूत्र में बंधे। इस अवसर पर स्नेहीजनों के साथ कई गणमान्यजनों की उपस्थिति रही।

जैसलमेरिया हुईं सम्मानित

रायपुर (छ.ग.)। राज रचना एवं कला साहित्य परिषद रायपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा अयोध्या में आयोजित श्री रामलला प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर जोधपुर की कवयित्री स्वाति ''सरु'' जैसलमेरिया को श्री राघव सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया।

गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण

लखनऊ। गणतंत्र दिवस के अवसर पर माहेश्वरी समाज कार्यकारिणी के सदस्यों ने अपने समाज के पारिवारिक सदस्यों के साथ माहेश्वरी धर्मशाला अमीनाबाद में कार्यक्रम की शुरुआत भगवान महेश के माल्यार्पण एवं पूजा से की। इसके बाद सभी ने मिलकर झंडा फहराया व राष्ट्रगान एवं देशभक्ति के गीत गाये। इस बार माहेश्वरी समाज भारत गौरव वर्ष 2024 मना रहा है जिसके अंतर्गत माहेश्वरी समाज के बन्धुओं द्वारा भारत वर्ष के स्वतंत्रता सेनानियों एवं माहेश्वरी समाज के गौरव शहीद राम कोठारी, शरद कोठारी एवं अविनाश माहेश्वरी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। युवा मंडल के सदस्यों ने भी कार्यक्रम में सहयोग किया। उक्त जानकारी निखिल बलदुआ मंत्री माहेश्वरी समाज लखनऊ ने दी।

परिणय बंधन में बंधे अभिमन्यु-अदिति

उज्जैन। समाज के वरिष्ठ श्री कन्हैयालाल व स्व. श्रीमती जानबाई डाड के सुपौत्र व नीलिमा-गोपालचंद्र डाड (संभाग आयुक्त रीवा-शहडोल) के सुपुत्र **चि. अभिमन्यु** तथा नीमच (म.प्र.) निवासी सुशीलादेवी-सत्यनारायण गगरानी के पौत्री व संध्या-संजीव गगरानी की सुपुत्री **सौ. अदिति** गत दिनों विवाह बंधन में बंध गये। इस अवसर पर कई प्रशासनिक अधिकारी, समाज पदाधिकारी तथा स्नेहीजन आशीर्वाददाता के रूप में उपस्थित थे।

मिशन आईएएस 100 के कार्य की प्रस्तुति

वृंदावन। गत 6-7 जनवरी को वृंदावन में आयोजित महासभा कार्यकारिणी बैठक में समिति सदस्य किशन प्रसाद दरक नांदेड़, कृष्ण कुमार भट्टड़ सूरत, विवेक माहेश्वरी पिपरिया और दिलीप माहेश्वरी कोलकाता उपस्थित थे। महासभा कार्यसमिति बैठक में सभापति ने अपने उद्बोधन में समाज के युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं में शामिल करने हेतु मिशन-आईएएस 100 द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए इस हेतु प्रत्येक जिला क्षेत्र में प्रशासनिक सेवा मार्गदर्शन शिविर आयोजित करने की जरूरत पर बल दिया। रामपाल सोनी ने बद्रीलाल सोनी शिक्षा सहयोग केंद्र भीलवाड़ा से उपलब्ध कराये जा रहे आर्थिक सहयोग की जानकारी सदन को दी। उसी दिन सायंकाल विविध आंचलिक बैठकों में मिशन प्रतिनिधियों ने उपस्थित रहकर मिशन की जानकारी देते हुए संबंधित अंचल के जिला सभा प्रतिनिधियों से प्रशासनिक सेवा मार्गदर्शन शिविर आयोजित करने का आग्रह किया। परिणाम स्वरूप मिशन को 10 स्थानों पर अप्रैल-मई 2024 में प्रशासनिक सेवा मार्गदर्शन शिविर आयोजित करने का आश्वासन प्राप्त हुआ।

बुरे वक्त में ही सबके असली रंग दिखते हैं
दिन के उजाले में तो पानी भी चांदी लगता है।

बधर माता का जागरण संपन्न

हैदराबाद। सोमानी, मर्दा, छापरवाल, बागड़ी, गदिया, मक्कड़ सहित अन्य कई माहेश्वरी खापों की कुलदेवी का जागरण संपन्न हुआ। श्री बधर माता सेवा समिति विगत 13 वर्षों से हैदराबाद में सभी कुलपुत्रों को एक मंच पर लाने हेतु जागरण आयोजित कर रही है। इस वर्ष के इस चौदहवें जागरण में युवा भजन गायक अनिरुद्ध दूनी वाले (हैदराबाद) ने प्रस्तुति दी। कुलदेवी के मारवाड़ी भाषा में भजनों की श्रृंखला में तथा संपूर्ण विश्व अभी राममय की धुंध है, 'राम आयेंगे-मेरे राम आयेंगे' भजनो पर संपूर्ण सभा ग्रह झूम उठा। इस जागरण में कुलपुत्रों के साथ-साथ बधर माता ट्रस्ट के अध्यक्ष श्याम सुंदर सोमानी-कौमुदी सोमानी औरंगाबाद से पधारे थे। जागरण से पूर्व हवन में बल्लराशा से आये रामधन सोमानी, पुरूषोत्तम सोमानी (झंडावाला), मुकेश सोमानी, नेमीचन्द सोमानी ने सहभाग लिया। समिति के अध्यक्ष राजेश सोमानी, उपाध्यक्ष रमेश मर्दा, सचिव गोविन्द सोमानी, कोषाध्यक्ष श्याम सोमानी, हनुमान सोमानी, विट्ठल सोमानी, कमल मर्दा, राजगोपाल मर्दा, सुरेश सोमानी, राधेशाम सोमानी आदि का विशेष सहयोग रहा।

हल्दी कुमकुम कार्यक्रम संपन्न

नागपुर। ज्योति महिला मंडल, महल, ने उत्साह के साथ धूमधाम से संक्रांति पर्व मनाया। इस अवसर पर मंडल की सखियों के लिए हल्दी कुमकुम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष अर्चना बिंझानी ने सभी का स्वागत किया। स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ ही मजेदार गेम, हाऊजी और रोचक प्रतियोगिताएं जैसे पतंग डेकोरेशन इन हल्दी कुमकुम थीम और फ्रूट का सलाद डेकोरेशन आदि आयोजित की गयी। प्रतियोगिताओं के निर्णायक रूप में शीतल मूंदड़ा एवं सोनल चांडक को आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर सभी के लिए एक मजेदार ट्रेजर हंट गेम भी रखा गया जिसमें हर उम्र की महिलाओं ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। ज्योति महिला मंडल की संस्थापक अध्यक्ष शोभा सुरजन द्वारा सभी विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन कांता सावल एवं आरती सुदा ने किया। भारती चांडक, कल्पना मोहता, प्रियंका सावल, लीना चांडक, नीना भट्टड़, श्रेया बिंझानी, अर्पणा टावरी आदि का विशेष सहयोग रहा। सचिव स्वाति सावल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

॥ श्रद्धांजलि ॥

श्रीमती शकुंतला सोमानी

रतलाम। समाज सदस्य रमेशचंद्र एवं राजेश सोमानी की माता तथा बाहेती परिवार राजोद की बहन-श्रीमती शंकुतला सोमानी (रूनिजा वाले) का गत 8 जनवरी 2024 को देहावसान हो गया है।

श्री अभिषेक बिसानी

अहमदाबाद। समाजसेवी प्रेम बिसानी के सुपुत्र श्री अभिषेक बिसानी का ब्रेन हैमरेज की लंबी बीमारी के पश्चात असामयिक निधन हो गया। आप अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए।

श्री रामप्रसाद गगरानी

सारंगपुर। समाजसेवी श्री राम प्रसाद गगरानी का 76 वर्ष की आयु में स्वर्गवास 28 अक्टूबर को हो गया। आप पश्चिमी मध्यप्रदेश कार्यसमिति सदस्य, पूर्व संयुक्त मंत्री आदि पदों पर रहे हैं। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

श्री नंदकिशोर डागा

नांदुरा। डागा परिवार के वरिष्ठ श्री नंदकिशोर डागा (नांदुरा गोरक्षण संस्थान) के सदस्य का गत दिनों अकस्मात स्वर्गवास हो गया। आप अपने पीछे पुत्र-अजय, सुपुत्री-माया, नेय सहित भरा पूरा परिवार छोड गये हैं।

श्री राजेश डागा

उज्जैन। स्व. श्री किशन गोपाल डागा के सुपुत्र श्री राजेश डागा का गत 26 जनवरी को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पुत्र माधव व पुत्री दीया (चेरी) सहित भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

श्री कमल किशोर लड्ढा

झालावाड़ (राज.)। डग निवासी भाजपा पार्षद श्री कमल किशोर-स्व. श्री प्रहलाद दास डागा का गत 25 जनवरी को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे छोटे भाई कैलाश तथा पुत्र पीयुष व अभिषेक सहित पौत्र-पौत्री, भतीजे-भतीजी आदि का भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

दीप बने सीए

मोर्शी। समाज सदस्य घनश्याम गट्टानी के सुपुत्र दीप गट्टानी ने प्रथम प्रयास में सीए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण की। उनकी इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

शुभम बने सीए

बरेली। समाज सदस्य हनुमान मल्ल-सुनीता लखोटिया के सुपौत्र तथा प्रकाश-सीमा लखोटिया के सुपुत्र शुभम ने सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की। उनकी इस उपलब्धि पर सभी स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

वैभव बने सीए

हापुड़। जिला माहेश्वरी सभा हापुड़ के कोषाध्यक्ष मुकेश माहेश्वरी के पुत्र वैभव माहेश्वरी ने चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण की। वैभव माहेश्वरी संघ के कार्यकर्ता रहे हैं और सामाजिक संगठन में जिला माहेश्वरी युवा संगठन में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

मयूर बने सीए

सरदारशहर (कोलकाता)। श्री श्याम सुंदर-सुशीला देवी मीमाणी (कलकता, मूलतः सरदारशहर) के सुपुत्र मयूर मीमाणी (प्रपौत्र स्व. श्री कोडामल - जड़ाव देवी एवं पौत्र स्व. श्री मोहनलाल-चम्पा देवी) ने सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर सभी स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

केशव बने सीए

सीहोर। समाज के व्यवसायी नवीन सोनी एवं प्रसिद्ध कत्थक नृत्य कलाकार रुपाली सोनी के सुपुत्र केशव सोनी ने 23 वर्ष की उम्र में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टेड अकाउंटेंट द्वारा आयोजित नवम्बर-23 की सीए फाइनल परीक्षा प्रथम प्रयत्न में उत्तीर्ण की। केशव ने कक्षा 11 वीं स्कूल टॉपर, 12 वीं जिला टॉपर , सीपीटी में भोपाल संभाग टॉपर, सीएस फाउंडेशन में ऑल इंडिया-4 रैंक, सीए इंटरमीडिएट में सीहोर जिला टॉपर के रूप में प्रथम प्रयत्न में उत्तीर्ण की। अपनी सीए की 3 वर्ष की आर्टिकलशिप टॉप बिग-4 कंपनी गुडगांव से कर रहे है।

सीए राठी हुए विजयी

सूरत। ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स (AIFTP) के हाल में संपन्न हुए चुनाव में पश्चिमी भारत (वेस्टर्न जोन) से सीए जयकिशन राठी विजयी रहे।

रामरतन बने सीए

बीकानेर (राज.)। समाज सदस्य गिरिराज भट्टड़ के सुपुत्र रामरतन भट्टड़ ने सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

नेहा बनी सीए

कोलकाता। छापर निवासी स्व. श्री माणक चंद सारडा की सुपौत्री एवं सत्य प्रकाश सारडा की सुपुत्री नेहा सारडा ने सीए फाइनल की परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण की। नेहा ने सी ए फाउंडेशन एवं इंटर में राष्ट्रीय स्तर पर रैंक हासिल की थी।

इशिता बनी सीए

सरदारशहर। समाज सदस्य राधेश्याम - कुसुमदेवी लाहोटी की सुपुत्री व स्व. श्री रावतमल-स्व. श्रीमती निर्मलादेवी लाहोटी की सुपौत्री इशिता लाहोटी ने सीए फायनल की परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण की।

अपर्णा बनी सीए

श्री डूंगरगढ़। आड़सर बास निवासी समाज सदस्य स्व. श्री आशाराम एवम् स्व. श्रीमति गीता देवी मूँधड़ा की सुपौत्री और नन्द किशोर एवं उषा मूँधड़ा की सुपुत्री अपर्णा मूँधड़ा ने सीए की परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण की। उनकी इस उपलब्धि पर सभी स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

हर्षिता बनी सीए

उज्जैन। समाज सदस्य रामरतन विष्णुकांता लड्ढा की पौत्री ओर विशाल सीमा लड्ढा की सुपुत्री हर्षिता ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण कर समाज को गौरवान्वित किया। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

IS:1786
CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

श्री रामजन्मभूमि वर्तमान में सनातन की गरिमा का प्रतीक बन चुकी है। यह गरिमा गत 22 जनवरी को देश व श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ लोकार्पित होने जा रही है। इस पावन बेला में देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इसमें माहेश्वरी समाज भी पीछे नहीं रहा। समाज के विभिन्न संगठनों ने भी अपने आयोजनों से समाज के जन मानस को जागृत किया।

श्री राम जन्मभूमि के लिये उत्साहित माहेश्वरी मन

उज्जैन। श्री अयोध्या धाम में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के पावन अवसर पर श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर देवस्थान ट्रस्ट, माहेश्वरी समाज, श्री माहेश्वरी महिला मंडल, श्री माहेश्वरी प्रगति मंडल द्वारा मध्याह्न 12:00 बजे श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर पर श्री हनुमान चालीसा पाठ, कमल पुष्प अर्चना एवं महाआरती का आयोजन किया गया। इसके साथ ही महाप्रसादी का भी आयोजन रखा गया था। इस भव्य कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष राधेश्याम चोखड़ा, महिला मंडल अध्यक्ष रेखा लड्ढा, सचिव उषा भट्टड़ सहित समाज के अन्य सदस्य एवं महिलाएं उपस्थित थीं। यह जानकारी मंदिर ट्रस्ट सचिव मंगल भट्टड़ ने दी।

सूरत। नर सेवा ही नारायण सेवा प्रोजेक्ट के तहत जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा डिंडोली गांव के वृद्धाश्रम में 200 वृद्ध लोगों को भोजन करवाया और सभी को नए वस्त्र प्रदान किये गये। 100 किलो अनाज (सभी तरह दाल, चावल, तेल, शक्कर) दिया गया। अयोध्या राम मंदिर स्थापना के उपलक्ष्य में नीना हेड़ा और नीतू राठी द्वारा सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी गई। सभी पदाधिकारी, वीणा तोषनीवाल, प्रतिभा मोलासरिया, वंदना भंडारी, श्वेता जाजू, रेखा पोरवाल के साथ संगठन की 30 सदस्याओं की उपस्थिति रही।

भीलवाड़ा। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर महोत्सव के पावन अवसर पर चितौड़ वालो की हवेली के पास दरबार धाम पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन देर रात तक भजन संध्या के साथ हुआ। दरबार धाम के समाजसेवी सेवक अनिल कोठारी ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि सुंदरकांड पाठ का आयोजन पूज्य महंत बनवारी शरण जी महाराज काठिया बाबा और पूज्य सन्त यति जी महाराज चित्तौड़गढ़ के सान्निध्य और गोपाल सोनी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। सुंदरकांड पाठ का वाचन नवीन कोठारी ने किया। उनके साथ प्रमोद सोनी ने भी अपनी आवाज़ से सबको पाठ का श्रवण करवाया। हनुमान चालीसा का पाठ राकेश सेन और एस के खंडेलवाल ने किया। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद् के प्रांत समरसता अभियान प्रमुख बद्रीलाल सोमानी, पूर्व सभापति विनोद अग्रवाल, रामचंद्र मूंदड़ा, मुकेश सोनी भी उपस्थित थे। सबको 'भेरुनाथ जी' की चौकी का आशीर्वाद भी मिला। यति जी महाराज का सनातन सेवा समिति की ओर से पूज्य महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम जी महाराज व अध्यक्ष अशोक मूंदड़ा की ओर से श्री रामजन्मभूमि मंदिर महोत्सव पर्व पर 'अभिनंदन पत्र' बद्रीलाल सोमानी और अनिल कोठारी ने देकर आशीर्वाद लिया।

जिस प्रकार पेड़ पर नए पत्ते आने के लिए पतझड़ का होना आवश्यक है, उसी प्रकार जिंदगी में कामयाब होने के लिए संघर्ष का होना भी आवश्यक है।

भीलवाड़ा। श्री रामजन्मभूमि मंदिर महोत्सव में दिवंगत रामभक्तों की आत्माओं की शांति के लिए भीलवाड़ा की सभी सुंदरकांड समितियों की ओर से 'एक पाठ श्रीराम के नाम' गांधी नगर, मोक्षधाम में करके इस पावन अवसर पर समर्पित किया गया। 'एक पाठ श्रीराम के नाम' कार्यक्रम के सभी सुंदरकाण्ड समितियों के प्रभारी भगवतीलाल माहेश्वरी ने जानकारी देते हुए बताया कि एकादशी के पावन दिवस पर इस पाठ की प्रेरक पंजाब की भजन गायिका राजविंदर कालरा थी। इस बार श्री राम जन्मभूमि मंदिर महोत्सव कार्यक्रम के पावन अवसर पर सभी दिवंगत रामभक्तों को समर्पित यह पाठ भजन सम्राट नवल भारद्वाज और मुकुंद सिंह राठौड़ के सान्निध्य में गांधीनगर मोक्षधाम में सुबह 11 बजे शुरू हुआ। इस अवसर पर सुंदरकांड पाठ वाचक एस. के. खंडेलवाल, कोमल शर्मा, पीयूष जैन सहित कई समिति और संगठनों के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत विश्व हिंदू परिषद के ओमप्रकाश बुलिया द्वारा दीप प्रज्जलन करके किया गया।

भीलवाड़ा। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव पर लक्ष्मीनारायण मंदिर ट्रस्ट द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद के सान्निध्य में विशाल एलईडी लगाकर सीधा प्रसारण का कार्यक्रम रखा गया। अयोध्याजी से सभी कार्यक्रम दर्शन का सभी राम भक्तों ने भरपूर आनंद लिया। जय श्री राम, सियावर रामचन्द्र की जय के उद्घोष भी भक्तों द्वारा गूंजते रहे। आरती के पश्चात यहां सभी राम भक्तों को मंदिर ट्रस्ट की ओर से 'शबरी का महाप्रसाद' वितरण किया गया। कार्यक्रम में मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष मदनलाल अग्रवाल, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत सामाजिक समरसता अभियान प्रमुख बद्रीलाल सोमानी, राजकुमार सोनी, मनोज अग्रवाल भी उपस्थित थे। ब्रह्माण्ड नायक के विशेष दिवस पर श्री लक्ष्मीनारायण भगवान को का विशेष पूजा के साथ अभिषेक किया गया और दिल्ली से विशेष नवनिर्मित पोशाक धारण की गई।

भीलवाड़ा। श्री अयोध्या रामलला सुंदरकांड परिवार द्वारा गत 8 जनवरी को आयोजित सुंदरकांड पाठ, श्री वीर हनुमान मंदिर, वीर सांवरकर चौक, भोपालगंज पर किया गया। यह पाठ श्री रामजन्मभूमि महोत्सव और भी आनंदमय हो, उसके लिए किया गया। भीलवाड़ा की सभी सुंदरकांड समितियों द्वारा 'एक पाठ श्रीराम के नाम' कार्यक्रम के प्रभारी भगवतीलाल माहेश्वरी ने बताया कि सभी सुंदरकांड समितियों द्वारा गीता जयंती 22 दिसंबर से 22 जनवरी 'रामोत्सव' तक यह अनुष्ठान आयोजित किया। प्रतिदिन यह पाठ भीलवाड़ा के अलग-अलग स्थानों पर आयोजित होते रहे हैं। इस पावन अवसर पर सहभागी हनुमतनाम अनुरागी भक्तगण विश्व हिंदू परिषद के बद्रीलाल सोमानी, अनिल छापरवाल, विजय जैन, रामचंद्र मूंदड़ा सहित कई सुंदरकांड समितियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

भीलवाड़ा। श्रीरामजन्म भूमि मंदिर महोत्सव में हरिसेवा उदासीन आश्रम पर भव्य भजनों की गंगा का कार्यक्रम गायकों की राममय प्रस्तुति के साथ सम्पन्न हुआ। श्री सनातन सेवा समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार मूंदड़ा ने बताया कि श्रीरामजन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा के महोत्सव पर सनातन संस्कृति की देश-विदेश में संरक्षण, संवर्द्धन करने वाले पूज्य महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम जी महाराज उदासीन के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में भीलवाड़ा के सभी कारसेवकों, सभी सुन्दरकांड समितियों, रामलीला के सभी कार्यकर्ताओं, कवियों, भजन गायकों, देश, धर्म, संस्कृति के काम करने वाले सभी 'सनातनी योद्धाओं' का अभिनंदन पत्र देकर स्वागत, अभिनंदन किया गया। श्री अयोध्या धर्मपत्नी के साथ कार सेवा में गए मिट्ठूलाल स्वर्णकार का अभिनंदन स्वामी हंसराम जी महाराज, विहिप के ओमप्रकाश बुलिया, सुरेश गोयल, बद्रीलाल सोमानी ने किया। संगम स्कूल में रामायण की प्रस्तुति देने वाले सभी बालक, बालिकाओं का भी महामंडलेश्वर जी ने अभिनंदन किया।

बुद्ध ने महल का त्याग किया शांति की तलाश में और हम शांति का त्याग कर रहे हैं महल की तलाश में।

हैदराबाद। 21 एवं 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला प्राणप्रतिष्ठा एवं राम मंदिर उद्घाटन के उपलक्ष्य में माहेश्वरी समाज द्वारा 21 दिन पूर्व 31 दिसम्बर 2023 को ''स्वागत रामलला का....'' दर्शन एवं भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर के सुप्रसिद्ध भजन गायक अनुराग भूतड़ा ने अपनी मधुरवाणी में भजन प्रस्तुत किए। संस्था के संस्थापक नंदगोपाल भट्टड़ एवं भगवान पंसारी के नेतृत्व में उक्त आयोजन के मुख्य यजमान भवरीलाल गोविंदलाल पंसारी हैदराबाद रहे। अध्यक्ष रामदेव सारडा ने बताया कि कार्यक्रम में सालासर बाबा एवं अयोध्या में निर्मित हो रहे भगवान रामजी के हुबहु मंदिर से भव्य दरबार सजाया गया। मंत्री नरेश भूतड़ा ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र के विधायक टी. राजा सिंह मुख्य अतिथि रहे। संयोजक अभिषेक इनानी एवं गोपाल राठी ने कार्यक्रम का संचालन किया। संस्था के सदस्य आकाश काकानी, आशीष राठी, अभिषेक सारडा, अंकित बाहेती, अंकित मालानी, दिनेश सारडा, महेश साबू, निखिल पंसारी, राहुल बजाज, रमेश मोदानी रूपेश डोडिया, गोपाल नावदर आदि ने अपने-अपने परिवार सहित कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग दिया।

अमरावती। श्री महेश सेवा समिति की ओर से महेश भवन के प्राचीन शिव हनुमान मंदिर में राम दीपावली का आयोजन किया गया। अपरान्ह 12.40 बजे समिति अध्यक्ष एडवोकेट आर. बी. अटल के शुभ हाथों से श्री रामजी का पूजन किया गया तथा नैवेद्य धराकर आरती की गई। समिति सचिव प्रवीण चांडक, सह सचिव डॉ. आर. बी. सिकची, संस्कार इवेंट से अक्षय मंत्री व नंदिता मंत्री पूजा के साक्षी बने। वेद विद्यालय के गुरुजन और विद्यार्थीयों ने मंत्रोच्चार के साथ हनुमान चालीसा का पठन किया। सभी को तिलक लगाकर दक्षिणा दी गई तथा प्रसाद वितरण किया गया। संध्या समय 151 दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव मनाया गया। इस आनंदोत्सव में श्याम दम्मानी, सपना चांडक, निर्मल काका, हरिभाऊ पंडित, कुंदन पांडे आदि ने उपस्थित रहे।

कोलकाता। माहेश्वरी समाजोत्थान समिति अंतर्गत माहेश्वरी सभा द्वारा आयोजित राम नाम क्यों जपे कार्यक्रम के प्रधान वक्ता संजय मूंधड़ा ने विस्तार पूर्वक प्रभु श्रीराम जी की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि कलयुग में नाम जप ही अति उत्तम है और इसमें भी राम जी का नाम सर्वोत्तम है। श्री गोवर्धन नाथ जी की हवेली, कोलकाता ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के सभापति हरि नारायण राठी ने कहा कि श्री राम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। विशिष्ट अतिथि राधा कृष्ण राठी ने कहा राम मंदिर के साथ सनातन धर्म की विजय हुई है। माहेश्वरी सभा के सभापति श्री बुलाकी दास मिमानी ने कहा की राम हम सबके हैं पूरा विश्व राममय हो गया है। 22 जनवरी के दिन भव्य आयोजन कर के भगवान राम के श्री चरणों में प्रणाम करते हुए उनके बताए हुए पथ का अनुसरण करेंगे। इसमें माहेश्वरी समाजोत्थान समिति के मंत्री मन मोहन राठी एवं संयुक्त संयोजक घनश्याम सोमानी एवं सुरेंद्र कुमार काबरा की सक्रिय भागीदारी रही।

नावां। आदर्श विद्या मंदिर नावां शहर की ओर से मुख्य बाजार झंडा चौक में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में सभी नगरवासियों को तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा करवा कर हार्दिक शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम में विद्यालय के भैया बहन खुशबू कुमावत, किरण मलिंदा, वेदिका कुमारी और युवराज सिंह ने सभी को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विद्यालय समिति अध्यक्ष सत्यनारायण लड्ढा, समिति सदस्य जगदीश अग्रवाल, प्रधानाचार्य राम प्रसाद कुमावत, आचार्य बंधु नरेंद्र कुमार एवं तोशंकर विश्व हिंदू परिषद के संयोजक सर्वेश्वर शर्मा, अशोक कुमार लड्ढा, विनोद सोनी आदि उपस्थित थे।

ज्यादा समझदार और मूर्ख में कोई फर्क नहीं होता, ये दोनों किसी की नहीं सुनते।

उज्जैन। माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अयोध्या जी में रामलला मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में आनन्दोत्सव गत 20 जनवरी को श्री नृसिंह मंदिर में मनाया गया। निजी कारणों से जिलाध्यक्ष सीमा मालपानी की अनुपस्थिति में सचिव मनीषा राठी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की एवं स्वागत उद्बोधन दिया। शुभकामना संदेश तराना से आयीं ज़िला कोषाध्यक्ष किरण डोडिया द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का संचालन शीतल मूंदड़ा एवं उषा भट्टड़ द्वारा किया गया। संपूर्ण ज़िले से 21 प्रतिभागियों द्वारा भगवान श्री राम पर आधारित भजन, नृत्यनाटिका, योगा डांस, मोनो एक्टिंग, फैंसी ड्रेस, नृत्य आदि विधाओं में अद्भुत प्रस्तुतियां दी। ज़िला उपाध्यक्ष विनीता बियानी, संयुक्त मंत्री विधि राठी, ज़िला समिति सह संयोजिका हेमलता गांधी, आशा भट्टड़, दीपाली सोमानी, माधुरी राठी, पुष्पा कोठारी के साथ स्थानीय महिला संगठन की अध्यक्ष रेखा लड्ढा, संगीता भूतड़ा, पायल भूतड़ा, सचिव उमा खड़लोया, सीमा कासट आदि उपस्थित थीं। आभार सचिव मनीषा राठी द्वारा प्रकट किया गया।

जयपुर। श्रीअयोध्याधाम में आलौकिक श्रीरामलला की मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर जयपुर में गत 22 जनवरी को जिला माहेश्वरी सभा एवं परकोटा क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा के संयुक्त तत्वावधान में विशाल शोभायात्रा तथा राम सहस्त्रनाम अर्चना कार्यक्रम का आयोजन हुआ। भव्य शोभायात्रा निकासी से पूर्व श्री माहेश्वरी सेवा सदन चाँदपोल बाजार में स्थानीय श्रीराममंदिर पर कार सेवकों को श्रीफल, स्मृति चिन्ह और दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। समाज के वीर सपूतों शहीद राम व शरद कोठारी तथा अविनाश माहेश्वरी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। पूर्वोतर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष जुगलकिशोर सोमानी ने अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के तत्वावधान में श्रीअयोध्याधाम में बन रहे बहुद्देशीय 'शौर्य भवन' व विभिन्न योजनाओं की संक्षिप्त जानकारी दी। जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र बजाज ने प्रभु श्रीराम का एकल काव्य पाठ किया। जयपुर माहेश्वरी समाज अध्यक्ष केदार भाला, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा कार्य समिति सदस्य कैलाश सोनी, आशीष जाखोटिया, बजरंग बाहेती, गोविन्द परवाल, सुशील जाजू, उमेश सोनी, अनुज सोनी, अशोक मालू, राधेश्याम काबरा, रामकिशन सोनी, सत्यनारायण काबरा (जे.डी), कमल किशोर साबू, नवल किशोर झंवर, रामअवतार आगीवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित थे।

अहमदाबाद। अहमदाबाद जिला माहेश्वरी महासभा साबरमती क्षेत्र कार्यकारिणी द्वारा माहेश्वरी परिवारों को धार्मिक स्थान केला देवी मंदिर, धर्मनगर, साबरमती में 22 जनवरी को राम मंदिर एवं राम जी की छबि के प्राण प्रतिष्ठा अवसर पर राम नाम, राम धुन, राम स्तुति एवं सुंदरकांड का आयोजन किया गया। साबरमती क्षेत्र के कार्यकारिणी सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने अलग-अलग प्रांत एवं भाषाओं का उपयोग करने वाले माहेश्वरी परिवार के घर जाकर एवं व्हाट्सऐप के माध्यम से ज्यादातर परिवारों तक निमंत्रण पत्र पहुंचाने का प्रयत्न किया और उन्हें एकत्रित किया। ज्यादातर माहेश्वरी परिवारों ने आयोजन में उपस्थित रहकर समाज की एकता का परिचय दिया। आयोजन में समाज की महिलाओं एवं नारायणी संगठन का बहुत सहयोग रहा। अध्यक्ष दीनदयाल मालपानी एवं मंत्री अनिल कोठारी ने सभी का स्वागत किया।

भरतपुर। जिला माहेश्वरी मण्डल समिति द्वारा 22 जनवरी को माहेश्वरी कुंज, नीमदा गेट पर श्री अयोध्या धाम में हो रहे रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह को भरतपुर में आनन्द पूर्वक मनाया गया। जिला अध्यक्ष ओ.पी. माहेश्वरी ने बताया कि 22 जनवरी को दोपहर 12:00 बजे संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। तत्पश्चात भव्य फूल बंगला झांकी एवं महा आरती भी हुई। इसमें राम मंदिर निर्माण हेतु अपने प्राणों को न्योछावर करने वाले माहेश्वरी समाज के गौरव राम कोठारी, शरद कोठारी, अविनाश माहेश्वरी एवं भरतपुर के महेन्द्रनाथ अरोड़ा को श्रद्धांजलि दी गयी।

जीवन में खास और विश्वास की एक समान जरूरत होती है। खास खत्म तो जिंदगी का अंत, विश्वास खत्म तो संबंध का अंत।

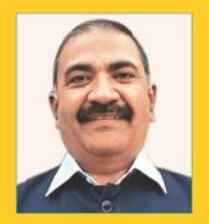

अनिल त्रिवेदी, इंदौर

सैकड़ों आक्रमणों से भी नहीं मिटा

रामजन्मभूमि का अस्तित्व

रामन्जमभूमि पर पुनः भगवान राम का भव्य मंदिर साकार रूप ले रहा है। 500 वर्षों के संघर्षों में भी इस पावन स्थल ने अपना अस्तित्व नहीं खोया। यह सब लोगों की आस्था और प्रभू श्रीराम की कृपा का प्रतिफल ही है। आईये देखें रामजन्मभूमि की रक्त रंजित कहानी, जो इतिहास के पन्नों पर अंकित है।

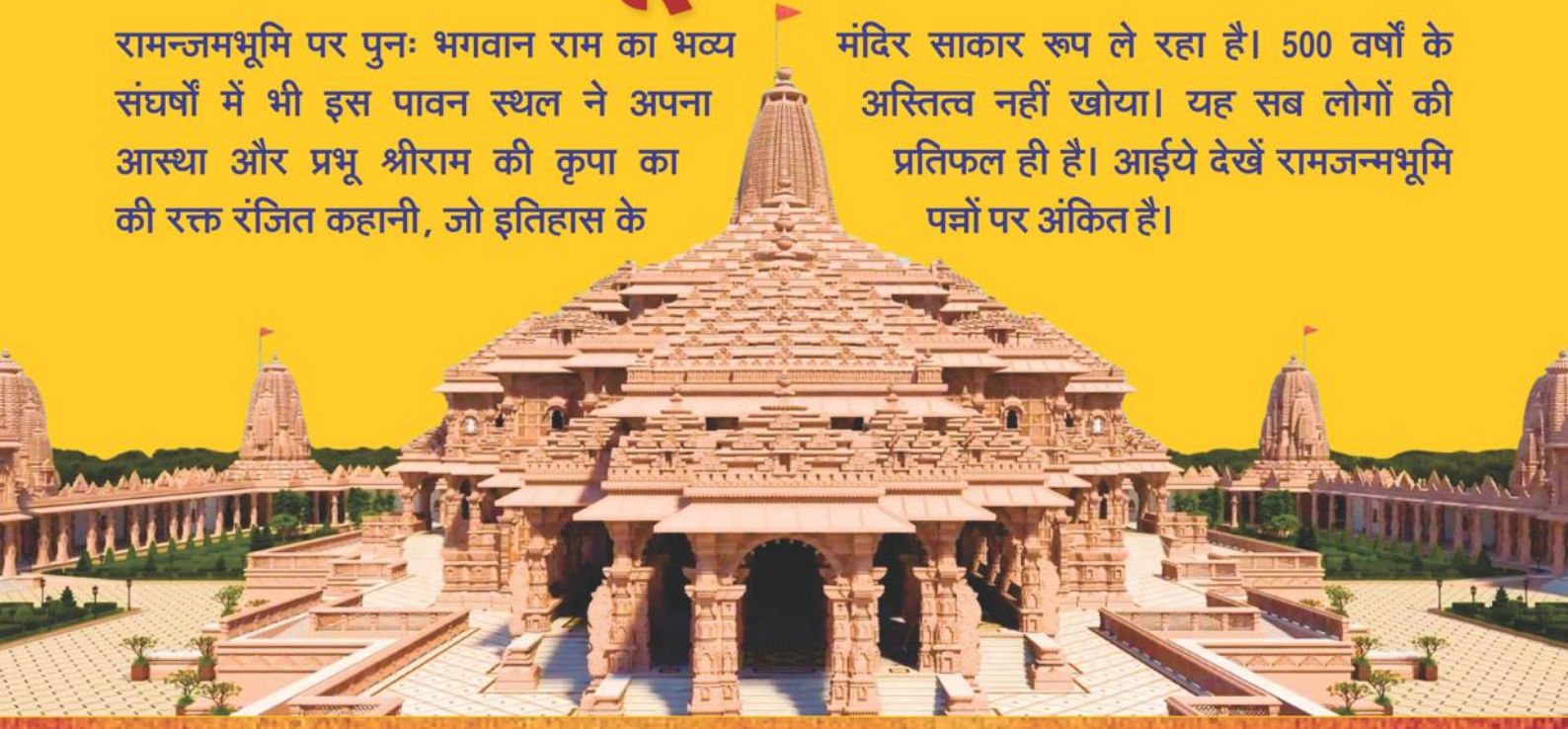

ऐसे हुई शुरुआत

मुगल आक्रांता बाबर जब दिल्ली की गद्दी पर बैठा, उस समय श्रीराम जन्मभूमि, सिद्ध महात्मा श्यामनन्द जी महाराज के अधिकार क्षेत्र में थी। फैजाबाद जिला गजेटियर पृष्ठ 173 के अनुसार, बाबर 29 मार्च 1527 को अयोध्या पहुँचा था। जलालशाह उस दौरान बाबर के विश्वास पात्र फकीर महात्मा श्यामनन्द का शिष्य बनकर उनसे सिद्धियाँ प्राप्त करने लगा। वह कट्टर मुसलमान था, और उसे हर जगह इस्लाम का आधिपत्य साबित करने की सनक थी। यही कट्टरता ही अयोध्या के वैभव को निगलने लगी।

मंदिर के आसपास शव दफनाने लगा जलालशाह

जलालशाह और उसके एक साथी ख्वाजा ने अयोध्या को खुर्द मक्का बनाने के लिए जन्मभूमि के आसपास की जमीनों में मृत मुसलमानों को जबरन दफन करना शुरू कर दिया और मीरबाकी के माध्यम से बाबर को उकसाकर मंदिर के विध्वंस का षड्यंत्र रचा। पुजारियों की निर्मम हत्या की। इसका पता लगने पर बाबा श्याम नन्द जी ने दुःखी मन से रामलला की मूर्ति सरयू में प्रवाहित कर दी और तपस्या करने के लिए हिमालय चले गए। चार अन्य पुजारियों ने मंदिर के अन्य सामान आदि हटा लिए और मंदिर-रक्षा के प्रयास करने लगे मगर क्रूर जलालशाह ने उन चारों पुजारियों के सिर कलम करवा दिए।

1,74,000 वीरों ने दी प्राणों की आहुति

जिस समय मंदिर को गिराकर मस्जिद बनाने की घोषणा हुई उस समय भीटी के राजा महताबसिंह, बद्रीनारायण की यात्रा करने के लिए निकले हुए थे। मगर अयोध्या पहुंचने पर रास्ते में उन्हें ये खबर मिली तो उन्होंने अपनी यात्रा स्थगित कर दी और अपनी छोटी सी सेना में रामभक्तों को शामिल कर 1 लाख चौहत्तर हजार लोगों के साथ बाबर की सेना के 4 लाख 50 हजार सैनिकों से लोहा लेने निकल पड़े। उन रामभक्तों ने सौगंध ले रक्खी थी रक्त की आखिरी बूंद तक लड़ेंगे। जब तक प्राण हैं, तब तक मंदिर नहीं गिरने देंगे। उन्होंने अपनी कसम पूरी की। 17 दिनों तक श्रीरामलला की जन्मभूमि की रक्षा के लिए घोर संग्राम किया और अंत में राजा महताब सिंह सहित लाखों वीरों ने इस धर्मयुद्ध में अपने प्राणों की आहुति दे दी।

हिन्दुओं के रक्त के गारे से बनवाई मस्जिद की नींव

इतिहासकार कनिंघम अपने लखनऊ गजेटियर के 66वें अंक के पृष्ठ 3 पर लिखते हैं कि एक लाख चौहत्तर हजार हिंदुओं के प्रोत्सर्ग युग के बाद पश्चात मीर बाकी ने श्रीराम मंदिर ध्वस्त करने के अपने अभियान को पूरा किया। हैमिल्टन नाम के एक अंग्रेज ने बाराबंकी गजेटियर में लिखा था कि जलालशाह ने हिन्दुओं के रक्त से गारा बनाकर लखौरी ईटों से मस्जिद की नींव बनवाई।

पंडितो और क्षत्रियों ने मिलकर किया संघर्ष

इसकी रक्षा में ब्राह्मण सहित 90 हजार क्षत्रियों ने जीवन बलिदान किया। श्रीराम जन्मभूमि की रक्षा का अगला अभियान पंडित देवीदीन पाण्डेय ने आरंभ किया। उन्होंने सराय, सिसिंडा, राजेपुर आदि के सूर्यवंशीय क्षत्रियों को एकत्रित कर आह्वान किया कि हमारे आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि को मुसलमान आक्रान्ता कब्रों से पाट रहे हैं। ऐसे में मूकदर्शक बनकर जीवित रहने के बजाय जन्मभूमि के रक्षार्थ युद्ध करते-करते वीरगति पाना ज्यादा उत्तम होगा। उनके आह्वान पर

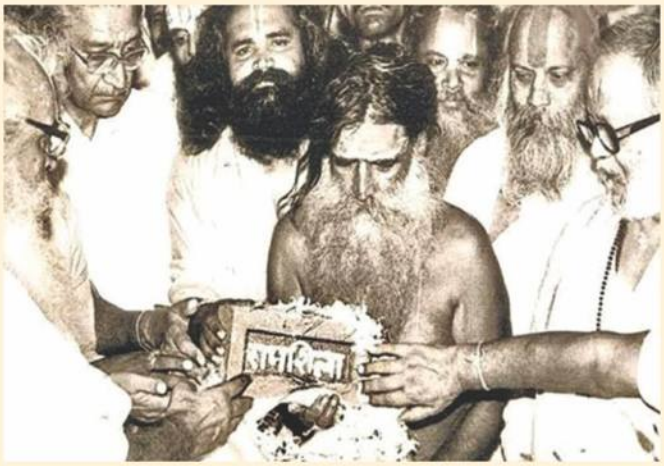

दो दिनों के भीतर 90 हजार क्षत्रिय व ब्राह्मण इकट्ठा हो गए। दूर-दूर के गांवों से समूहों में इकट्ठा हुए इन ने जन्मभूमि के लिए संघर्ष आरंभ कर दिया। शाही सेना से 5 दिनों तक लगातार युद्ध करते हुए उन सभी रामभक्तों ने जन्मभूमि के रक्षार्थ अपना जीवन बलिदान कर दिया।

मीर बाकी से भिड़े हंसवर के महाराज

इसके 15 दिन बाद जन्मभूमि को मुक्त कराने के लिए हंसवर के महाराज रणविजय सिंह ने सिर्फ 25 हजार सैनिकों के साथ मीर बाकी की बहुत बड़ी सेना पर आक्रमण किया। 10 दिन तक युद्ध चला और महाराज जन्मभूमि के रक्षार्थ वीरगति को प्राप्त हो गए। जन्मभूमि में 25 हजार हिन्दुओं का रक्त फिर बहा।

3 हजार वीरांगनाओं ने भी पाई वीरगति

श्रीराम जन्मभूमि की रक्षा में हंसवर के महाराज के वीरगति प्राप्त करने के बाद महारानी जयराज कुमारी ने उनके संकल्प को आगे बढ़ाने का बीड़ा उठाया और तीन हजार नारियों की सेना लेकर उन्होंने जन्मभूमि के लिए मुगल सेना पर हमला बोला। कई दिनों तक छापामार युद्ध के बाद इन वीरांगनाओं ने भी राम जन्मभूमि की रक्षा के लिए लड़ते हुए वीरगति प्राप्त की।

साधु-संतों ने किया 20 बार आक्रमण

इसके बाद स्वामी महेश्वरानंद जी ने रामभक्त साधु-संन्यासियों और आम लोगों को इकट्ठा करके मुगल सेना से संघर्ष किया। अगले क्रम में संघर्ष का नेतृत्व स्वामी बलरामाचारी जी ने अपने हाथों में लिया। रामभक्तों की मजबूत सेना तैयार कर जन्मभूमि के उद्धारार्थ 20 बार आक्रमण किए। इन 20 हमलों में 15 बार स्वामी बलरामाचारी ने जन्मभूमि पर अधिकार कर लिया। यद्यपि, हर बार ये अधिकार अल्पकालिक ही रहा, पर इससे सम्पूर्ण अयोध्या अंचल में नवीन चेतना जागृत हो गई। जिससे अकबर को जबरन बनाई गई मस्जिद के प्रांगण में मंदिर का अस्तित्व स्वीकारना पड़ा।

रामदास महाराज के शिष्य ने किया 30 बार आक्रमण

मुगल शासक औरंगजेब के समय समर्थ गुरु रामदास महाराज जी के शिष्य बाबा वैष्णवदास जी ने जन्मभूमि के उद्धारार्थ 30 बार आक्रमण किए। इन आक्रमणों में अयोध्या के आस-पास के गांवों के सूर्यवंशीय क्षत्रियों ने पूर्ण सहयोग दिया। जिनमें सराय के ठाकुर सरदार गजराज सिंह, राजेपुर के कुँवर गोपाल सिंह तथा सिसिण्डा के ठाकुर जगदंबा सिंह प्रमुख थे। ये सभी पराक्रमी वीर जानते थे कि उनकी सेना और हथियार आक्रांता औरंगजेब की सेना के सामने कुछ भी नहीं हैं। इसके बावजूद वो अपने जीवन की आखिरी सांस तक शाही सेना से लोहा लेते रहे। लम्बे समय तक

चले इन युद्धों में श्रीराम जन्मभूमि को मुक्त कराने के लिए हजारों हिन्दू वीरों ने अपना बलिदान दिया और अयोध्या की धरती उनके रक्त से लाल हो गई।

चिमटाधारी साधुओं का मुगल सेना पर आक्रमण

समर्थ गुरु रामदास जी के शिष्य बाबा वैष्णवदास जी के नेतृत्व में हजारों चिमटाधारी साधुओं की सेना ने भी मुगल सेना पर आक्रमण किया और उसे मार भगाया। प्रतिक्रिया स्वरूप औरंगजेब ने जन्मभूमि पर बनी झोपड़ी भी नष्ट कर दी, जहां हिन्दू पूजा किया करते थे।

गुरु गोविंद सिंह के पराक्रम से मुगल सेना हैरान

सन् 1680 में बाबा वैष्णवदास जी ने सिक्खों के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह से युद्ध में सहयोग के लिए पत्र लिखा। संदेश पाकर गुरु गोविंद सिंह सेना समेत तत्काल अयोध्या आ गए और ब्रह्मकुंड पर अपना डेरा डाला। (ब्रह्मकुंड वही जगह है जहां आजकल गुरु गोविंद सिंह की स्मृति में गुरुद्वारा बना हुआ है।) बाबा वैष्णवदास जी एवं गुरु गोविंद सिंह जी जन्मभूमि की रक्षा हेतु एक साथ रणभूमि में कूद पड़े। उन्होंने सुनियोजित हमलों से मुगलों की सेना के पाँव उखाड़ दिए और सैय्यद हसन अली भी युद्ध में मारा गया। औरंगजेब, हिंदुओं की इस प्रतिक्रिया से स्तब्ध रह गया।

हजारों हिंदुओं की हत्या कर कुएं में फेंके शव

औरंगजेब ने एक बार फिर श्रीराम जन्मभूमि पर आक्रमण किया। इस भीषण हमले में शाही फौज ने 10 हजार से ज्यादा हिंदुओं की हत्या कर दी। सामान्य नागरिकों तक को नहीं छोड़ा। जन्मभूमि हिन्दुओं के रक्त से फिर लाल हो गई। जन्मभूमि के अंदर नवकोण के कंदर्प कूप नामक कुएं में सभी मारे गए हिंदुओं के शव, मुगलों ने फेंक दिए और उसके चारों ओर दीवार उठाकर घेर दिया। आज भी कंदर्प कूप 'गज शहीदा' के नाम से प्रसिद्ध है और जन्मभूमि के पूर्वी द्वार पर स्थित है।

अमेठी और पीपरपुर के राजाओं ने किए 5 बार आक्रमण

नवाब सआदत अली के समय जन्मभूमि के रक्षार्थ अमेठी के राजा गुरुदत्त सिंह और पिपरपुर के राजकुमार सिंह के नेतृत्व में बाबरी ढांचे पर पाँच बार आक्रमण किए गए। लखनऊ गजेटियर में कर्नल हंट ने लिखा है कि - हिंदुओं के लगातार हमलों से ऊबकर नवाब ने हिंदुओं और मुसलमानों को एक साथ नमाज पढ़ने और भजन करने की इजाजत दी, पर उसने हिन्दुओं को जमीन नहीं सौंपी।

हिन्दुओं का श्रीराम जन्मभूमि पर कब्जा

श्रीराम जन्मभूमि के लिए हिंदुओं ने एक बार फिर संघर्ष किया। फैजाबाद गजेटियर में कनिंघम ने लिखा है कि 'इस संग्राम में बहुत ही भयंकर खून-खराबा हुआ। दो दिनों और रातों तक चलने वाले इस भयंकर युद्ध में सैकड़ों हिन्दुओं के मारे जाने के बावजूद उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि पर कब्जा कर लिया। मगर, हिन्दू भीड़ ने अतिक्रमणकारियों की स्त्रियों और बच्चों को कोई हानि नहीं पहुंचाई।

फिर से बनाया औरंगजेब द्वारा ध्वस्त चबूतरा

इतिहासकार कनिंघम लिखते हैं कि ये अयोध्या का सबसे बड़ा बलवा था। हिंदुओं ने अपना सपना पूरा किया और औरंगजेब द्वारा विध्वंस किए गए चबूतरे को फिर से बना दिया। चबूतरे पर तीन फीट ऊँची खस की टाट से एक छोटा सा मंदिर भी बनवा लिया, जिसमें पुनः रामलला की स्थापना भी कर दी गई।

उद्धार का प्रयास कर रहे बाबा और मौलवी को फांसी

सन् 1857 की क्रांति में बहादुर शाह जफर के समय में बाबा रामचरणदास जी ने एक मौलवी अमीर अली के साथ जन्मभूमि के उद्धार का प्रयास किया, पर 18 मार्च 1858 को कुबेर टीला स्थित एक इमली के पेड़ पर अंग्रेजों ने दोनों को एक साथ फांसी पर लटका दिया। जब अंग्रेजों ने देखा कि ये पेड़ भी देशभक्तों एवं रामभक्तों के लिए एक स्मारक के रूप में विकसित हो रहा है, तब उन्होंने उस पेड़ को ही कटवा दिया।

गोरखा रेजिमेंट को हटाने की धमकी के बाद महाराज को छोड़ा

गोरक्षपीठ के श्री गोपालनाथ जी महाराज ने जब श्रीराम जन्मभूमि के लिए आंदोलन शुरू किया तो ब्रिटिश पुलिस द्वारा उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें मुक्त करने के लिए, जोधपुर रियासत सहित कई क्षत्रिय रियासतों द्वारा दबाव बनाया गया लेकिन ब्रिटिश अधिकारियों ने उन्हें रिहा नहीं किया। तत्पश्चात नेपाल नरेश द्वारा दबाव बनाया गया और गोरखा रेजिमेंट को हटाने की धमकी दी गई। तब कहीं जाकर, घबराकर अंग्रेजों ने उन्हें रिहा किया।

500 साल के संघर्ष में हुए 78 छोटे-बड़े युद्ध

श्रीराम जन्मभूमि के लगभग 500 साल के संघर्ष के दौरान 78 छोटे-बड़े युद्ध लड़े गए। 1528 में बाबर के आदेश पर तोड़ा गया जन्मस्थान का मंदिर भले ही स्वरूप परिवर्तित करके रूपांतरित कर दिया गया हो, किंतु उसका ढांचा बार-बार चीख-चीख कर बताता था कि वास्तव में यह हिंदू मंदिर के अवशेषों से ही निर्मित किया गया है।

..... तो मुस्लिम पक्ष स्थान हिंदुओं को सौंप देगा

1991 में मुस्लिम नेतृत्व ने तत्कालीन प्रधानमंत्री महोदय को लिखकर दिया था कि यदि यह सिद्ध हो जाता है कि इस ढांचे को मंदिर तोड़कर बनाया गया है तो वे स्वेच्छा से यह स्थान हिंदू समाज को सौंप देंगे। 6 दिसंबर के घटनाक्रम में पुरातत्व विभाग के सामने वे सारे तथ्य और प्रमाण धरती के गर्भ से बाहर आ गए। समस्त शिलालेखों ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह ढांचा हिंदू मंदिर के अवशेषों से निर्मित किया गया था। उस समय मुस्लिम पक्ष बेशक अपने वादे से पलट गया लेकिन इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस बात को प्रमुखता से स्वीकारा, क्योंकि उनके समक्ष कनाडा की एक कंपनी द्वारा राडार से की गई फोटोग्राफी के स्पष्ट प्रमाण थे।

खम्बों, दीवारों और छतों पर मिलीं मंदिर से जुड़ी रचनाएं

भू-वैज्ञानिकों की उस रिपोर्ट को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता था, जिसमें उन्होंने वर्ष 2003 में 6 माह तक की गई अपनी सर्वे रिपोर्ट के परिणाम में यह बताया था कि वहां 17 दीवारों पर नक्काशीदार पत्थर तथा 52 ऐसी रचनाएं मिली हैं जिन्हें मंदिर के खम्बों का आधार कहा जाता है। जमीन के अंदर पक्की बावड़ी और छोटे से मंदिर की संरचना (जिसे उन्होंने 12 वीं शताब्दी का स्वीकार किया था) का पाया जाना स्पष्ट रूप से संकेत कर रहा था कि वह ढांचा मंदिर ध्वस्त करके ही बनाया गया है।

अयोध्या में श्रीराम कार सेवा करते हुए 2 नवम्बर 1990 को शहीद हुऐ कोलकाता के माहेश्वरी बन्धु

राम कुमार कोठारी शरद कुमार कोठारी

राम मंदिर के वास्तुकार

सबसे पहले राम मदिर की डिजाइन साल 1988 में अहमदाबाद के सोमपुरा परिवार द्वारा तैयार की गई थी। सोमपुरा परिवार के लोग पिछले 15 पीढ़ियों से मंदिरों की डिजाइन बना रहे हैं और अब तक 100 से ज्यादा मंदिरों की डिजाइन बना चुके हैं। साल 2020 में जब राम मंदिर का निर्माण शुरू हुआ तो मंदिर के पुराने डिजाइन में कुछ बदलाव करके उसे स्वीकार कर लिया गया और उसी के अनुसार मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। राम मंदिर 235 फीट चौड़ा, 360 फीट लंबा और 161 फीट ऊंचा होगा। यह मंदिर नागर शैली में बनाया जा रहा है। नागर शैली भारतीय मंदिर निर्माण की वास्तुकला के प्रकारों में से एक है। इस मंदिर के मुख्य वास्तुकार चंद्रकांत सोमपुरा और उनके दो बेटे निखिल सोमपुरा और आशीष सोमपुरा हैं। वास्तुकारों ने मंदिर परिसर में प्रार्थना कक्ष, राम कथा कुंज, वैदिक पाठशाला, संत निवास, यति निवास, संग्रहालय और कैफेटेरिया को डिजाइन किया है। मंदिर के साथ इनका निर्माण भी किया जा रहा है। अयोध्या का राम मंदिर बेहद विशाल होगा। कहा जा रह है कि जब यह मंदिर पूरी तरह से बनकर तैयार हो जाएगा तो यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा हिंदू मंदिर होगा।

राम मंदिर शिलान्यास समारोह

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का शिलान्यास भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 अगस्त 2020 को दोपहर 12 बजे किया। इस दौरान आधारशिला के रूप में पीएम नरेंद्र मोदी ने चांदी की ईंट की स्थापना की। इसके पहले श्रीराम जन्मभूमि पर पंडितों ने तीन दिवसीय वैदिक अनुष्ठान किए। इस दौरान भगवान राम की पूजा की गई और मंदिर के शिलान्यास में सभी प्रमुख देवी-देवताओं को आमंत्रित किया गया। भारत के कई धार्मिक स्थानों से मिट्टी और पवित्र जल लाया गया। इस दौरान पाकिस्तान की शारदा पीठ से भी मिट्टी लाई गई। साथ ही गंगा, सिन्धु, यमुना, सरस्वती और कावेरी नदी का जल अर्पित किया गया। शिलान्यास समारोह के उत्सव में अयोध्या में मंदिरों में 7 हजार से ज्यादा दिए जलाए गए। अयोध्या में भगवान राम का मंदिर 2.7 एकड़ भूमि में बन रहा है। जिसमें 54,700 वर्गफुट भूमि शामिल है। राम का मंदिर का पूरा परिसर लगभग 70 एकड़ भूमि में तैयार हो रहा है। इस परिसर में इतनी जगह होगी कि लाखों भक्त एकसाथ मंदिर में भगवान राम के दर्शन कर सकेंगे। राम मंदिर का निर्माण कार्य श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की देखरेख में लार्सन एंड टूब्रो कंपनी कर रही है। इस मंदिर का निर्माण राजस्थान के बंसी पर्वत के बलुआ पत्थरों से हो रहा है।

राम मंदिर का डिजाइन

मंदिर की डिजाइन चंद्रकांत सोमपुरा (Chandrakant sompura) ने अपने बेटों के साथ बनाई है। चंद्रकांत सोमपुरा को इस मंदिर का डिजाइन बनाने के लिए साल 1992 में नियुक्त किया गया था। चंद्रकांत सोमपुरा ने बताया है कि नागर शैली में बनाए जा रहे इस मंदिर का प्रवेश द्वार पूर्व की ओर बनाया जाएगा जो गोपुरम शैली में होगा। यह द्वार दक्षिण के मंदिरों का प्रतिनिधित्व करेगा। मंदिर की दीवारों पर भगवान राम के जीवन को दर्शाने वाली कलाकृतियां प्रदर्शित होंगी।

मंदिर का आकार

मंदिर का आकार मौजूदा ढांचे से तीन गुना बड़ा होगा। मंदिर का गर्भगृह अष्टकोणीय आकार का होगा, जबकि संरचना की परिधि गोलाकार होगी। गर्भगृह का निर्माण मकराना मार्बल से किया जा रहा है। मंदिर 161 फीट ऊंचा होगा जिसमें पांच गुंबद और एक टावर होगा। मंदिर को तीन मंजिला बनाया जा रहा है। गर्भ गृह को ऐसे डिजाइन किया गया है ताकि सूर्य की किरणें सीधे रामलला पर पड़ें।

भगवान श्रीराम स्वयं सिद्ध योगीराज, योगेश्वर हैं। श्रीमद् भगवद् गीता में जिस योग का उपदेश भगवान श्रीकृष्ण ने दिया है, रामवतार में भगवान श्रीराम ने उसे स्वयं सिद्ध किया है। यही कारण है कि भगवान श्रीराम का सम्पूर्ण चरित्र ही अनुकरणीय है।

डॉ. विवेक चौरसिया
उज्जैन

योगेश्वर भगवान श्रीराम

भगवान श्रीराम मानवावतार में अपनी लीलाओं के माध्यम से योग का सच्चा साक्षात्कार कराते हैं। वे पक्के योगी हैं, योगीराज हैं, योगेश्वर हैं। श्रीकृष्णावतार में अर्जुन को सम्बोधित श्रीमद्भगवतगीता में उन्होंने जिस योग का उपदेश दिया हैं, रामावतार में स्वयं उसे जिया हैं। 'अनाश्रितः कर्मफलं कार्यं कर्म करोति यः। स सन्यासी च योगी च न निरग्निर्न चाक्रियः।।' अर्थात् जो व्यक्ति अपने कर्मफल के प्रति अनासक्त है और जो अपने कर्तव्य का पालन करता है, वही संन्यासी और असली योगी है। वह नहीं, जो न तो अग्नि जलाता है और न ही कर्म करता है। योगी की यह परिभाषा भगवान ने द्वापर में अर्जुन को बताई किंतु इस कसौटी पर स्वयं त्रेता में खरे उतरकर बता दिया था कि वे सच्चे योगी हैं। जीवनभर कर्मरत लेकिन सदैव कर्मफल के प्रति अनासक्त जो थे योगेश्वर श्रीराम!

शास्त्रसम्मत और जीवनोपयोगी योग पर श्रीकृष्ण उवाच गीता की तरह श्रीराम के श्रीमुख से कोई प्रामाणिक उपदेश श्रीराम कथाओं में अप्राप्त है। देखा जाए तो श्रीराम योग पर चर्चा कम करते हैं, उसे जीते अधिक हैं। वे योग पर सीधी बात नहीं करते मगर जहाँ, जब भी कोई बात कहते हैं, मानो वह योगोपदेश है। गोया कि कुरुक्षेत्र की रणभूमि में विषादग्रस्त अर्जुन के मोह-निवारण के लिए श्रीकृष्ण का एक उपदेश विशेष गीता है किंतु श्रीराम ने जब, जिसे सम्बोधित किया, वे सब गीताएँ बन गई। बस शब्द अलग हैं, भाव भिन्न हैं लेकिन कथन की मूल आत्मा योगमय है। देशकाल से परे सर्वथा जीवनोपयोगी और जीवन में योग को अवतरित कराने वाली श्रीराम उवाच ऐसी गीताओं की कई अमृत-गङ्गाएँ नाना रामकथाओं में यत्र-तत्र-सर्वत्र प्रवाहित हैं।

संस्कृत का महान धर्मग्रंथ 'योग वशिष्ठ' साक्षी है कि अपनी किशोरावस्था में ही श्रीराम ने कुलगुरु महर्षि वशिष्ठ से योग का परम उपदेश ग्रहण किया था। श्रीमद्भगवतगीता के छठवें अध्याय के तीसरे श्लोक में 'योगम्' शब्द के माध्यम से वे जिस अष्टाङ्ग योग पद्धति की चर्चा करते हैं, उसके प्रारम्भिक दो सोपानों यम और नियम का मर्म और महात्म्य राम ने जीवन के आरम्भकाल में जान लिया था। लोक के स्तर पर सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह के सूत्र उनके जीवन में पग-पग पर अभिव्यक्त हुए हैं। श्रीराम मूलतः अहिंसक हैं किंतु लोकरक्षा के लिए आवश्यक होने पर कुलधर्म के अनुरूप ही शस्त्र का उपयोग करते हैं। निजी स्तर पर वे शौच, सन्तोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर प्रणिधान सम्बन्धी नियमों का व्रत की भाँति पालन करते हैं। राम स्वयं ईश्वर हैं किंतु अपने आचरण व व्यवहार में परम ईश्वरीय सत्ता के प्रति समर्पित रहकर अपनी योगमूर्ति का जगत् को दिग्दर्शन कराते हैं।

योग मन पर विजय की प्रेरणा देने और इसकी विधि सिखाने का विज्ञान है। श्रीराम अपने मन को जीते हुए योगी हैं। वे जानते हैं कि मन को जीते बगैर योग का चरम लक्ष्य परमात्मा की प्राप्ति असम्भव है। तभी तो कृष्णावतार में उन्होंने कहा है 'जितात्मनः प्रशान्तस्य परमात्मा समाहितः। शीतोष्णसुखदुःखेषु तथा मानापमानयोः।।' अर्थात् जिसने मन को जीत लिया है, उसने पहले ही परमात्मा को प्राप्त कर लिया है। क्योंकि उसने शांति पा ली है। ऐसे व्यक्ति के लिए तब जीवन में सुख-दुःख, सर्दी-गर्मी और मान-अपमान सब एक समान है। तब सारी सृष्टि ऐसे योगी के लिए ईश्वर का रूप हो जाती है। 'सर्वभूतस्थमात्मानं सर्वभूतानि चात्मनि। ईक्षते योगयुक्तात्मा सर्वत्र समदर्शनः।।' अर्थात् ऐसा वास्तविक योगी समस्त जीवों में मुझको तथा मुझमें समस्त जीवों को देखता है। निःसंदेह स्वरूपसिद्ध व्यक्ति मुझ परमेश्वर का ही सर्वत्र दर्शन करता है।

योग का सार है मन पर विजय। मनंजयी सच्चे अर्थों में मृत्युंजयी से भी बड़ा है। मन को जीत लेने वाला जीवन में हर्ष-विषाद से परे, सुख-दुःख से इतर, संयोग-वियोग से रहित और प्राप्ति-अप्राप्ति से मुक्त जीते-जी सहज ही मृत्यु तक को जीत लेता है। अन्यथा मृत्यु तो एक बार होती है लेकिन योगविहीन रहते हुए हम प्रायः जीवन में प्राप्त विषाद, दुःख, वियोग और अप्राप्ति की मौत बारम्बार मरते रहते हैं। जो श्रीराम के समान मन को जीतकर जीवन में योग सिद्ध कर लेता है, वह हर परिस्थिति में समरस रहता है और कण-कण में परमात्मा का साक्षात्कार कर अदम्य व असीम शांति का आनन्दमय जीवन जीता है। ऐसा योगी केवल ईश्वर प्रदत्त एक ही मृत्यु मरता है, प्रतिदिन की मृत्यु से मुक्त मृत्युंजय हो जाता है। श्रीराम अपने व्यक्तित्व व कृतित्व से मनंजयी होकर मृत्युंजयी बनने की यही अनूठी सीख देते हैं।

श्रीराम का जीवन प्रमाण है कि अयोध्या के राज की जगह वन का राज मिला तब भी वे हर्ष-विषाद से परे रहे। अयोध्या के राजभवन के सुख की अप्राप्ति और वनवास के दुःखों की प्राप्ति उनके मन को लेशमात्र भी डिगा न सकी। श्रीमद्भागवत महापुराण की रामकथा में राम की वनयात्रा के अवसर पर उनके योगस्थ चित्त की दशा का चित्रण करते हुए लिखा है कि 'यः सत्यपाशपरिवीतपितुर्निदेशं स्त्रैणस्य चापि शिरसा जगृहे सभार्यः। राज्यं श्रियं प्रणयिनः सुहृदो निवासं त्यक्त्वा ययौ वनमसूनिव मुक्तसंगः।।' अर्थात् अपने पिता के वचन को सत्य करने के लिए श्रीराम ने वनवास स्वीकार किया। यद्यपि महाराज दशरथ ने अपनी पत्नी के अधीन होकर ही उसे (कैकयी को) वैसा वचन दिया था, फिर भी वे सत्य के बन्धन में बंध गए थे। इसलिए श्रीराम ने अपने पिता की आज्ञा शिरोधार्य की। उन्होंने प्राणों के समान प्यारे राज्य, लक्ष्मी, प्रियजनों, हितैषी, मित्रों और महल को वैसे ही छोड़कर अपनी पत्नी (तथा अनुज लक्ष्मण) के साथ वन की यात्रा की, जैसे मुक्तसंग योगी प्राणों को छोड़ देता है।

श्रीराम ने वन के कष्ट मुस्कुराते हुए सहे। सीता से संयोग में वे बौराए नहीं और वियोग में विचलित न हुए। रणभूमि में वे रावण के कहे अप्रिय वचन सुनकर भी निस्पर्ह रहते हैं और रावण वध के बाद देवताओं की पुष्पवर्षा पाकर भी अभिमान से नहीं भरते। वे प्रकृति में परमात्मा को देखते हैं और वनों, पर्वतों, नदियों सहित प्राणीमात्र से तादात्म्य बना लेते हैं। पर्वतवासी कौल-किरातों, तटवासी केवट-निषादों और वनवासी वानर-भालुओं को समान भाव से अपनाते हैं और प्रकृति के प्रत्येक अंग को चैतन्य मानते हैं। तभी तो सीताहरण के बाद वियोग की चरम अवस्था में पशु-पशुओं तक से पूछ पड़ते हैं, 'हे खग मृग हे मधुकर श्रेनी, तुम्ह देखि सीता मृगनैनी!'

गोस्वामी तुलसीदास कृत श्रीरामचरितमानस के अयोध्याकाण्ड में राज्य छीनने का बाद कैकयी से संवाद सहित इसी काण्ड में महर्षि वाल्मीकि से संवाद करते हुए श्रीराम के योगी रूप का दुर्लभ दर्शन किया जा सकता है। अरण्यकाण्ड में लक्ष्मण को 'राम-गीता' और शबरी को 'नवधा भक्ति' का उपदेश देते हुए श्रीराम जीवन में योग की महत्ता प्रतिपादित करते हैं। इसी काण्ड के अंत में देवर्षि नारद को योगपथ का वह मार्गदर्शन देते हैं, जिस पर चलकर व्यक्ति स्वयं उन्हें अर्थात् साक्षात् श्रीराम को वश में कर लेता है। श्रीराम कहते हैं, 'षड विकार जित अनघ अकामा, अचल अकिंचन सुचि सुखधामा। अमित बोध अनीह मितभोगी, सत्यसार कबि कोबिद जोगी।। सावधान मानद मदहीना, धीर धर्म गति परम प्रबीना।। गुनागार संसार दुख रहित बिगत संदेह, तजि मम चरन सरोज प्रिय तिन्ह कहुँ देह न गेह।।' अर्थात् हे मुनि! जो काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मत्सर इन छह विकारों को जीते हुए हैं, वे मुझे पाते हैं। जो पापरहित, कामनाओं से मुक्त, स्थिरबुद्धि, सर्वत्यागी, बाहर-भीतर से पवित्र, सदैव सुख अनुभव करने वाले, ज्ञानी, इच्छाओं से इतर, मिताहारी, सत्यनिष्ठ, कवि, विद्वान, योगी, सावधान, दूसरों को सम्मान देने वाले, अभिमानरहित, धैर्यवान तथा धर्म के ज्ञान व आचरण में अत्यंत निपुण होते हैं, ऐसे ही गुणों वाले, सांसारिक दुःखों से अविचलित और सब संदेहों से परे लोग मुझे प्रिय होते हैं। मैं उन्हीं के वशीभूत होता हूँ जिन्हें केवल मेरे चरणकमलों में प्रेम होता है। फिर न उन्हें देह प्रिय होती है, न घर से मोह रह जाता है।

लंकाकांड में राम-विभीषण संवाद और उत्तरकाण्ड में राज्याभिषेक के उपरांत सभासदों व प्रजा को श्रीराम का सम्बोधन श्रीराम के श्रीमुख से व्यवहारिक योग का अनुकरणीय साहित्य है। जीवन में चुनौती की घड़ी किस प्रकार के योगरूपी रथ पर बैठकर कर्म करता व्यक्ति चुनौतियों पर विजय प्राप्त कर यशस्वी होता है, इस बारे में लंकाकाण्ड के राम-विभीषण संवाद के समान दूसरा योगोपदेश अन्यत्र दुर्लभ है। उत्तरकाण्ड में योगमय जीवन की प्रेरणा देते हुए सभासदों के प्रति अपने सम्बोधन में उन्होंने स्पष्ट कहा है, 'एहि तन कर फल बिषय न भाई, स्वर्गउ स्वल्प अंत दुखदाई। नर तनु पाइ बिषयँ मन देहीं, पलटि सुधा ते सठ बिष लेहीं।।' अर्थात् हे भाई! इस दुर्लभ मनुष्य शरीर के प्राप्त होने का फल विषयभोग नहीं है (वरन योग है)। स्वर्ग का भोग भी बहुत थोड़ा है और अंत में उसमें भी दुःख है। अतः जो लोग मनुष्य शरीर पाकर भी विषयों में मन लगा देते हैं, वे मूर्ख अमृत के बदल मानो विष ही लेते हैं।

साधो! श्रीराम के जीवन का एकमात्र संदेश है योग। अर्थात् वह जीवनशैली जो कर्मफल से रहित कर्म की ओर उन्मुख करे, जो सुख-दुःख, लाभ-हानि, मान-अपमान में समत्व साधे, सबमें ईश्वर का अनुभव करें और मन को जीतकर उन्मुक्त रहे। इसी तरह जीवन जीने में मनुष्य जन्म की सार्थकता है। यही रामपथ है, यही योगपथ है। इसी पथ का पथिक योगेश्वर श्रीराम को पा पाता है। अन्यथा योगवियुक्त रहकर मूर्खों के समान विषमय जीवन जीता और अंततः व्यतीत हो जाता है।

श्री माहेश्वरी टाईम्स के स्वामित्व के बारे में जानकारी देखें

नियम - 4

प्रकाशक का नाम	श्री माहेश्वरी टाईम्स (मासिक)
भाषा	हिन्दी
प्रकाशन की अवधि	2 तारीख (हर माह की अंग्रेजी)
प्रकाशक का नाम	सरिता बाहेती
मुद्रक का नाम	सरिता बाहेती
संपादक का नाम	पुष्कर बाहेती
क्या भारत का नागरिक है?	हाँ
मुद्रक	ऋषि ऑफसेट, गोलामंडी, उज्जैन (म.प्र.)
प्रकाशन का स्थान	90, विद्या नगर, उज्जैन

उन व्यक्तियों के नाम व पते जो सरिता बाहेती समाचार पत्र के स्वामी हो तथा पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के हिस्सेदार हो।

मैं सरिता बाहेती एतद् द्वारा घोषित करती हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य है।

500 वर्षों बाद आये रामलला

त्रिभुवन काबरा
भाईजी
वडोदरा (गुजरात)

22 जनवरी 2024 भारतवर्ष के लिए एक ऐतिहासिक दिन

लाखों कार सेवको का बलिदान, सैकड़ों वर्षो की प्रतीक्षा, करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्था की तपस्या इन सबका एक फल .... प्रभु श्री राम के जन्मभूमि अयोध्या में उनके बाल स्वरुप की, एक भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा।

वर्तमान युग का सबसे बड़ा उत्सव जिसे केवल भारत में ही नहीं पूरी दुनिया में एक अद्भुत महोत्सव की भाँति मनाया गया, जिसके हम सभी साक्षी रहे है। हम सभी का जन्म साकार हो गया।

प्रभु की असीम अनुकम्पा से, मुझे व्यक्तिगत रूप से अयोध्या में इस प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होकर प्रभु श्री रामलला के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हो पाया। मानो मेरा जीवन धन्य धन्य हो गया। इस अनुकम्पा के लिए मैं जीवन भर ईश्वर का ऋणी रहूँगा।

22 जनवरी 2024 को अयोध्या में नवनिर्मित प्रभु श्री राम के मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई और उसी के साथ करोड़ो देशवासियों की धार्मिक आस्था भी साकार हुई। सैकड़ों वर्षों के बाद लोगो की धार्मिक भावना इतनी अधिक जागृत हुई है और ऐसा पहली बार हुआ है, जब पूरे विश्व में सभी समाज के लोगों ने किसी महोत्सव को इतना धूमधाम से मनाया हो। पूरे भारतवर्ष के हर क्षेत्र में से और हर समुदाय के लोगों में से श्री रामलला के लिए कुछ न कुछ भेंट उपहार भेजे गए। घर-घर में, गली-मोहल्ले में, गाँव-गाँव में, नगर एवं शहरों में सब जगह बस एक ही नाम 'जय श्री राम, जय श्री राम'। इस प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दिन के एक-एक क्षण का जन-जन ने भरपूर आनंद लिया। दूसरे दिन भी 4 लाख से भी अधिक लोगों ने श्री रामलला के दर्शन करके आशीर्वाद प्राप्त किया। निश्चित ही आने वाले समय में अयोध्या नगरी स्थित प्रभु श्री राम का मंदिर दुनिया का सबसे ज्यादा लोगों द्वारा दर्शन किए जाने वाला पवित्र धार्मिक स्थान बन जाएगा।

इस पवित्र अवसर पर हमें एक प्रण करना चाहिए कि हम प्रभु श्री राम द्वारा बताए गए पथ का, मर्यादाओं का अनुसरण करें जिससे राम राज्य की कल्पना साकार रूप ले सके और भारत सम्पूर्ण विश्व में अपनी पवित्र छबि का निर्माण कर सकें।

CYBER SECURITY
Net Protector
NP AV
Total Security
Ransom ware Shield
PC, Laptop
Tablet, Mobile
सुरक्षा
80.550.67.012
92.72.70.70.50
Z SECURITY

www.rathi.com

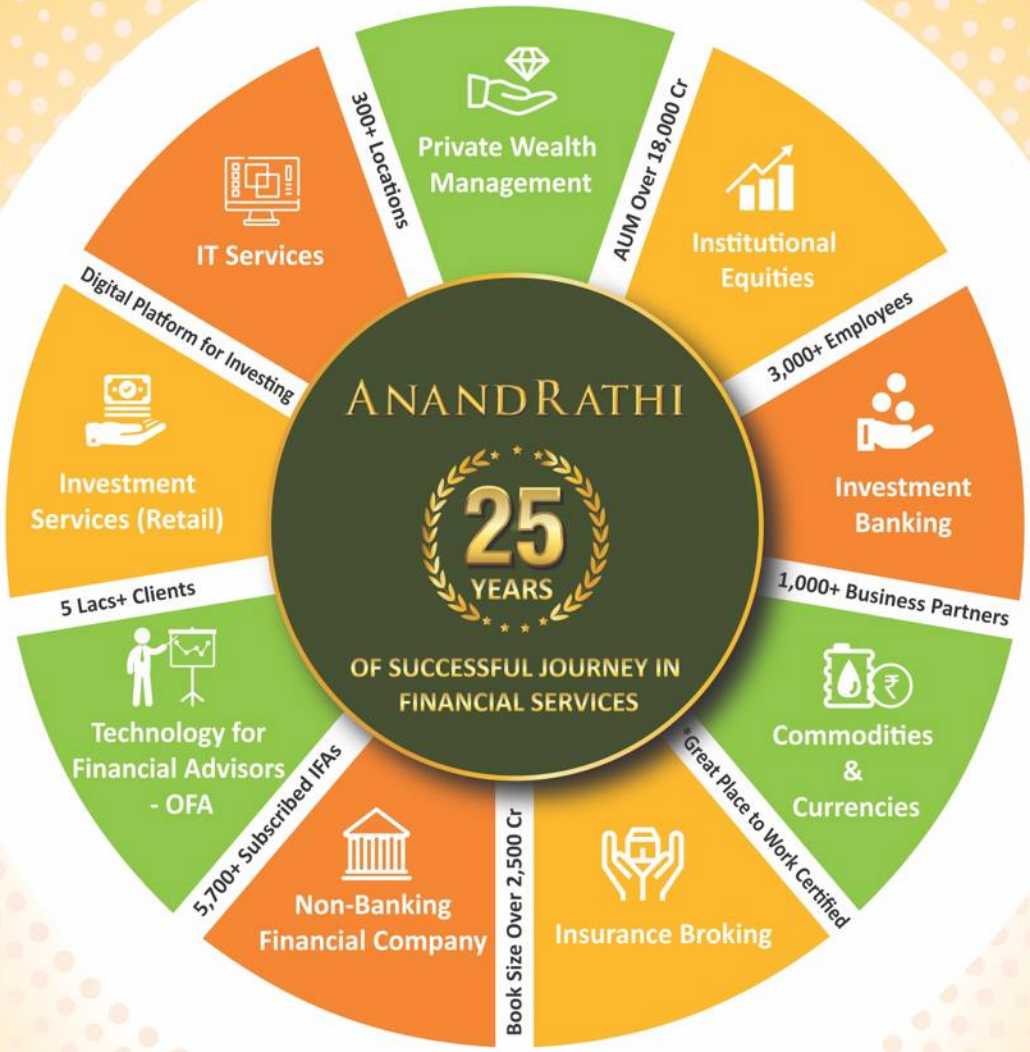

ANANDRATHI

Call us on 1800 200 1002 / 1800 121 1003 or log on to www.rathi.com

Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd. / AnandRathi Advisors Ltd.
Regd. Office: Express Zone, A Wing, 9th Floor, Western Express Highway, Opposite Oberoi Mall, Goregaon (E). Mumbai - 400063. India. Tel: 022 6281 7000
BSE (Mem.ID.949) CM: INB011371557 FO: INF010676931 BSE CD: Exchange Regn. | NSE (Mem.ID.06769) CM: INB230676935 FO: INF230676935 CD: INE230676935 | MSE (Mem.ID.1014) CM: INB260676938 FO: INF260676938 CD: INE260676935 | DP- NSDL: IN-DP-NSDL-149-2000, CDSL: IN-DP-CDSL-04-99. | Research Analyst - INH000000834 | MCX: MCX/TCM/CORP/0525 Mem.ID.: ITCM8500 | NCDEX: NCDEX/TCM/CORP/0178 Mem.No.: TCM00147 | NCDEX SPOT: NCDEXSPOT/043/CO/08/10050 Mem.No.: 10050 | PMS: INP000000282 | MBD-INM000010478 | Investment Adviser: INA000000268 | AMFI: ARN-4478 is Registered under "Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd." | ARN-100284 is Registered under "AR Wealth Management Pvt. Ltd." | ARN-111569 is Registered under "AR Venture Fund management Pvt. Ltd." --We are a distributor of Mutual Fund. Anand Rathi Global Finance Limited is registered as NBFC Regn. No.: B-13.01682. Insurance is registered under "Anand Rathi Insurance Brokers Ltd." License No. 175. PMS registered under Anand Rathi Advisors Ltd. Insurance Products are distributed under Anand Rathi Insurance Brokers Ltd. PMS, PAS & Wealth Management are not offered in commodities segment. Commodities is registered under Anand Rathi Commodities Ltd. | *Anand Rathi Wealth Services Limited.

Disclaimer: Investment in securities market are subject to market risks, read all the related documents carefully before investing. Investments in Mutual Fund are subject to market risk, read all the related documents carefully before investing.

राह जिंदगी की...

प्रो. कल्पना गगडानी मुंबई

प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई प्रण प्रतिष्ठा समर्पित करें...

राममंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह पूर्वक संपन्न हुई। सभी सुधीजन पाठकों को राम मंदिर की बधाई।

मंदिर आस्था के प्रतीक है। आस्था कब निर्मित होती है? वह व्यक्ति के कार्यों से बनती है। वे कार्य जो बड़े कठिन दिखते हैं किंतु सहज गुणों के नियमित और सफल मानवीय प्रयासों से सरल बन जाते हैं। आस्था उसी का प्रसाद है और पूजन उसे सांसारिक से दैविय बना कर भुला देने की एक सोची समझी व्यवस्था। वे ईश्वर हैं, अवतार हैं, असामान्य हैं इसलिये वैसा कर सके. 'हम इंसान हैं' इसलिये हम से नहीं होगा। ये वो छलावा है जो मनुष्य सदियों से अपने आपको देता आया है और कर्त्तव्यों से मुँह मोड़कर, गलतियों से न सीखकर अपने को सिद्ध करने की कौशिश में लगा रहता है। राम पुरुषोत्तम हैं, इस पुरुषोत्तमता के साथ एक विशेष विशेषण 'मर्यादा' भी जुड़ा हुआ है अर्थात राम सबसे उत्तम पुरुष हैं जो मर्यादा में रहते हुए उत्तम कार्य कर गये और इस मर्यादा से उनका उत्तमत्व गुणित होता गया। इस अतिशय भौतिकवादी जीवन में राम की जीवन शैली के अनेको गुणों को अपनाकर आप अपनी जिंदगी की राह को आसान और सहज बना सकते हैं।

आज के कम वैश्विक प्रतिस्पर्धी युग में व्यक्ति अंधाधुंध दौड़ते हुए संयम भूल गया है। हर वस्तु पाना चाहता है और शीघ्र एवं सहज पाना चाहता है। ये अतिशयता अनायास ही अनिच्छा को न्यूनता में बदल देती है। जीवन मरण का सवाल बन जाती है, अनैतिकता से लेकर जीवन अंत पर ले जाती है। राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। राजपाठ मात्र ही नहीं छीना साथ ही वनवास का प्रयोजन भी था। बाध्य वचन हेतु दशरथ थे, राम चाहते तो पिता की आज्ञा को ठुकरा सकते थे। सबसे बड़े भाई थे। कौशल जैसा समृद्ध प्रांत उनका ननिहाल था, उनकी मदद से सब कुछ हासिल कर सकते थे परंतु उन्होंने स्वाभिमान को चुना, पितृ आज्ञा को सुना, सब कुछ छूट जाने पर भी जीवन से विमुख नहीं हुए, कर्त्तव्यपथ पर डटे रहे और फिर युवराज की तरह निकले और राजा राम बनकर लौटे। चक्रवर्ती सम्राट बनें।

टीम वर्क और लीडरशिप के इस युग में राम से समझिये कि सर्वोपरि होते हुए भी राम ने हर वो कार्य जो दो खुद कर सकते थे, अपने साथियों से करवाये और उनका सारा श्रेय भी उन्हें ही दिया। लीडर वो होता है, जो लीड तो करता है किंतु क्रेडिट सुग्रीव, हनुमान, अंगद, विभीषण को देता है। लीडरशिप 'मैं' में नहीं पीछे रहकर 'मैनेज' करने में सफल होती है। परिवार संभालना पड़ता है। क्षणिक रोष को दबा कर भविष्य की संभावनाओं और सफलताओं के लिये खून के घूंट भी पीने पड़ते हैं। एक दो व्यक्ति की गलती की सजा परिवार की टूटन नहीं। पिता की गलती पर आरोप-प्रत्यारोप नहीं सहज स्वीकार्य भी हो सकता है। माता के भेदभाव से मातृप्रेम अधिक संतोषनीय होता है। छोटी-छोटी सी बातों पर अहम का टकराव गलत है। परिवार जीवन का संबल है। राम का राजत्व शबरी के बैर को सहज स्वीकार करता है। प्रेम और भक्ति की पराकाष्ठा समझता है। केवट राज्याभिषेक में राम के इकलोते मेहमान बनते हैं। गेस्टलिस्ट प्रभुता नही प्रेम पर आधारित है।

दैहिक, दैविक भौतिक तापा
राम राज्य नहिं कदुंडि त्यापा

राजधर्म से लेकर - परिवार धर्म तक, राजा से लेकर प्रजा तक, इंसान से लेकर हैवान तक सारे प्रसंगों में मर्यादा, आत्मीयता, सहनशीलता, नेतृत्वकौशल, संयम, शक्ति, प्रेम, दयाभाव वे सारी चीजें जो 'जिंदगी की राह' निर्मित करती है- राम की छवि दर्शाती है। आवश्यकता है उसे समझने की, जीवन में अपनाने की, जिंदगी की राह सफल बनाने की...

धूतपापेश्वर

आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष

१५०

स्वामला रोज़ाना, सेहत का खज़ाना!

स्वामला®

कंपाउंड

हर मौसम में संपूर्ण स्वास्थ्यवर्धक

६० सालों से स्थापित उत्पाद

अब नए पैक में उपलब्ध

सुवर्ण से समृद्ध च्यवनप्राश

- शरीर के घटकों को सशक्त करें
- रोगप्रतिकारशक्ति सक्षम करने में मदद करें
- आरोग्य बनाए रखें
- उत्साह तथा उर्जा बढाएं
- श्वसनसंस्थान को बल दें
- बार बार उत्पन्न होनेवाली आरोग्य समस्याओं को कम करने में सहायता करें

सावधान: चिकित्सक की सलाह अनुसार ले

F24SWAd16x25H203

श्री धूतपापेश्वर लिमिटेड | शास्त्रोक्त, मानकीकृत, सुरक्षित आयुर्वेद औषधियाँ

For Health & Trade Enquiries Tollfree: 1800 22 9874 I For online purchase: http://consumerayurved.com

राम के मानवसेवी और पर्यावरण सम्बंधी कार्यों ने उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतीक बना दिया है। राम ने प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करके जीवन का आदर्श प्रदर्शित किया है और पहाड़ों, नदियों, वनों और प्राकृतिक सुंदरता की महिमा को मान्यता दी है।

डॉ. सोनल मेहता
भोपाल (म.प्र.)

राम और पर्यावरण

आईये देखें रामायण के कई प्रमुख पर्यावरण संबंधित प्रसंग शामिल हैं:

1. राम के वनवास: राम का 14 वर्ष का वनवास पर्यावरण संरक्षण की महत्वपूर्ण प्रक्रिया की मिसाल है। वनों में जीवन बिताकर, राम और सीता ने प्रकृति की मदद से संघर्ष किया और उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और संरक्षण का महत्व समझाया।

2. वानर सेना का सहयोग: राम के वनवास के दौरान, राम ने वानर सेना का सहयोग ले कर प्रकृति की संरक्षा के लिए संघर्ष किया। वानर सेना ने पेड़-पौधों की रक्षा की और प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने में मदद की।

3. हनुमान और प्राकृतिक सुंदरता: हनुमान, राम के विश्वासपूर्वक भक्त, प्राकृतिक सुंदरता के प्रतीक हैं। उन्होंने अपनी शक्ति का प्रयोग करके पर्वतों को तथा प्राकृतिक आश्रय स्थलों को संरक्षित रखा।

4. सुंदरकांड: रामायण के सुंदरकांड में, हनुमान के साहस और प्रियतम वन का सुंदर वर्णन हैं। यह प्रसंग प्राकृतिक सुंदरता की महिमा और मनुष्य की प्रकृतिक आपूर्ति से जुड़े महत्व को प्रमोट करता है।

राम के जीवन और रामायण के इन प्रसंगों के माध्यम से, हमें प्रकृति की महत्त्वपूर्णता, पारिस्थितिकी, वन संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों की महत्वता का आंदाजा होता है। राम का आदर्श प्रदर्शन हमें पर्यावरण स्नेह, बागवानी, जल संरक्षण और प्रकृति में संतुलन को बनाए रखने के लिए प्रेरित करता है।

योग-मुद्रा

कोई भी शुभ कार्य करने से पहले हिन्दू धर्म में गणेश जी की पूजा करते हैं, ताकि उनके कार्य निर्विघ्न संपन्न हो, गणेश जी को इसीलिये विघ्नेश्वर कहते हैं। जो काम हम पूजा अर्चना से करते हैं, वही काम हम दोनों हाथों की मुद्रा बनाकर भी कर सकते हैं। इसी को कहते हैं गणेश मुद्रा।

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

आत्मविश्वास की वृद्धि करती

गणेश मुद्रा

कैसे करें : बायां हाथ हृदय के सामने लाकर हथेली बाहर की ओर रखें। दूसरे हाथ की हथेली को हृदय की ओर करते हुए दोनों हाथों की उंगलियों का ग्रीप बनाएं। श्वास भरते हुए अपने हाथों को हृदय के सामने की ओर तानें। श्वास छोड़ते हुए ढीला छोड़ें। 5 से 6 बार ऐसा करें। फिर हाथों की दिशा पलटते हुए अर्थात् दायीं हथेली बाहर की ओर और बायीं हथेली हृदय की ओर करते हुए हाथों को खींचे, शक्ति के साथ श्वास भरते हुए अंगूठे भी उंगली के साथ मिलाइये, अलग न हों। कोहनियों को तिरछा करते हुए भी इस मुद्रा को कर सकते हैं। इस प्रकार से करने के बाद इसी मुद्रा में हाथों को छाती से लगाएं।

लाभ

❑ इस मुद्रा से अनाहत चक्र (हृदय चक्र) प्रभावित होता है। चूंकि हृदय चक्र नीचे के तीनों चक्रों पर नियंत्रण करता है, इसीलिये मणिपुर चक्र, स्वाधिष्ठान चक्र और मूलाधार चक्र भी प्रभावित होते हैं।

❑ इस मुद्रा से आत्मविश्वास बहुत बढ़ता है, स्फूर्ति आती है, हिम्मत बढ़ती है और हम कठिन से कठिन काम भी आसानी से कर सकते हैं।

❑ इसमें हृदय की मांस पेशियां मजबूत होती हैं, हृदय की धमनियों में रक्त संचार बढ़ता है और हृदय रोग नहीं होते हैं। हृदय की रक्त पम्पिंग प्रणाली सुचारू रूप से काम करती है और रक्त संचार ठीक से होता है।

❑ हमारे हाथों की उंगलियों के अग्रभाग में साईनस के बिन्दु हैं। जब हम उंगलियों का ग्रीप बनाकर खींचते हैं तो ये सारे बिन्दु क्रियाशील हो जाते हैं। इससे साईनस, नजला, जुकाम और श्वास नलिकाएं भी साफ हो जाती हैं। उनमें जमा श्लेष्मा बाहर निकलता है।

❑ जब हाथों का ग्रीप बनाकर हाथों को दाएं-बाएं, ऊपर-नीचे खींचते हैं, तो छाती चौड़ी होती है, फेफड़ों का विस्तार होता है और श्वास रोग नहीं होते हैं।

❑ हाथों को खींचने से हाथों और भुजाओं की नस नाडियां, कन्धों की मांसपेशियां भी सबल हीती हैं। इस मुद्रा से हाथों का सुन्नपन भी समाप्त होता है, क्योंकि हाथों में रक्त संचार बढ़ता है।

❑ इस मुद्रा से अग्नि तत्व बढ़ता है। शरीर में गर्मी उत्पन्न होती है तथा हम उदारवादी बनते हैं। जिन लोगों के हाथ-पैर ठंडे रहते हैं वे कफ प्रकृति के होते हैं। ऐसे व्यक्तियों के लिये गणेश मुद्रा बहुत लाभदायक है।

With Best Compliments From...

VIDYA

VIDYA WIRES PVT. LTD.

(AN ISO 9001 :2015 Certified Company)

Shyam Sundar Rathi

excellence through experience

- Enamelled Copper Wires & Strips
- Paper Insulated Copper Conductors

(Mica / Nomex / Kraft / Crepe / Fibre Glass / Dauglass / Cotton / Polyester)

- MPCC - Connection Cables
- Bare Copper Wires
- Bunched & Stranded Copper Ropes / Earthing Cable
- Copper Tapes / PVC Copper Tapes

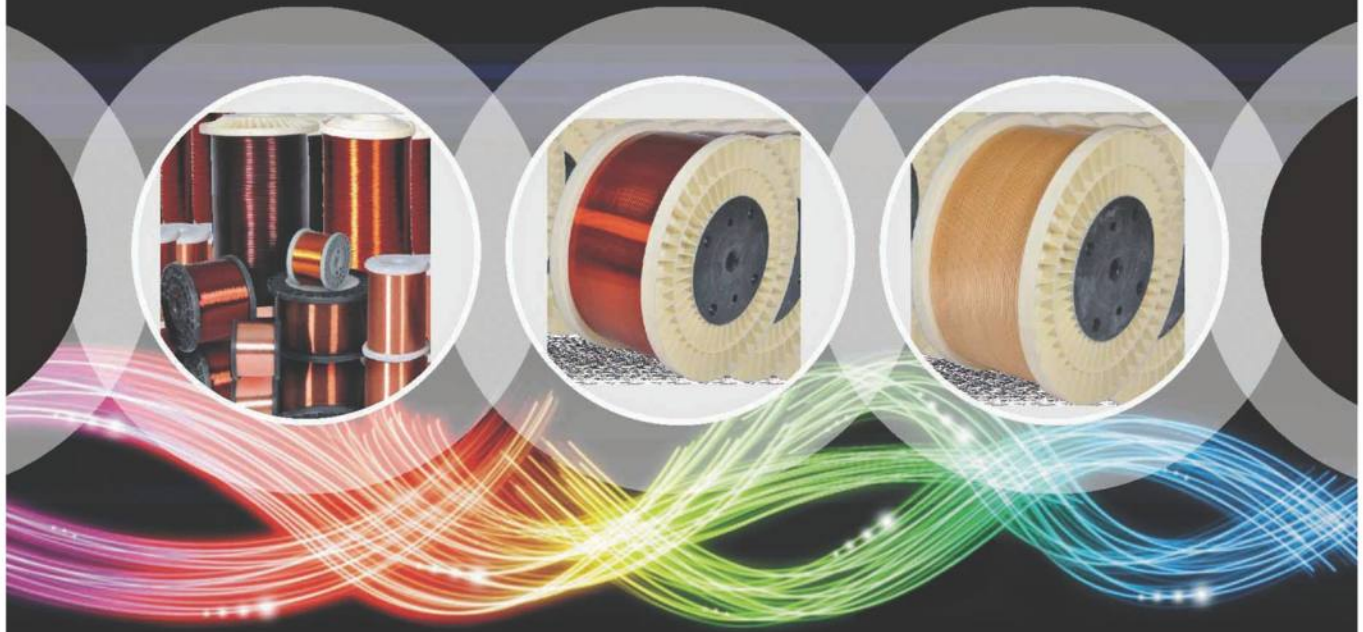

DEALERS ENQUIRIES SOLICITED

Regd. Office & Factory
123, G.I.D.C. Vithal Udyognagar,
Dist. Anand (Gujarat), INDIA
Ph.: +91 9228010700-09, +91 (2692) 236125.
Email: sales@vidyawire.com
www.vidyawire.com

ग्रामीण क्षेत्र के आर्थिक दृष्टि से कमजोर विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा में सबसे बड़ी समस्या है, शहरों में आवास व्यवस्था। ऐसे ही विद्यार्थियों को निःशुल्क छात्रावास सुविधा प्रदान कर उनके उज्जवल भविष्य की राह आसान करने में जुटी है भीलवाडा की एक मात्र संस्था श्री माहेश्वरी बालक छात्रावास संस्थान भीलवाड़ा, जो जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क आवास एवं भोजन सुविधा प्रदान कर रही है।

विद्यार्थियों की नि:शुल्क सेवा

श्री माहेश्वरी बालक छात्रावास भीलवाड़ा

सत्यनारायण मंत्री
अध्यक्ष

कैलाशचन्द्र दरगड़
मंत्री

बृजमोहन सोमाणी
कोषाध्यक्ष

राधेश्याम चेचाणी
संचालन प्रभारी

राजकुमार जागेटिया
संस्थापक सलाहकार

शहर के मध्य स्थित महेश शिक्षा सदन में माहेश्वरी छात्रावास का उपयोग सामाजिक कार्यों में होने के कारण बालकों की शिक्षा व्यवस्था में अवरोध आ रहा था। इस कारण समाज के गणमान्यजनों ने 15 अगस्त 2017 को निःशुल्क सेवा की विचारधारा से समाज के कमजोर परिवारों के बालकों हेतु एक अन्य छात्रावास निर्माण हेतु अंशल सुशांत सिटी के शांति पूर्ण वातावरण में नया भूखंड क्रय किया तथा श्री माहेश्वरी बालक छात्रावास का पंजीयन कराया गया। इसे क्रमांक 102/भीलवाड़ा/2017-18 दिनांक 25-09-2017 को पंजीयन प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। छात्रावास का निर्माण कार्य सम्पूर्ण हो चुका है। छात्रावास संचालन हेतु प्रबंध कार्यकारणी का गठन किया गया है तथा नियमानुसार दो वर्ष के लिए प्रबंध कार्यकारणी का चुनाव होता है। वर्तमान में सत्यनारायण मंत्री की अध्यक्षता में कार्यकारिणी का गठन हो चुका है।

जरूरतमंदों को नि:शुल्क आवास एवं भोजन

एक करोड़ से अधिक कि लागत से निर्मित इस छात्रावास के निर्माण के समय से ही इसे जरूरतमंदो को समर्पित करने का लक्ष्य बना लिया गया था। इसके लिए निर्धारित किया गया था कि माहेश्वरी समाज के ग्रामीण क्षेत्रों के आवासरत कमजोर परिवारों के बालकों को छात्रावास में निःशुल्क आवास, भोजन-वाहन की व्यवस्था भीलवाडा केंद्र पर छात्रावास बनाकर उपलब्ध कराना, अपंग, अपाहिज, विधुर व पराश्रित एवं एकल भाई, आयकर नहीं चुकाने वाले परिवार के सदस्यों तथा अध्ययन, प्रशिक्षण तकनीकी ज्ञान अनुसंधान आदि में चयनित छात्रों को ही प्रवेश दिया जायेगा। वर्तमान में अपने इन सभी उद्देश्यों पर खरा उतरते हुए यह संस्थान 01-07-2022 से निःशुल्क संचालित हो रहा है।

निःशुल्क सतत संचालन होगा ऐसे

समाजजनों के पूर्ण सहयोग से उक्त छात्रावास निःशुल्क संचालित हो रहा है। प्रत्येक वर्ष के 365 दिनों में प्रतिदिन 5000/- रुपये की अनुमानित खर्च की सम्भावना है। इस हेतु 500 माहेश्वरी परिवारों से निवेदन किया जाना प्रस्तावित है। समाजजन अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, अपने माता-पिता की पुण्य तिथि की स्मृति में उक्त राशि का सहयोग कर सकते हैं। इसमें प्रतिदिन के सहयोगकर्ता का नाम भोजनशाला के भोजन कक्ष पर अंकित किया जायेगा। वर्तमान में छात्रावास संचालन का कार्य राधेश्याम चेचाणी के नेतृत्व में हो रहा है। सदस्य अथवा गैर सदस्य सम्पूर्ण भारत वर्ष के माहेश्वरीगण सहयोग हेतु सहमति दे सकते हैं तथा वे इच्छुक सहयोगकर्ता संस्थान के बैंक खाता संख्या SBI A/C 37221379378, IFSC CODE SBIN0031094 में सहयोग राशि 5000/- जमा करा सकते हैं। एक से अधिक दिवसों एवं संस्थानों द्वारा भी सहयोग स्वीकार्य है।

इस तरह होगा प्रबंधन

प्रबंधकारिणी द्वारा नामित सदस्यों द्वारा प्रबंध व्यवस्था हो रही है, ये लोग ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर परिवारों से संपर्क कर उनको छात्रावास हेतु प्रोत्साहित करना तथा छात्रावास से संपर्क कर उनके आवास एवं भोजन, वाहन की व्यवस्था प्रबंध कार्यकारिणी से करवाते हैं। संस्थान में विशेष संरक्षक सदस्य (कमरा सहयोग 300000/- रुपये), संरक्षक सदस्य 100000/- रुपये, पुरुष सदस्य सामान्य 10000/- रूपये, महिला सदस्य 5000/- रुपये में बन सकेंगे। संचालन सहयोग 5000/- रुपये प्रतिवर्ष जो कि गैर सदस्यों से भी स्वीकार्य है तथा स्वैच्छिक है। वर्तमान में संचालन सहयोग हेतु 382 सदस्य बन चुके हैं।

वर्तमान प्रबंध कार्यकारिणी

अध्यक्ष एवं स्थायी संरक्षक सत्यनारायण मंत्री (काछोला), स्थायी संरक्षक राधेश्याम खटोड (बागोर), उपाध्यक्ष- रामराय सेठिया (बागोर), संस्थापक सलाहकार–रामकुमार जागेटिया (मेजा), मंत्री- कैलाशचन्द्र दरगड़ (भीलवाड़ा), कोषाध्यक्ष- बृजमोहन सोमाणी (भीलवाड़ा), सदस्य – अनूपकुमार भण्डारी (खामोर), चाँदमल सोमाणी (टिटोडा जागीर), राधेश्याम सोनी (उलेला), इन्द्रा झंवर (मांडलगढ़), निवर्तमान अध्यक्ष (नामित) राधेश्याम चेचाणी (मोड़ का निम्बाहेडा), कैलाश चन्द्र काबरा (मंगरोप), सुरेश चन्द्र मंत्री (काछोला), आमंत्रित सदस्य - कन्हैया लाल खटोड (रायपुर), रामस्वरूप राठी (भीलवाड़ा), नारायण लाल जागेटिया (भीलवाड़ा), अनिल नुवाल (भीलवाड़ा), रेखा हिंगड (भीलवाड़ा), गोपाल जागेटिया (भीलवाड़ा), आशीष कुमार झंवर (भीलवाड़ा)।

पिछले दो दशकों से पितृत्व दिवस, मातृत्व दिवस, प्रेमदिवस, पुत्र दिवस, पुत्री दिवस, दादा-दादी दिवस आदि हमारे त्योहारों की तुलना में अधिक जोश से मनाये जाने लगे। दिन पर दिन इन रिश्ते-दिवसों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। ऐसे लगता है जैसे किसी भी रिश्ते को मात्र एक दिन भरपूर मान-सम्मान, प्यार-अपनापन देने से उस रिश्ते की गहराई बढ़ जायेगी। क्या हमारे रिश्ते और रिश्तेदार वर्ष में सिर्फ एक दिन के मान-सम्मान के अधिकारी हैं? क्या किसी भी रिश्ते में अपनापन जताने/बताने के लिए वर्ष में सिर्फ एक विशेष दिन काफी होगा? पाश्चात्य संस्कृति के यह चोचले हमारी संस्कृति और त्योहारों में शामिल होने लगे हैं, जिससे हम त्योहार कम और विशेष दिन अधिक मनाने लगे हैं। हकीकत में रिश्तों में अपनापन हो या ना हो; पर हम यह दर्शाने से नहीं चूकते कि हमारा रिश्ता ही सबसे बेस्ट है। क्या रिश्तों को लेकर ऐसे दिखावटी दिन विशेष मनाना हमारी भारतीय संस्कृति के अनुसार उचित हैं अथवा अनुचित? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

रिश्तों के विशेष दिन निर्धारित करना/मनाना उचित अथवा अनुचित ?

त्योहारों के दिन घटते और रिश्तों के दिन बढ़ते जा रहे

हर एक रिश्ते में निकटता, पारदर्शिता और विश्वास होना अतिआवश्यक है पर उसको जताने के लिए एक खास दिन निर्धारित करना आवश्यक नहीं। हम वर्ष भर के प्यार और विश्वास की भरपाई मात्र एक दिन में जताकर नहीं कर सकते। एक बीज की तरह ही रिश्ते को भी रोजाना पोषण की आवश्यकता होती है तभी विश्वास और प्यार की जड़ें मजबूत होती है। सोशल मीडिया पर एक-दूसरे की पोस्ट देखकर ही तो लोगों में खास दिनों को मनाने का चलन दिन दूना रात चौगुना बढ़ रहा है। हम तीज-त्योहार, जन्मदिन अथवा वर्षगांठ भले ही भूल जायें; पर वैलेंटाइन डे, मदर्स डे, फादर्स डे, संस डे, डॉटर्स डे आदि कभी भी कोई भूलकर भी नहीं भूलते। पच्चीस प्रतिशत रिश्ते तो केवल आभासी दुनिया को दिखाने के लिए तथाकथित एक दिन उस रिश्ते में भरपूर चाशनी घोलते हैं, जबकि हकीकत में 364 दिन वही चाशनी वाले रिश्ते कड़वाहट में भरे रहते हैं। रिश्तों को निःस्वार्थ भाव से समय देने की आवश्यकता है, रिश्ते दिखावटीपन या भौतिक सुख-सुविधाओं के मोहताज नहीं होते। जैसे माता-पिता का अपने बच्चों के लिए निःस्वार्थ प्यार किसी दिन विशेष पर निर्भर नहीं होता है। हमें पाश्चात्य संस्कृति का अनुसरण कर रिश्तों के लिए विशेष दिन को त्योहार के रुप में मनाने के स्थान पर अपनी भारतीय संस्कृति के त्योहारों को जीवंत रखने की दिशा में सोचना चाहिये वरना यह रिश्तों के लिए निर्धारित दिन ही हमारे त्योहार बन जायेंगे और हमारे त्योहार एक भूली-बिसरी याद।

❐ **सुमिता मूंधड़ा,** मालेगांव (नाशिक)

ऐसे आयोजन हमारी परम्परा नहीं

हमारी सनातन संस्कृति में माता-पिता को बहुत ही पूजनीय स्थान दिया गया है। वैदिक काल से ही माता-पिता की सेवा को बहुत ही श्रेष्ठ पुण्यदायी कर्म बताया गया है। मातृ देवो भवः पितृ देवो भवः प्रतिदिन माता-पिता को प्रणाम करना, हमारी युगों-युगों से चली आ रही संस्कृति और पूर्वजों द्वारा दिए गए अनमोल संस्कार है, परंतु आजकल पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव आज की युवा पीढ़ी पर कुछ ज्यादा ही दिखाई देने लगा। आज की युवा पीढ़ी ने रिश्तों और पारिवारिक प्यार के महत्व को बहुत ही सीमित कर दिया है और इसे एक दिखावे का रूप दे दिया है। मदर्स डे, फादर्स डे, ब्रदर्स डे, ग्रैंडपैरेंट्स डे आदि बहुत तरह के नए-नए अटपटे और अजीब दिनों के आयोजन करने की अनोखी प्रथा की शुरुआत कर दी, जो कतई सही नहीं है। यह हमारे संस्कार नहीं हैं, ये हमारी परंपराएं नहीं है। पाश्चात्य देशों में लोगों के पास अपनों को देने के लिए समय ही नहीं है। इसीलिए वह साल में कोई एक विशेष दिन एक रिश्ते के लिए चुनते हैं और अपना प्यार जाहिर करने की कोशिश करते हैं, यह उनका तौर-तरीका है, रिश्तों को देखने का और उन्हें निभाने का हमारा नहीं। हमारे यहां परिवार का हर रिश्ता बहुत पवित्र और आदरणीय है। हर पर्व का अपना एक अलग महत्व है, उसको मनाने के पीछे कारण है, उसकी अपनी उपयोगिता है, अलग तरीका है। होली, दीपावली, रक्षाबंधन, भाई दूज, करवा चौथ, तीज आदि अनेक पारिवारिक उत्सव हैं, जिनको हम पूरे विधि-विधान और हर्षोल्लास के साथ सपरिवार मनाते हैं, इन त्योहारों की रौनक अलग ही होती है।

❐ **मोनिका डागा 'आनंद',** चेन्नई (तमिलनाडु)

एक दिन का दिखावा अनुचित

आधुनिक दौर में नया चलन मातृ दिवस, पितृदिवस, पुत्र-पुत्री दिन इसी प्रकार तरह-तरह के दिन मनाने का चलन जोर-शोर पर है। हम पाश्चात्य संस्कृति और त्योहारो का, अंधानुकरण कर रहे और हमारी संस्कृति भूल रहे हैं। बड़े-बड़े होटलों में समाज परिवार के साथ जन्मदिवस, विवाह वर्षगांठ लोगो को दिखाने के लिए बड़े धूमधाम से मना रहे हैं। खुशी की बात है, जरूर मनाओ, लेकिन उसका इतना दिखावा क्यों? यह सब दिन मनाने की इतनी फैशन चल रही है कि एक ने मनाया फिर दूसरा उससे भी ज्यादा धूमधाम से मनाता है। मानो एक दूसरे में होड़ लगी हो। क्या हमारे रिश्तों की बुनियाद इतनी खोखली हो गई है कि हम सिर्फ एक ही दिन धूमधाम से मनाकर रिश्ता निभाऐं, या जो दिन मना रहे हैं उसी दिन, केवल समाज के दिखावे के लिये अच्छा व्यवहार करें, बाकी दिन अलग व्यवहार करें। जिन माता-पिता ने हमें जन्म दिया, पालकर बड़ा किया, उनके प्रति एक ही दिन कृतज्ञता व्यक्त करेंगे, पूजेगें? क्यों हमारे माता-पिता, दादा-दादी ने हमें एक ही दिन लाड लडाया बाकी दिन छोड़ दिया? हम बच्चे तो उनके नयनों की ज्योति हैं, इतने बुजुर्ग होने के बाद भी हमको देख वह खुशी से फूले नहीं समाते। अपना पूरा जीवन जिन्होंने अपने परिवार के प्रति न्यौछावर किया वे क्या केवल एक ही दिन के मान-सम्मान के अधिकारी हैं? जिन्होंने अपना प्यार, पैसा, समय सब अपने बच्चों पर लुटाया है। क्यों हम अपनेपन का दिखावा कर उनको कष्ट पहुंचाये।

❐ **छाया राठी,** यवतमाल

प्यार की अभिव्यक्ति जरूरी

माता-पिता, भाई–बहन, दादा–दादी, बेटा–बेटी इन सब पदों से प्यार सभी करते हैं, पर उस प्यार को व्यक्त नहीं करते। यदि एक दिन उसे प्यार को व्यक्त करने का नाम दे दिया गया हो तो मेरे मत से वह गलत नहीं है। मदर्स डे पर मां को प्यार व सम्मान देना या कोई उपहार देना अच्छा है पर उससे भी अच्छा है, बच्चे अपना प्यार मां को बोलकर शब्दों द्वारा व्यक्त करें। यह तीन शब्द सुनकर मां का हृदय प्रेम से प्रफुल्लित हो जाए तो इस दिन को मनाने में कोई बुराई नहीं है। चिल्ड्रंस डे भी पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की याद में पूरे हिंदुस्तान में मनाया जाता है। उस दिन बच्चे खुशी से फूले नहीं समाते। फादर्स डे, मदर्स डे, सिस्टर्स डे, ब्रदर्स डे भी पाश्चात्य संस्कृति में किसी की याद में मनाया जाता हो, पर यह दिन मनाने से किसी के चेहरे पर खुशी और दिल में प्रसन्नता हो तो हमें हर साल मानना चाहिए और अपने मन में उसे रिश्ते के प्रति प्रेम भाव व सम्मान को प्रदर्शित करना चाहिए।

❐ **शिल्पा काबरा,** सूरत

संस्कृति के अनुरूप नहीं

पश्चिमी देशों की नकल वाले यह विशेष दिन हमारे भारतीय संस्कृति के अनुरूप तो बिल्कुल अनुचित है। आज भी हम भारतीय समाज एक पारिवारिक व्यवस्थाओं के अन्तर्गत ही रहते हैं। परिवार में साधारणतया दादा-दादी से लेकर पिता-माता, पुत्र-पुत्री सभी एक साथ रहते हैं जबकि पश्चिम देशों में बच्चे थोड़े बड़े होने के बाद परिवार से अलग होकर अपनी अलग दुनिया बसा लेते हैं व अपने पूर्ण परिवार के साथ उस रिश्ते के वर्ष में तारीख/वार पर ही मिलते हैं व उसे एक विशेष आयोजन का नाम देते हैं। वहां पर बेटा पिता से फादर्स डे व मां से पूरे वर्ष पर्यंत सिर्फ मदर्स डे पर मिलता है। इसी तरह अन्य नजदीकी रिश्तेदारों से उसका सम्पर्क होता है- दिनांक या वार के हिसाब से। साधारणतया पिता-माता, पुत्र-पुत्रियाँ बिना हम एक दिन की भी कल्पना नहीं कर सकते। यदि ये रिश्ते जीवन में साथ न हों तो एक अपूर्णता का अहसास हर वक्त रहता है। अतः हमारे यहां यह परिकल्पना वास्तविकता से काफी दूर है। यद्यपि पश्चिम की चकाचौंध से प्रभावित होकर हमने भी इन विशेष दिवसों को मानना शुरु कर दिया है तथापि रिश्तों की यह व्यवस्था हमारी भारतीय परिवार व्यवस्था में आज भी बेईमानी है। इसमें शक नहीं है कि वर्तमान में हमारी परिवार व्यवस्थाओं-संस्कारों में सांस्कृतिक सामाजिक मूल्यों का निरंतर अवमूल्यन होता जा रहा है। रिश्तों की वर्ष में सिर्फ एक दिन विशेष को ही महत्वता दिखायें, यह फिलहाल दूर की कौड़ी लगती है।

❐ **सुरेन्द्र बजाज,** जयपुर

यह नौटंकी वाला व्यवहार

आज कल हम अपने रीति-रिवाज कम और बाहरी अनुकरण ज्यादा करने में ही अपने आपको अति आधुनिक समझकर फूले नही समाते। मगर क्या सही में यह करके हम अपनी संस्कृति और आवश्यक बातें भूलने की गलती नही कर रहे होते है? आधुनिक जरूर बनें, यह समय की माँग भी है लेकिन आँख और मस्तिष्क खुला रखते हुए किसी बात का अंधानुकरण बिल्कुल भी ना करें। आजकल यह एक फैशन या होड़ हो गई है कि हम अपने आपको कैसे वफादार साबित करें, मग़र यह ना तो हमारी सोच है ना हमारे संस्कार। यह बातें पश्चिमी देशों की संस्कृति हो सकती है क्योंकि वहां नाते-रिश्ते कोई मायने नही रखते, इसलिए उनको यह एक दिन का नौटंकी वाला व्यवहार करके अपने आपको साबित करके अल्प समाधान भले ही मिले मगर हमारे हिसाब से यह अपने आपको तो बेवकूफ बनाना है ही, साथ में ओरों को भी मूर्ख समझने वाली बात है। हम लोग ऐसे माहौल में रहते हैं, जहां रिश्तों-नातों को बाकी हर बात से ऊपर रखा जाता है। इसलिए हम एक विशेष दिन को ही कोई मातृ दिवस, कोई पितृ दिवस तो कोई और किसी नाम से मनाते हैं उन सबसे अलग 'हर दिन सबका हर दिन सबके लिए' इसी सिद्धांत पर जीते हैं और यही हमारे 'वसुधैव कुटुंबकम' का असली मतलब है।

❐ **सपना श्यामसुंदर सारडा,** सुरेंद्रनगर (गुज.)

रिश्तों को दिवस विशेष में बांधना अनुचित

आधुनिक युग में सभी अटूट रिश्तों को सीमित करके किसी एक दिन विशेष में बांधने का प्रयास किया जा रहा है जो कि अनुचित है। हमारा बंधन माता-पिता के साथ बंध जाता है, बेटी हुई तो मां बेटी का, तो पिता-पुत्र, भाई-भाई, चाचा, ताऊ, बहू आई तो सास-बहू का, शादी हुई तो भाई-भाभी का। ये उम्र भर चलने वाले रिश्ते हैं, रिश्तो की पक्की डोर को हम दिन विशेष के साथ जोड़कर क्यों छोटी अथवा कच्ची करें। पाश्चात्य संस्कृति में जहां पता ही नहीं होता कि माता कौन है, पिता कौन है और कौन किसका पिता और कौन किसकी माता वहां पर परिवार नाम की कोई संस्था नहीं होती। वहां तो बस घूम फिर कर रहो, बन जाए तो साथ रहो, नहीं तो छोड़ दो। भारतीय संस्कृति में विवाह एक नहीं बल्कि जन्म-जन्म का बंधन माना गया है और यह सभी रिश्ते इस बंधन के साथ बंधे हुए हैं। अतः इन सब रिश्तों को किसी दिन विशेष में लेकर हम छोटा नहीं कर सकते। आंख खोलते ही हम माता का मुंह देखते हैं और पिता की छत्रछाया में हम बड़े होते हैं, हम कैसे मानेंगे कि यह एक दिन का रिश्ता हमारे प्यार और सम्मान का प्रतीक है? पिता के हम उम्र भर ऋणी हैं तो माता का जिसने हमको जन्म दिया उसका रिश्ता कितना अनमोल होता है। ऐसे रिश्तों को दिन विशेष की सीमा में बांधना बिल्कुल भी उचित नहीं है।

❐ **उर्मिला तापड़िया,** नोखा जिला बीकानेर

उचित ही नहीं, महत्वपूर्ण

वैसे तो सामाजिक या पारिवारिक रिश्तों का निर्धारण एक दिन में नहीं होता है। ये तो सतत संस्कारिक प्रक्रिया है, जो व्यक्ति की सोच, जीवन के दृष्टिकोण, आध्यात्मिक विचारों पर निर्भर करता है। फिर भी साल में विशेष निर्धारित दिन में, रिश्तों को मनाना उचित ही नही, महत्वपूर्ण भी है। जिस तरह लक्ष्मी का महत्व रोज है, फिर भी हम साल में एक दिन ही लक्ष्मीजी का पूजन करते हैं। इसी प्रकार भगवान रोज पूज्यनीय है, फिर भी विशेष दिन पर हम सभी देवी देवताओं को अधिक महत्व देकर पूजन आदि कर त्योहार मनाते हैं। ठीक इसी प्रकार, रिश्तों का मूल्य प्रतिदिन है, फिर भी साल में एक विशेष दिन इन रिश्तों को अधिक उत्साह से मनाना अवश्य चाहिए। ऐसा करने से, जिनके लिए दिवस मनाया जाता है, उनके मन में भी अतिरिक्त उत्साह उत्पन्न होगा, जो रिश्तों को मजबूती ही प्रदान करेगा। वर्ष में एक बार रिश्तों का दिवस मनाने से, शेष वर्ष में रिश्तों की एहमियत कम नही हो जावेगी। दूसरी बात, भारतीय सभ्यता व सनातन संस्कृति सर्वदा से विशाल रही है। हमने विश्व को बहुत कुछ आध्यात्म दिया है, लेकिन हमेशा शेष विश्व की अच्छाइयों, उचित परंपराओं व अविष्कारों को स्वीकार कर जीवन शैली में उतारा है। अतः विभिन्न दिवसों की नवीन परम्पराओं को पाश्चात्य कहकर नकारा नही जा सकता। वर्ष में एक दिन रिश्तों को अतिरिक्त उत्साह से मनाने से प्रेम व्यवहार में वृद्धि ही होगी।

❐ **श्रीकांत बागड़ी,** बेंगलुरु

खुश रहें - खुश रखें

बुरी आदतों से बचें, अगर एक छोटी सी बुराई भी हमारे जीवन में आ गई तो सब कुछ बर्बाद हो सकता है

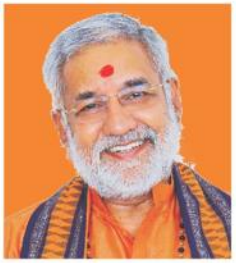

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

कहानी - कुछ शिष्य महावीर स्वामी के पास पहुंचे और उन्होंने कहा, 'आपके पास आने से पहले हम चर्चा कर रहे थे कि किसी भी साधक का पतन किस वजह से होता है? प्रमुख कारण क्या हैं और पतन कैसे होता है? हमने अपने-अपने विचार रखे, लेकिन कुछ सहमति नहीं बन पा रही है। इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर हमें नहीं मिल पाए हैं। इसीलिए ये बातें आपसे पूछने आए हैं।'

महावीर स्वामी ने शिष्यों की बातें ध्यान से सुनी और कुछ देर सोचने के बाद कहा- 'किसी भी साधक के पतन का मुख्य कारण उसके दुर्गुण हैं।' ये बात समझाने के लिए उन्होंने अपना कमंडल दिखाया जो पूरी तरह से बंद था। शिष्यों से कहा, 'इसे पानी में फेंक दो।'

शिष्यों ने कमंडल पानी में फेंक दिया। वह पानी में नहीं डूबा। तब स्वामीजी ने कहा- 'अगर इस कमंडल में एक छेद कर देंगे तो क्या होगा?'

शिष्यों ने कहा- 'छेद करने के बाद तो ये कमंडल पानी में डूब जाएगा।'

स्वामीजी बोले- 'बस यही मनुष्य के पतन का कारण है। किसी इंसान के अंदर दुर्गुण का एक छेद भी हो जाए तो धीरे-धीरे जैसे कमंडल पानी में डूब जाता है, ठीक वैसे ही बुराइयों की वजह से मनुष्य का पतन हो जाएगा। चार छिद्र बहुत बड़े हैं- काम, क्रोध, लोभ और मद। इनसे बचना चाहिए।'

सीख - हमें हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि बुराइयों का छोटा सा भी अंश हमारे स्वभाव में न आए। ये दुर्गुण बहुत सूक्ष्म रूप में हमारे स्वभाव में आते हैं और हमारे जीवन रूपी कमंडल में छेद कर देते हैं, इसके बाद हम कोई ऐसा गलत काम कर देते हैं, जिससे पतन होगा, आलोचना होगी, दंड मिलेगा। इसीलिए दुर्गुणों के प्रति बहुत सतर्क रहना चाहिए।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/- डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/- डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon
जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "ऐसा क्यों?" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/- डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

खजूर नटी रोल

सामग्री कवर के लिए : जीरो नंबर की सूजी दो कप, मैदा एक कप, मिल्क पाउडर चार टेबल स्पून, बटर चार टेबल स्पून, बेकिंग पाउडर वह एक पिंच, आंटा गुथने के लिए आवश्यकता अनुसार दूध।

सामग्री स्टफिंग के लिए :
खजूर 100 ग्राम, काजू, बादाम, अखरोट और मगज बी यह सब मिलकर 100 ग्राम, दालचीनी पाउडर एक टीस्पून, पीसी चीनी एक टेबलस्पून।

विधि: कवर की सभी सामग्री मिलाकर दूध से थोड़ा कड़ा आटा लगाकर अच्छे से मठार ले और 10 मिनट रख दीजिए। खजूर को मिक्सर में चला कर थोड़ा बारीक करें, फिर बादाम काजू वाली सामग्री भी मिलकर मिक्सर में पीस ले और एक पेन में मक्खन गर्म करके खजूर थोड़ा नरम होने तक भून लीजिये उसमें स्टफिंग की सब समग्र मिलकर 8-10 रोल बना लीजिए। आटे की लोई को छोटी रोटी बेल ले उसे पर भरावन का रोल रखकर उसे आटे से कवर करके वापस उसका रोल बनाएं। रोल के खुले किनारो पर पानी लगाकर अच्छे से पैक कर ले और एक बेकिंग ट्रे को ग्रीस करके उसमें यह रख दे। रोल को प्री हिट हुए ओवन में 180 डिग्री पर 20 से 25 मिनट बेंक करें। रोल थोड़ा ठंडा होने पर उसे पर पीसी चीनी स्प्रिंकल कर दीजिए ।

बढ़िया खजूर नटी रोल पेश करें ।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

वेल बिगन इज हॉफ डन

खम्मा घणी सा हुकुम लगभग 500 वर्षों री तपस्या रे बाद श्री रामजी री अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा रे इण शुभ अवसर और अलौकिक घड़ियां रा आपा सब साक्षी बणियां हां। इणसूं बढ़ने सौभाग्य आपाणे वास्ते कुछ भी नहीं हूं सकें। हुकुम जो रघुपति राम झोपड़ी में रह रिया था अबै आपणे सिंहासन पर विराजमान हू ग्या हैं। राम आ ग्या हैं तो

रामराज्य भी आपासूं दूर नहीं है।

या ही सपनो तो आपां रोज देखता हुकम। ओ सपनों, नई कल्पनावाँ.. अब हिलौरा लेवण लागी हैं। अब क्षुधा और बढ़गी है। ज्ञानवापी, मथुरा री आशा उम्मीद भरण लागी है। अंग्रेजी में एक कहावत है **'वेल बिगन इज हाफ डन'** अर्थात **'चोखो शुभारंभ'** मतलब आधो काम बण ग्यो फकत आधो बाकी है। मोदी रे शासन काल मे उम्मीदों ने पंख लाग ग्या है। राम जी रे आगमन सूं सगळा री आशा परवान चढ़गी है कि अब तो सपनो जरूर पूरो व्हेला। आशा उत्साह री माँ है हुकम। अबै हर ओर शांति भाईचारे रो वातावरण हुवैला, हर ओर न्याय ही न्याय दिखेला, अमीर गरीब ऊँच नीच रा भेद मिटैला। लूट खसोट भ्रष्टाचार रो नाम नहीं रैवेला। बहन बेटियों में डर नहीं हुवेला। भूख सूं कोई नहीं मरेगा,सबने स्वास्थ्य, शिक्षा और समानता रो हक मिळेला, डर दहशत दंगा फसाद इतिहास बण जावैला। शेर बकरी एक घाट पर पाणी पीवेला। मंदिर में अजान और मस्जिद में आरती संग घण्टा घड़ियाल बाजेला, सबरो

सपनों एक बार फिर साकार हुवेला। आपाणे सबरो ओ सपना प्रभु राम जी जरुर पूरो करेंला,क्योंकि अब तो प्रभु श्रीराम जी अपणे राजसिंहासन पर विराजमान हूँ ग्या हैं। हुकुम... परमात्मा कई नहीं देखे एवं कई नहीं करवा सके। श्री हरि रे राज में सब कुछ सम्भव है। मन्दिर री मनभावन मूर्ति ने देख एक कविता बणी है..

नमन श्रीराम को करके हरेक दिल मुस्कुराया है,
जलाकर दीप हर घर को दिवाली सा सजाया है,
हुआ जीवन सफल श्रीराम के चरणों में आकर अब,
खुशी का दिन अयोध्या में हमारे आज आया है ॥
आ खुशी सबने उल्लास, उमंग सूं भर रही है।

निश्चय सबने न्याय मिलेला, आपणी विकास दर बढेला, जरूर व्हेला हुकम, मोदी है तो मुमकिन है।

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ *ज्योत्सना कोठारी*
मेरठ

- अश्कों की नमी से दिल की दास्तान क्या लिखना,
  खुद को बावफा और किसी को बेईमान क्या लिखना।
- हर एक को हक है वक्त के साथ बदल जाने का,
  पर कटी पतंग अब अपना नाम क्या लिखना ।
- कुछ जायेंगे छोड़कर तभी तो कुछ की आमद होगी,
  जीने का फलसफा यही, उसे वीरान क्या लिखना ।
- तजुर्बों की शक्ल में लिखते है अपनी जिंदगी,
  मुश्किल तो है पर इससे आसान क्या लिखना।
- उम्मीद के मोती ही चुगना मुश्किलों की रेत से,
  गम के दरिया को छोड़ो, उसका तूफ़ान क्या लिखना ।
- जो हल्के वजूद है, वो सब ऊंची शाख पर बैठे है,
  हौसलों से जो उड़े थे, अब उनकी उड़ान क्या लिखना ।
- हाथ खाली झाड़ के, जाना है सबको एक दिन,
  नेकियां ही न लिखी तो नफा नुकसान क्या लिखना ।

कार्टून कौतुक

राशिफल संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

इस महीने स्वास्थ्य अपेक्षाकृत ठीक नहीं रहेगा गरिष्ठ भोजन के उपयोग से बचें। कॅरियर व कार्य क्षेत्र की दृष्टि से यह महीना आपके अनुकूल रहने वाला है। जिन जातकों को ट्रांसफर की आवश्यकता है, उन्हें सफलता मिल सकती है, जिनके प्रमोशन लंबित थे उन्हें भी सफलता मिल सकती है। व्यापारी वर्ग के लिए यह महीना मिले-जुले परिणाम वाला रहेगा। शुरू के दो सप्ताह नुकसान संभावित है, जबकि महीने का उत्तरार्ध लाभप्रद साबित हो सकता है। कृपया अपने विवेक का उपयोग करें। इस महीने यात्रा योग भी बन सकते हैं। संबंधों के जगत में संयमित व्यवहार आवश्यक है। खर्च अनियंत्रित व बढ़ा हुआ रहेगा।

वृषभ

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह महीना आपको विशेष सजगता रखने की आवश्यकता है। रक्त संबंधी समस्या जैसे हाई ब्लड प्रेशर, अनिद्रा, रोग इत्यादि हो सकते हैं। संबंधों के जगत में यह महीना आपके लिए चुनौतीपूर्ण रहेगा। आपकी बातों का गलत अर्थ लिया जाएगा। कृपया अपनी वाणी एवं विचारों पर संयम रखें। महीने के अंत में आपको आपके जीवन साथी के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। कार्यक्षेत्र की दृष्टि से यह महीना अत्यंत सुखद रहने वाला है। आपके कार्य को सराहा जाएगा। आप अपने कार्य पर ध्यान को एकत्रित कर सकते हैं। कार्यों में अच्छी सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टिकोण से यह महीना मध्यम रहेगा। भाई- बहनों का सहयोग मिलता रहेगा।

मिथुन

यह महीना स्वास्थ्य की दृष्टि से उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ना बरतें। अपने आपको फिट रखने के लिए योग प्राणायाम इत्यादि करें। कार्य क्षेत्र में कुछ उदासीनता रहेगी। कृपया उत्साह से कार्य करें, संबंधों के जगत में यह महीना अत्यंत सुखद रहेगा, प्रेम भाव बढ़ेगा। पुराने विवाद हल होंगे। एक नई शुरुआत होगी। घर में सुख-सुविधाओं के साधन बढ़ेंगे। पिता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। आकस्मिक खर्च होगा।

कर्क

इस महीने आपका अपने आपके प्रति रवैया कुछ आलसी पूर्ण रहेगा, जिसका आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। कृपया अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करें, नियमित रूप से व्यायाम, नियमित आहार और बराबर नींद लेवें। इससे आप कई परेशानियों से बच सकते हैं। कार्यक्षेत्र की दृष्टि से आपके लिए यह महीना अत्यंत अनुकूल है, कृपया नई रणनीति बना करके और अपने कार्यक्षेत्र में उत्साह से कार्य करें। व्यापारी वर्ग एवं नौकरी पेशा जातकों दोनों को मन वांछित सफलता मिलेगी। पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन की दृष्टि से भी यह महीना आपके लिए अत्यंत अनुकूल है। प्रेम संबंधों में घनिष्ठता बढ़ेगी। जिन जातकों की सगाई इत्यादि नहीं हुई है, उनके सगाई के योग बनेंगे। विवाहित जातकों के संबंधों में मधुरता आएगी।

सिंह

तेज मिर्च मसाला एवं अत्यधिक गर्म भोजन करने की आपकी आदत इस महीने आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। कृपया इसके प्रति सजग रहें। खान-पान की आदतों में बदलाव करें। पाचन संस्थान से संबंधित परेशानियां इस महीने आपको रह सकती है। कार्यक्षेत्र की दृष्टि से यह महीना आपके लिए अत्यंत अनुकूल रहने वाला है। व्यापारी एवं नौकरी पैसा जातकों दोनों को ही लाभ होगा। संबंधों के जगत में तनाव परिलक्षित होगा।

कन्या

पाचन संस्थान से संबंधित समस्याएं, सर दर्द, अनिद्रा इत्यादि आपको इस महीने परेशान कर सकते हैं। अपने खान-पान की आदतों को नियंत्रित करके आप इनसे बच सकते हैं। कार्यक्षेत्र की दृष्टि से यह महीना अत्यंत अनुकूल रहने वाला है। इस महीने आपको बहुत लंबे समय से अपेक्षित सफलता मिल सकती है। इस महीने आप अपनी कार्य शैली से लोगों को चकित कर सकते हैं। संबंधों की दृष्टि से देखें तो महीने का पूर्वार्ध आपके लिए अनुकूल है एवं उतरार्ध में वाद-विवाद एवं मनमुटाव संभावित है।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए स्वास्थ्य की दृष्टि से यह महीना चमत्कारिक परिणाम देने वाला रहेगा। पुराने रोग ठीक होंगे। स्वास्थ्य में तेजी से सुधार आएगा किंतु कुछ आकस्मिक समस्याएं भी आ सकती हैं, जो आसानी से चली जाएंगी, लेकिन कुछ असर छोड़कर जा सकती है। नौकरी करने वाले जातकों को स्थान परिवर्तन के योग बनेंगे एवं व्यापारी वर्ग को लाभ होगा। व्यापारी वर्ग नई प्लानिंग के बारे में सोच सकता है। आर्थिक दृष्टि से महीना अनुकूल रहेगा, लाभ अधिक होगा। भाई-बहनों से मन मुटाव संभावित है। माताजी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। जीवन साथी से व्यवहार उत्तम रहेगा।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों को इस महीने विभिन्न तनाव के बावजूद इच्छित कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यवसाय उन्नत होगा। भूमि भवन से संबंधित कार्य होंगे। कार्य क्षेत्र में धन लाभ होगा। घर में सुख साधनों की वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक एवं मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। परिश्रम की तुलना में लाभ कम हो पाएगा। शीघ्र लाभ-हानि प्रदान करने वाले कार्यों से लाभ के योग प्रबल रहेंगे। संतान के कार्य में व्यवधान के उपरांत कार्य हो पाएंगे।

धनु

स्वास्थ्य एवं कॅरियर दोनों के क्षेत्र में इस महीने में आपको चुनौती रहेगी। कृपया अपने कार्य एवं स्वास्थ्य दोनों का संतुलन बनाकर चलें। इस महीने अच्छी बात यह है कि आपका परिवार एवं जीवन साथी आपका सहयोग करेगा जिससे आप अपनी निजी समस्याओं से आसानी से उभर सकते हैं। अपने पर्यटन एवं साहस के बल पर आप अपनी समस्याओं से उभर सकते हैं। परिवार के अलावा अन्य लोगों के संपर्क द्वारा भी आप अपने कार्य को गति प्रदान कर सकते हैं। मित्र आपके सहयोगी की भूमिका में रहेंगे। विदेश से जुड़े हुए व्यापार-व्यवसाय करने वाले जातकों को लाभ होगा।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह महीना अधिक परिश्रम एवं मेहनत की मांग कर रहा है। आपको अपने साहस को इकट्ठा करके अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना पड़ेगा। आर्थिक दृष्टि से आपको विशेष सजग रहना है, जोखिम एवं लाभ दोनों संभावित है कृपया विवेक का उपयोग करें। कुटुंबियों से वाद-विवाद एवं मनमुटाव संभावित है, कृपया अपनी वाणी पर संयम रखें।

कुम्भ

कुंभ राशि के जातकों के लिए इस महीने के शुरुआती 2 सप्ताह आर्थिक दृष्टि से लाभप्रद रहेंगे, अनुकूलता रहेगी। पारिवारिक परिवेश सुखद एवं सहयोग वाला रहेगा, फिर भी मन में कोई अज्ञात चिंता बनी रहेगी। अंतिम दो सप्ताह स्वभाव में आक्रामकता बढ़ी हुई रहेगी। बिना कारण के विवाद आएंगे, कृपया इसके प्रति सजग रहें।

मीन

मीन राशि के जातक इस महीने में कठोर परिश्रम एवं सूझबूझ द्वारा अपनी सफलता के नए आयाम प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक दृष्टि से यह महीना अनुकूल रहेगा। घर में धार्मिक आयोजन होंगे। कार्य के प्रति आपका दृष्टिकोण बदलेगा। कम दूरी की यात्राएं होंगी। अनावश्यक भाग दौड़ बनी रहेगी। भाई-बंधुओ से मनमुटाव संभावित। किसी भी नए कार्य व्यवस्था को प्रारंभ करने के पहले एक बार पुनः विचार जरूर करें। बड़ा विनियोग, (इन्वेस्टमेंट) सोच समझकर ही करें। घर से दूर जाना लाभकारी होगा।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

विकास के अमृत काल में संवैधानिक मूल्यों के साथ

रामराज्य की ओर बढ़ता मध्यप्रदेश

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा | सशक्त और आत्मनिर्भर नारी शक्ति | अंत्योदय उत्थान
समृद्ध होता अन्नदाता | सक्षम युवा | सुलभ और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं | सांस्कृतिक समृद्धि

75 वें गणतंत्र दिवस
की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

"आइये, हम सब मिलकर मध्यप्रदेश को एक ऐसे गणतंत्र के रूप में लेकर आगे बढ़ें, जो सुराज, सुशासन सम्मत कार्यशैली और रामराज्य के आदर्शों का द्योतक हो, जिसमें सबका हित - सबका मंगल समाहित हो। शुभकामनाएं।"

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

D18508/23

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी — मध्यप्रदेश शासन — आकल्पन : म.प्र. जागरण/2024

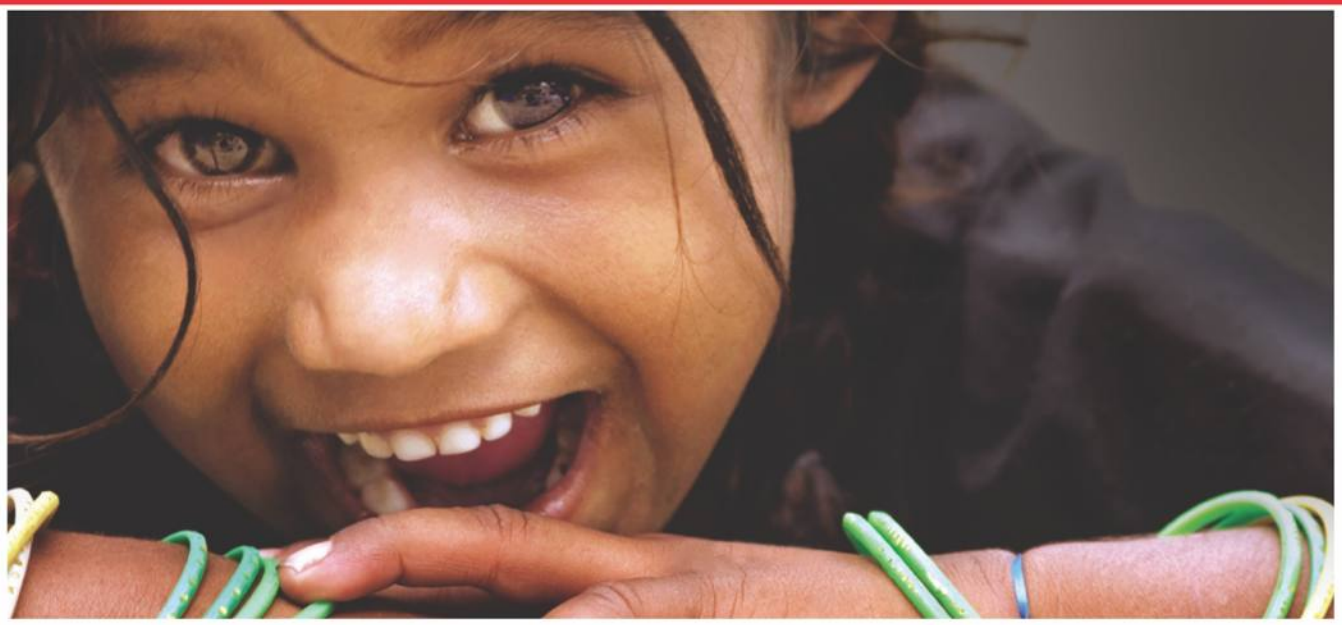

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2023-2025
Despatch Date - 02 February, 2024

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com